नई दिल्ली । बुधवार, 01 जुलाई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :176/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कप: जर्मनी बाहर, पैराग्वे ने पेनल्टी ... @ विचार डॉक्टर -मरीज के बीच भरोसे का डोर मजबूत हो... @ व्यापार भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद...

भारत के लिए मोबिलिटी अंतरराष्ट्रीय सहयोग का मजबूत आधार : विदेश मंत्री

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय सहयोग में लोगों की आवाजाही (मोबिलिटी) को एक बहुत महत्वपूर्ण आधार मानता है। ये साझेदारियां आपसी लाभ, साझा जिम्मेदारी और लंबे समय तक टिकाऊ व्यवस्था पर आधारित हैं।

मंगलवार को 'ह्यूमन रिसोर्स मोबिलिटी फोरम' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि भारत सुरक्षित, व्यवस्थित और कानूनी तरीके से होने वाले प्रवास (माइग्रेशन) के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत ने अब तक 28 माइग्रेशन और मोबिलिटी पार्टनरशिप समझौते किए हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'ह्यूमन रिसोर्स मोबिलिटी सिर्फ लोगों के एक से दूसरी जगह जाने तक सीमित नहीं है। यह लोगों की उम्मीदों को अवसरों से जोड़ने की बात है। यह प्रतिभा को जरूरतों से जोड़ने की बात है। इसका उद्देश्य ऐसे रास्ते बनाना है, जिनसे लोग आर्थिक विकास में योगदान दे सकें। इसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक प्रगति और सामाजिक कल्याण दोनों को बढ़ावा देना है।

उन्होंने कहा कि भारत का मोबिलिटी को लेकर नजरिया सिर्फ विदेशों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है। भारत इसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखता है। ये साझेदारियां सभी के फायदे, जिम्मेदारी और लंबे समय तक टिकाऊ विकास पर आधारित हैं।

शांति की पहल : मोदी -ईरानी राष्ट्रपति की फोन पर अहम बातचीत

द्विपक्षीय सहयोग के पहलुओं पर किया विचार-विमर्श

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ईरान-अमेरिका के बीच सीजफायर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पहली बार ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से फोन पर बात की। यह दोनों नेताओं के बीच संघर्षविराम के बाद पहली बातचीत थी। बातचीत के दौरान राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने प्रधानमंत्री मोदी को पश्चिम एशिया की ताजा स्थिति और आगे की रणनीति से अवगत कराया।

पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति के साथ बातचीत में पश्चिम एशिया में हुए इस संघर्षविराम का स्वागत किया। उन्होंने कहा, सभी मुद्दों का समाधान केवल संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने भारत के लंबे समय से चले आ रहे रुख को दोहराते हुए कहा कि क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी पक्षों को बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए।

पीएम मोदी ने दिया समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर जोर

पीएम मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति से फोन पर बातचीत के दौरान विशेष रूप से समुद्री मार्गों की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को निर्बाध बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और आर्थिक स्थिरता के लिए समुद्री परिवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

ईरान-अमेरिका के बीच समझौता

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने मंगलवार को बताया कि? अमेरिका के साथ हाल ही में हुआ शांति समझौता ज्ञापन (एमओयू) ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के साथ पूरी तरह तालमेल और सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल (एसएनएससी) के समर्थन से तैयार किया गया है।

मध्य ईरान के कोम प्रांत के दौरे के दौरान पेजेश्कियन ने कहा, 'अमेरिका के साथ बातचीत के सभी चरण ईरानी सरकार की बड़ी नीतियों के दायरे में, सर्वोच्च नेता के साथ लगातार और पूरी तरह तालमेल बनाकर और देश के कानूनी नियमों के अनुसार आगे बढ़ाए गए।

पेजेश्कियन ने कहा कि यह एमओयू ईरानी लोगों के लिए एक कूटनीतिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ अंतिम समझौते तक पहुंचने की बातचीत में ईरान अपने लोगों के अधिकारों, अपने मूल सिद्धांतों और राष्ट्रीय हितों से किसी भी हालत में पीछे नहीं हटेगा।

18 जून को ईरान और अमेरिका ने क्षेत्र में चल रहे युद्ध को सभी मोर्चों पर खत्म करने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें लेबनान भी शामिल है। दोनों देश अब एक अंतिम समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत कर रहे हैं, खासकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों में राहत को लेकर।

दोहा में अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक की योजना नहीं: ईरान

एजेंसी ■ तेहरान

दोहा में अमेरिका-ईरान समझौता ज्ञापन को लेकर वार्ता तय है। इससे पहले कतर ने और फिर खुद ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच बैठक नहीं होगी। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माईल बाघेई ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान स्पष्ट किया कि अमेरिकी अधिकारियों के साथ किसी भी स्तर पर बैठक की कोई योजना नहीं है।

उन्होंने कहा, 'संभावना है कि बुधवार को दोहा में कतर के अधिकारियों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) के प्रावधानों के क्रियान्वयन पर चर्चा होगी। इसमें ईरान की कतर में फंसी प्रतिबंधित वित्तीय संपत्तियों की रिहाई से जुड़ा प्रावधान भी शामिल है।

बाघेई ने दोहराया, 'मैं फिर स्पष्ट कर रहा हूं कि अगले कुछ दिनों में अमेरिकी पक्ष के साथ किसी भी स्तर पर कोई बैठक निर्धारित नहीं की गई है। इससे पहले कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि कतर में रखे ईरान के 6 अरब डॉलर के फ्रीज किए गए फंड अभी तक तेहरान को हस्तांतरित नहीं किए गए हैं।

वहीं बाघेई ने लेबनान को लेकर अपने देश का रुख एक बार फिर स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, 'समझौता ज्ञापन के पहले प्रावधान के अनुरूप अमेरिका के लिए सभी मोर्चों, विशेषकर लेबनान में युद्ध समाप्त कराने की अपनी प्रतिबद्धता निभाना महत्वपूर्ण है।

सक्षिप्त खबर

मुंबई : स्कूल बस पर पेड़ गिरने से छात्र की मौत

मुंबई । महाराष्ट्र के मुंबई के चेंबूर इलाके में हुए हादसे में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि चार छात्र घायल हो गए हैं। चेंबूर के रोड नंबर-11 पर स्थित यूनिवर्सल स्कूल की एक बस पर अचानक पेड़ गिर गया। इससे बस में सवार एक छात्र की मौत हो गई, जबकि चार अन्य छात्र घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, हादसे के समय स्कूल बस में कुल 12 बच्चे सवार थे। अचानक पेड़ गिरने से बस को काफी नुकसान पहुंचा और उसमें सवार बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में कुल 5 छात्रों को चोट आई थी, इसमें एक छात्र गंभीर रूप से घायल था। गंभीर रूप से घायल छात्र को शाम 4:23 बजे मृत घोषित कर दिया गया। छात्र की पहचान विहान श्रीवास्तव के रूप में हुई है। छात्र 11 साल का था।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और बचाव दल मौके पर पहुंचे। बस में फंसे सभी छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

जनरल धीरज सेठ बने भारतीय सेना के नए सेना प्रमुख

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जनरल धीरज सेठ भारतीय सेना के नए सेना प्रमुख बन गए हैं। इससे पहले वह सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने 30 जून, 2026 को सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला है। उन्होंने सेना में रेगिस्तानी क्षेत्र से लेकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

जनरल धीरज सेठ के सेनाध्यक्ष बनने के साथ ही निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, पीवीएसएम, एवीएसएम आज सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हैं। इस अवसर पर मंगलवार को उन्हें नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक लॉन्स में सेना द्वारा औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इससे पहले सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित की।

जनरल धीरज सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। दिसंबर 1986 में उन्होंने भारतीय सेना की बख्तरबंद कोर में कमीशन प्राप्त किया था। अपने चार दशकों के शानदार सैन्य करियर के दौरान, उन्होंने ऑपरेशनल, रणनीतिक, क्षमता विकास और संस्थागत क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त किया है।

उनके इस अनुभव ने भारतीय सेना की युद्ध क्षमता और दीर्घकालिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके अलावा जनरल सेठ कई महत्वपूर्ण सैन्य अभियानों में विभिन्न स्तर पर कमान संभाल चुके हैं।

उनके कमांड असाइनमेंट में रेगिस्तानी क्षेत्र में एक बख्तरबंद रेजिमेंट, पश्चिमी मोर्चे पर एक बख्तरबंद ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में एक आतंकवाद-विरोधी बल शामिल हैं।

संसदीय समिति की अहम बैठक आज, एनटीए में सुधार और नीट-यूजी पुनर्परीक्षा पर होगी चर्चा

बैठक में उच्च शिक्षा सचिव और एटीए के महानिदेशक भी शामिल होंगे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

बुधवार को शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति की महत्वपूर्ण बैठक होगी। इस बैठक में नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट फॉर अंडरग्रेजुएट्स (नीट-यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा से मिले प्रमुख सबकों की समीक्षा की जाएगी और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में आवश्यक सुधारों पर चर्चा होगी।

बैठक में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष और एनटीए सुधार समिति के प्रमुख डॉ के राधाकृष्णन एजेंसी को सशक्त बनाने के लिए अपना रोडमैप प्रस्तुत करेंगे।

बैठक में उच्च शिक्षा सचिव और एटीए के महानिदेशक भी शामिल होंगे, जो चल रहे सुधारों और चुनौतियों पर समिति को जानकारी देंगे।

बैठक में शिक्षा क्षेत्र में स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग की संभावनाओं पर भी गंभीर रूप से विचार किया जाएगा। बुधवार को संसदीय समिति की बैठक का पहला सत्र सुबह 10.30 बजे से और दूसरा सत्र दोपहर 12 बजे से शुरू होगा।

नीट-यूजी पेपर लीक घटना के बाद एनटीए पहली बार संसदीय समिति को जवाब देने जा रहा है। इससे पहले भी संसदीय समिति ने नीट-यूजी पेपर लीक घटना के बाद एनटीए से कड़े सवाल पूछे थे।

शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष कांग्रेस नेता व राज्यसभा सदस्य मुकुल वासनिक हैं।

इससे पहले कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह समिति के अध्यक्ष थे, लेकिन 21 जून को उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। अध्यक्ष बनने के बाद मुकुल वासनिक की यह पहली संसदीय समिति बैठक होगी।

बंगाल से कश्मीर तक पन्द्रह सौ किलोमीटर लंबी मानसून पट्टी बनी

उत्तर भारत में 1 से 4 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

मानसून ने मंगलवार दोपहर जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड और उत्तरप्रदेश में एंट्री कर ली है। देश में अब तक 26 राज्यों को कवर कर लिया है। इससे पहले 24 जून को मध्य प्रदेश-गुजरात में एंट्री ली थी। इसके बाद 6 दिन अटका रहा। इससे कई राज्यों में गर्मी और उमस बनी हुई है।

उधर, दिल्ली और उत्तर भारत के लिए राहत की खबर आ रही है। सैटेलाइट तस्वीरों में करीब 1,500 किमी लंबी मानसून ट्रफ (कम दबाव की लंबी पट्टी) बनती हुई दिखाई दी है। यह उत्तरी बंगाल की खाड़ी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक फैली हुई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, मानसून ट्रफ बन चुकी है, लेकिन फिलहाल यह हिमालय की तलहटी (फुटहिल्स) के करीब स्थित है। यह ट्रफ धीरे-धीरे दक्षिण की ओर अपनी सामान्य स्थिति में पहुंचेगी, उत्तर भारत में बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर 1 से 4 जुलाई के बीच भारी बारिश हो सकती है।

समझें, मानसून ट्रफ क्या होती है

मानसून ट्रफ कम दवाब क्षेत्र की एक लंबी पट्टी होती है, जिसे दक्षिण-पश्चिम मानसून की रीढ़ माना जाता है। यह ट्रफ अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी से भरी हवाओं को भारत के अंदरूनी हिस्सों तक खींचकर लाती है। इसी वजह से देश के कई इलाकों में बारिश होती है।

असम में बाढ़, 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित

अरुणाचल प्रदेश और असम के कई हिस्सों में लगातार बारिश की वजह से बाढ़ और लैंडस्लाइड की स्थिति बनी हुई है। अरुणाचल में बारिश से लेकू नदी उफान पर आ गई, जिससे असम के जोनाई इलाके में भीषण बाढ़ आ गई। नेशनल हाईवे-515 भी डूब गया।

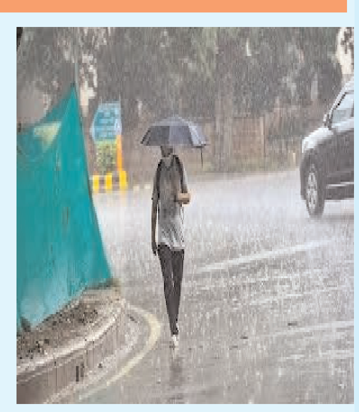

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, बाढ़ से राज्य के छह जिलों में 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा असर धेमाजी जिले में पड़ा है, जहां करीब 16 हजार लोग प्रभावित हैं। बाढ़ से 96 गांव डूब गए हैं, करीब 1690 हेक्टेयर फसल और 48 हजार से ज्यादा जानवर प्रभावित हुए हैं।

नाबालिग अपराधियों की उम्र सीमा 18 से घटाकर 16 करने की तैयारी

केंद्र को भेजा जाएगा प्रस्ताव

एजेंसी ■ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव भेजने की तैयारी कर रही है, जिसमें नाबालिग अपराधियों की उम्र सीमा 18 से घटाकर 16 साल करने की मांग की जाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को विधानसभा में यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि बच्चों का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों और ड्रग्स बांटने के लिए करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कानून में जरूरी बदलाव किए जाएंगे।

विधायक अर्जुन खोटकर ने जालना जिले में किशोर अपराधों के बढ़ते चलन के बारे में सवाल उठाया था। सदस्य सुधीर मुनगंटीवार ने भी एक पूरक सवाल पूछकर बहस में हिस्सा लिया। इसी को लेकर सीएम फडणवीस ने साफ किया कि लातूर की हालिया घटना एक निजी मामला था और यह पारिवारिक विवाद का नतीजा था। उन्होंने बताया कि जांच चल रही है और कानून के दायरे में आने वाले जिन बच्चों (किशोरों) की इसमें भूमिका साबित हुई है, उन्हें किशोर न्याय बोर्ड के सामने पेश किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कुछ अपराधी तत्व उस कानूनी प्रावधान का फायदा उठा रहे हैं जिसके तहत बच्चों को गिरफ्तार करने के बजाय ऑब्जर्वेशन होम (सुधार गृह) में रखा जाता है। देखा गया है कि ऐसे लोग अपराध करने के लिए नाबालिगों का इस्तेमाल करते हैं।

इसके अलावा, 16 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा गंभीर अपराध किए जाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसे देखते हुए, किशोर अपराधों के बढ़ते चलन का वैज्ञानिक विश्लेषण करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति बनाई जाएगी।

सनातन संस्कृति के महान संवाहक थे पंडित राधेश्याम कथावाचकः सीएम योगी

विश्व केसरी

बरेली। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पंडित राधेश्याम कथावाचक स्मृति भवन ऑडिटोरियम में हिन्दी साहित्य एवं लोकनाट्य परंपरा के महान नाटककार एवं सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित राधेश्याम कथावाचक की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया।

सीएम योगी ने 'सीयावर रामचंद्र की जय' के उद्घोष के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित राधेश्याम की स्मृति में आयोजित प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में उपस्थित सभी मंचासीन अतिथियों एवं जनसमुदाय का अभिनंदन करते हुए उनके साहित्यिक एवं सांस्कृतिक योगदान को नमन किया।

उन्होंने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि जिसकी कथा सुनते-सुनते हम बड़े हुए, आज उनकी प्रतिमा का अनावरण करने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि जो समाज अपनी विरासत का सम्मान और संरक्षण करता है, उसी समाज का विकास का मार्ग प्रशस्त भी होता है और जो अपने पूर्वजों की, अपनी विरासत की दुर्गति करता है, वह अपने उन्नति के मार्ग की दुर्गति करता है। विरासत का सम्मान हमारी प्रगति का आधार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि श्रीराम कथा के माध्यम से देश को जोड़ने का कार्य किया, तुलसी दास जी ने राम नाम की ताकत का एहसास कराया, उनसे लोगों ने कहा कि आप राज दरबार में जाएंगे तो आपको भी नौरत्नों में शामिल किया जाएगा,

लेकिन उन्होंने कहा कि मेरा राजा एक ही है वो प्रभु श्रीराम हैं। उन्होंने कहा कि जो कार्य तुलसीदास जी ने रामचरित मानस के माध्यम से लोगों को जोड़ा, वहीं काम पं राधेश्याम कथावाचक ने किया, उनके संवाद रामलीला मंचन का आधार बने। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में पं राधेश्याम की महत्वपूर्ण भूमिका है, उनके प्रति कर्तज्ञता ज्ञापित करना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि राम की भक्ति जिसने कि वह चाहे वो जटायु हो या हनुमान जी हो उनका उद्धार हुआ है।

उन्होंने कहा कि मध्यकाल में जो कार्य तुलसीदास जी ने किया, त्रेतायुग में महर्षि वाल्मीकि ने किया है, वही कार्य आधुनिक काल में पं राधेश्याम जी ने किया है। उन्होंने कहा कि पंडित जी का सनातन धर्म के प्रति बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि सनातन भारत की आत्मा है, और जिस महापुरुष ने इस आत्मा को मजबूती प्रदान की है।

अमरनाथ यात्रा-2026 के दौरान गुलमर्ग-श्रीनगर मार्ग पर शाम 5 बजे के बाद पर्यटक वाहनों पर रहेगा प्रतिबंध

विश्व केसरी

जम्मू। श्री अमरनाथ यात्रा के काफिलों की सुरक्षित और बिना रुकावट आवाजाही सुनिश्चित करने और यात्रा के दौरान ट्रैफिक का सही प्रबंधन करने के लिए बारामूला पुलिस सभी पर्यटकों और गुलमर्ग जाने वाले लोगों को सलाह दी है कि वे जम्मू-कश्मीर ट्रैफिक मुख्यालय द्वारा बताई गई ट्रैफिक पाबंदियों का सख्ती से पालन करें।

ट्रैफिक एडवाइजरी के अनुसार, शाम 5 बजे के बाद किसी भी पर्यटक वाहन को गुलमर्ग से श्रीनगर की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी।

इसी तरह शाम 5 बजे के बाद श्रीनगर से गुलमर्ग की ओर भी किसी पर्यटक वाहन को जाने की अनुमति नहीं होगी। ये पाबंदियां यात्रा की पूरी अवधि के दौरान लागू रहेंगी। सभी पर्यटकों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें और तय समय के भीतर ही अपनी आने-जाने की यात्रा पूरी करें।

आने वाले लोगों से अनुरोध है कि वे रास्ते में तैनात पुलिस और ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के निर्देशों का सख्ती से पालन करें। ट्रैफिक को सुचारू रूप से चलाने और यात्रा के काफिलों की बिना रुकावट आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित लोगों का सहयोग जरूरी है।

बारामूला पुलिस ने कहा कि ये उपाय पूरी तरह से लोगों की सुरक्षा, ट्रैफिक नियमन और श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 के सुचारू संचालन के हित में किए गए हैं। इन जरूरी पाबंदियों के कारण होने वाली किसी भी असुविधा के लिए खेद है और सड़क का इस्तेमाल करने वाले सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के व्यापक हित में सहयोग की अपेक्षा की जाती है।

कर्नाटक में नशे के खिलाफ बड़ा अभियान, 'ऑपरेशन राइज' और 'बेडा ब्रो' कैंपेन की शुरुआत

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने राज्य को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को दो बड़े अभियान 'ऑपरेशन राइज' और 'बेडा ब्रो' की शुरुआत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने कहा कि मादक पदार्थों और साइकोट्रॉपिक ड्रग्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई, जनजागरूकता और पुनर्वास को साथ लेकर यह अभियान चलाया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर जारी बयान में सरकार ने कहा कि राज्य में नशीले पदार्थों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई गई है। सरकार ने इसे नशे के खिलाफ 'युद्ध' बताते हुए कहा कि जब तक इस समस्या का पूरी तरह उन्मूलन नहीं हो जाता, अभियान जारी रहेगा। सरकार के अनुसार, राज्य के शहरी क्षेत्र नशे की समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हैं। इसकी वजह बड़ी छात्र आबादी, कामकाजी युवा, नाइटलाइफ, विदेशी नागरिकों की मौजूदगी और डिजिटल नेटवर्क हैं। जांच एजेंसियों ने कई मामलों में सिंथेटिक ड्रग्स, कूरियर के जरिए सप्लाई और विदेशी नागरिकों की संलिप्तता का खुलासा किया है। बयान में कहा गया कि कर्नाटक में नशे की समस्या मांग और आपूर्ति दोनों कारणों से बढ़ रही है। युवाओं में साथियों के दबाव, तनाव, मनोरंजन और प्रयोग की प्रवृत्ति के कारण नशे की मांग बढ़ती है, जबकि संगठित अपराध गिरोह, अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क, अंतरराष्ट्रीय गिरोह और डिजिटल प्लेटफॉर्म इसकी आपूर्ति को बढ़ावा देते हैं।

इसी चुनौती से निपटने के लिए सरकार ने एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को और मजबूत किया है। इसके तहत पुलिस 'ऑपरेशन राइज' के जरिए समन्वित कार्रवाई करेगी, जबकि 'बेडा ब्रो' अभियान के माध्यम से युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। सरकार ने बताया कि 'बेडा ब्रो' अभियान में युवाओं की भाषा और शैली में संदेश देकर उन्हें नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और कानूनी दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा।

साथ ही उन्हें साथियों के दबाव से बचने, सही निर्णय लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

यूपी में आयुष सेवाओं को मिलेगा बड़ा बूस्ट, 613 करोड़ रुपए की कार्ययोजना मंजूर, निर्माण कार्यों में देरी पर मुख्य सचिव सख्त

विश्व केसरी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में आयुष चिकित्सा सेवाओं के विस्तार और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में आयोजित नेशनल आयुष मिशन की 12वीं गवर्निंग बॉडी की बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए 613.42 करोड़ रुपए की राज्य वार्षिक कार्ययोजना को मंजूरी दी गई।

बैठक में आयुष संस्थानों के निर्माण कार्यों में देरी पर नाराजगी जताते हुए मुख्य सचिव ने परियोजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में मंगलवार को नेशनल आयुष मिशन-उत्तर प्रदेश की 12वीं गवर्निंग बॉडी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वर्ष 2026-27 की राज्य वार्षिक कार्ययोजना, आयुष चिकित्सा सेवाओं के विस्तार, चिकित्सा शिक्षा के सुदृढ़ीकरण और जनस्वास्थ्य

कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए 613.42 करोड़ रुपये की राज्य वार्षिक कार्ययोजना को मंजूरी दी गई, जिसे अंतिम स्वीकृति के लिए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय को भेजा जाएगा। इस बजट में 458.99 करोड़ रुपए नई परियोजनाओं और 154.42 करोड़ रुपए चल रही योजनाओं पर खर्च किए जाएंगे। इसमें आयुष चिकित्सा सेवाएं, शिक्षण संस्थानों का विकास, फ्लेक्सी पूल और प्रशासनिक व्यय शामिल हैं।

मुख्य सचिव ने राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने प्रमुख सचिव आयुष और मिशन निदेशक को प्रत्येक माह परियोजनाओं की समीक्षा करने तथा नियमित स्थलीय निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन निर्माण के साथ-साथ आवश्यक पदों के सृजन की प्रक्रिया भी समय रहते पूरी की जाए, ताकि संस्थानों का संचालन बिना किसी देरी के शुरू हो सके।

उन्होंने प्रदेश में संचालित आयुष डिस्पेंसरी, अस्पतालों और आरोग्य मंदिरों के उन्नयन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इन संस्थानों में स्वच्छता, हरित वातावरण, जनसुविधाओं और कार्यक्षमता में सुधार किया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोगों को गुणवत्तापूर्ण आयुष चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। कार्ययोजना के तहत प्रदेश में 23 नए आयुष मेडिकल यूनिट स्थापित किए जाएंगे।

इसके अलावा, वाराणसी स्थित राजकीय आयुर्वेद कॉलेज में छात्राओं के लिए लगभग 1.78 करोड़ रुपए की लागत से छात्रावास का द्वितीय तल बनाया जाएगा। प्रदेश के 17 आयुष कॉलेजों में 51 स्मार्ट क्लासरूम स्थापित किए जाएंगे।

संगरूर को मिला ओलंपिक स्तर का स्विमिंग पूल, सीएम मान बोले- यहां से निकलेंगे भविष्य के चैंपियन

विश्व केसरी

संगरूर । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को संगरूर में 9.50 करोड़ रुपए की लागत से बने ओलंपिक मानकों वाले स्विमिंग पूल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह जिला भविष्य में एशियाई, विश्व और ओलंपिक स्तर के चैंपियन खिलाड़ियों की नर्सरी बनने जा रहा है।

आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा खेल बुनियादी ढांचे में किए जा रहे निवेश का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के समय खेल बजट 200 करोड़ रुपए से भी कम था, जिसे बढ़ाकर 1,790 करोड़ रुपए कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब को पहली बार एशियाई हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी की मेजबानी का अवसर मिला है और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाओं को तैयार करने के लिए क्रिकेट और हॉकी प्रीमियर लीग शुरू करने की भी तैयारी की जा रही है।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिन संगरूर के लोगों, विशेषकर युवाओं के लिए गर्व और खुशी का अवसर है। यह स्विमिंग पूल हमारे भविष्य के ओलंपियन खिलाड़ियों की नर्सरी के रूप में काम करेगा।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल ढांचे को मजबूत बनाने पर उनकी सरकार विशेष ध्यान दे रही है और यह विश्वस्तरीय स्विमिंग पूल पंजाब को देश का नंबर-1 खेल राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि यह स्विमिंग पूल 9.50 करोड़ रुपए की लागत से अंतरराष्ट्रीय मानकों और ओलंपिक विनिर्देशों के अनुसार बनाया गया है। इसकी लंबाई 50 मीटर और चौड़ाई 21 मीटर है, जबकि इसकी गहराई 4.5 फीट से 7.5 फीट तक है। इसमें 2.5 लाख लीटर पानी संग्रहित किया जा सकता है। खिलाड़ियों की सुविधा के लिए यहां आधुनिक शॉवर, चेंजिंग रूम, प्रशिक्षकों के लिए अलग कमरे और स्टोर रूम की व्यवस्था की गई है। खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता बढ़ाने और फिटनेस के लिए यहां एक आधुनिक जिम भी बनाया गया है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक फंड गड़बड़ी मामले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, दो अधिकारी गिरफ्तार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के तत्कालीन एरिया हेड शमीम डार और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (मोहाली ब्रांच) के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर चरणजीत सिंह रंधावा को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी हरियाणा सरकार के विभागों के सरप्लस फंड को फिक्स्ड डिपॉजिट में गलत तरीके से निवेश करने और इस मकसद से खोले गए बैंक अकाउंट्स के जरिए धोखाधड़ी वाले ट्रांजैक्शन करने के मामले में की गई है।

सीबीआई जांच में पता चला कि दोनों आरोपियों ने बैंक अधिकारियों के तौर पर बैंक अकाउंट्स खोलने और धोखाधड़ी वाले ट्रांजैक्शन करने में अहम भूमिका निभाई, जिसके जरिए सरकारी फंड का गलत इस्तेमाल किया गया। जांच के दौरान उनके खिलाफ सबूत इकट्ठा किए गए, जिसके आधार पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है ।

झारखंड में एसआईआर, 29 जुलाई तक घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ, ऑनलाइन भी भर सकेंगे फॉर्म

विश्व केसरी

रांची । झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई। इसके तहत 29 जुलाई तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे।

राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने लोगों से समय पर फॉर्म भरकर जमा करने की अपील करते हुए कहा कि इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मंगलवार की शाम को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि बीएलओ मतदाताओं से उनके विवरण का सत्यापन कराएंगे। मतदाताओं को इस चरण में किसी प्रकार का दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। जिन मतदाताओं की पहले से मतदाता सूची के साथ मैपिंग हो चुकी है, उन्हें सामान्यतः अतिरिक्त दस्तावेज देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। केवल उन्हीं मामलों में दस्तावेज मांगे जाएंगे, जहां सत्यापन के दौरान आवश्यकता महसूस होगी।

उन्होंने कहा कि जो मतदाता अपने निवास स्थान से बाहर हैं, वे ऑनलाइन माध्यम से भी अपने बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म जमा कर सकते हैं। यदि कोई प्रवासी मतदाता स्वयं उपस्थित नहीं है तो उसके पात्र परिजन भी उसकी ओर से इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं। सभी पात्र भारतीय नागरिकों द्वारा जमा किए गए फॉर्म के आधार पर 5 अगस्त को मतदाता सूची का प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशित किया जाएगा। वहीं, पांच श्रेणियों- मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित, डुप्लीकेट, अनुपस्थित तथा गैर-भारतीय नागरिकों- के नाम प्रारूप सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे।

के. रवि कुमार ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सहभागी है। इसकी निगरानी कई स्तरों पर की जाती है और आवश्यकता पड़ने पर अपील का भी प्रावधान है।

बिहारः मंत्री प्रमोद कुमार ने नव-नियुक्त अधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

विश्व केसरी

पटना। बिहार सरकार के खान एवं भूतत्व सह कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री प्रमोद कुमार ने मंगलवार को सचिवालय स्थित दोनों विभागों के कार्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान नव-नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

खान एवं भूतत्व विभाग के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने पांच नव-नियुक्त खनिज विकास पदाधिकारियों और एक अनुकंपा आश्रित निम्नवर्गीय लिपिक को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर विभाग के सचिव अवनीश कुमार सिंह तथा निदेशक (खान) मनेश कुमार मीणा मौजूद रहे।

इसके बाद कला एवं संस्कृति विभाग के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री प्रमोद कुमार ने विभाग के 9 नव-नियुक्त अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

मंत्री ने सभी नव-नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि युवाओं को सरकारी सेवा में अवसर प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और नव-नियुक्त कर्मियों से अपेक्षा है कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

कला एवं संस्कृति विभाग के कार्यक्रम में विभागीय सचिव प्रणव कुमार, अतिरिक्त सचिव रूबी, निदेशक कृष्ण कुमार तथा संयुक्त सचिव महमूद आलम भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री प्रमोद कुमार ने कहा कि दोनों विभागों के लोगों को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। इससे पहले भी हमने अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए थे। मेरे विभाग के जरिए सरकार को राजस्व भी प्राप्त होता है। ये अधिकारी जब अपने-अपने क्षेत्र में जाएंगे तो सरकार को और भी राजस्व की प्राप्ति होगी।

उन्होंने कहा कि बिहार में 26 संग्रहालय हैं, जिनकी देखरेख हमारा विभाग करता है। इसके लिए, हमने सहायक कला संग्रहालय पदों पर नियुक्त लोगों को आज नियुक्ति पत्र दिया है। ये सभी हमारे संग्रहालयों की देखरेख करेंगे। बिहार के संग्रहालय देश में उत्कृष्ट कोटि के हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर हमारे विभाग के अधिकारियों से जुड़ी शिकायतें आती हैं तो इससे यह भी पता चलता है कि अधिकारी काम कर रहे हैं। हम शिकायतों को हल्के में नहीं लेते, बल्कि उसकी समीक्षा करते हैं। विभाग के अधिकारी काम कर रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। उनका काम फाइलों और आंकड़ों में दिखाई दे रहा है।

लिव-इन रिलेशन में सहमति से बने संबंध दुष्कर्म नहीं: छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट

विश्व केसरी

बिलासपुर। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी को ट्रायल कोर्ट द्वारा बरी किए जाने के फैसले के खिलाफ दायर अपील हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने कहा कि लंबे समय तक चले लिव-इन संबंध और दोनों पक्षों के आचरण से यदि संबंध सहमति जैसा लगता है तो केवल बाद में शादी से इनकार कर देने के आधार पर दुष्कर्म का अपराध नहीं बनता। जस्टिस संजय एस. अग्रवाल और जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की डीबी ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि पहले लिव-इन रिलेशनशिप सामान्य नहीं थे, लेकिन अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर महिलाएं अपनी इच्छा और समझ के आधार पर जीवन से जुड़े निर्णय लेने में सक्षम हैं।

दरअसल, 40 वर्षीय महिला ने वर्ष 2019 में आईआईएम रायपुर के एमबीए कार्यक्रम में प्रवेश लिया था, जहां उसकी पहचान सहपाठी आरोपी से हुई। शिकायत के मुताबिक, 5 जुलाई 2019 को आरोपी ने पढ़ाई के बहाने उसे अपने घर बुलाया, जहां अन्य कोई छात्र मौजूद नहीं था। महिला का आरोप था कि आरोपी ने शादी का भरोसा देकर उसके साथ संबंध बनाए। इसके बाद दोनों लंबे समय तक रिश्ते में रहे।

महिला का कहना था कि जब भी वह विवाह की बात करती, आरोपी टाल देता। अगस्त 2021 में आरोपी ने कथित रूप से कहा कि महिला के तलाकशुदा होने और ईसाई समुदाय से होने के कारण उसके माता-पिता विवाह के लिए तैयार नहीं हैं। इसके बाद महिला ने राज्य महिला आयोग और पुलिस में मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चालान पेश किया, लेकिन ट्रायल कोर्ट ने दोनों के बालिग होने और आपसी सहमति से संबंध स्थापित होने के आधार पर आरोपी को बरी कर दिया। इस फैसले को चुनौती देते हुए महिला ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट के फैसले में कोई कानूनी त्रुटि, अवैधता या न्यायिक चूक नहीं है, इसलिए उसमें हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं बनता। इसी कारण अपील प्रारंभिक सुनवाई पर खारिज कर दिया गया।

निर्माणाधीन बिलासपुर-उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग में वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित

विश्व केसरी

रायपुर । भारतमाला परियोजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे रायपुर-धनबाद आर्थिक गलियारे (राष्ट्रीय राजमार्ग-130ए) के निर्माणाधीन बिलासपुर-उरगा खंड पर आम नागरिकों तथा सभी प्रकार के निजी एवं सार्वजनिक वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह खंड अभी निर्माणाधीन है और तकनीकी रूप से सामान्य यातायात के लिए संचालित नहीं किया गया है। वर्तमान में इस मार्ग का उपयोग केवल परियोजना निर्माण कार्य में संलग्न वाहनों, मशीनरी तथा अधिकृत अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की परियोजना कार्यान्वयन इकाई, कोरबा के परियोजना निदेशक अंकित आनंद ने बताया कि निर्माणाधीन बिलासपुर-उरगा खंड पर अनधिकृत आवागमन रोकने के उद्देश्य से सभी प्रवेश एवं निकास बिंदुओं को बंद कर दिया गया है। साथ ही, पूरे मार्ग पर निगरानी के लिए बंद परिपथ दूरदर्शन (सीसीटीवी) सर्विलांस प्रणाली स्थापित की जा रही है।

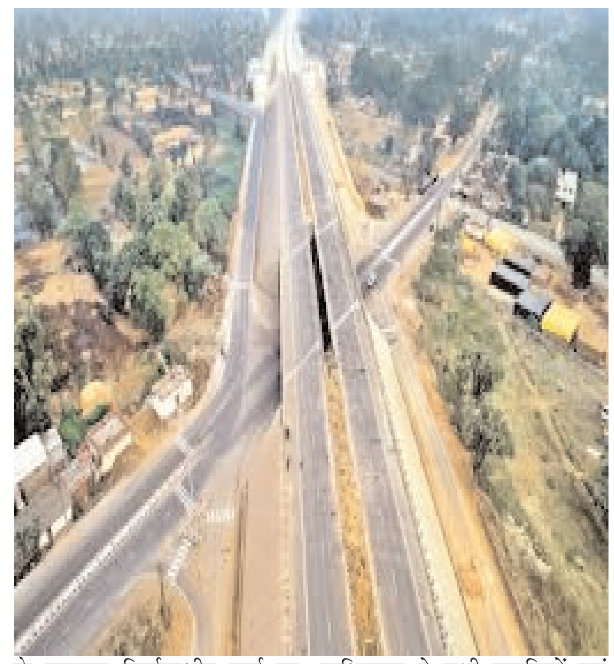

उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रतिबंध के बावजूद निर्माणाधीन मार्ग पर प्रवेश करने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों के विरुद्ध प्रचलित नियमों के अनुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन राजमार्ग पर अनधिकृत आवागमन सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत जोखिमपूर्ण है और इससे परियोजना के निर्माण कार्य की गति भी प्रभावित हो सकती है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सभी नागरिकों एवं वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्माणाधीन मार्ग पर प्रवेश न करें तथा आवागमन के लिए केवल निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। प्राधिकरण ने कहा है कि सुरक्षित, सुगम एवं विश्वस्तरीय राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना के निर्माण में आम नागरिकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

संक्षिप्त खबरें

सामाजिक अंकेक्षण में पारदर्शिता और जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर, मुख्य सचिव ने दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ सामाजिक अंकेक्षण इकाई की सामान्य सभा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सामाजिक अंकेक्षण को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सामाजिक अंकेक्षण के दौरान प्राप्त आपत्तियों का कंडिकावार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा ग्राम सभाओं में अंकेक्षण रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए।उन्होंने कहा कि सामाजिक अंकेक्षण ग्राम सभा को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए इसमें जनभागीदारी को बढ़ावा देना आवश्यक है। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना और बजट का अनुमोदन किया गया। तय किया गया कि इस वर्ष प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी नरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण विकास योजनाओं तथा राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम का सामाजिक अंकेक्षण कराया जाएगा। बैठक में वर्ष 2024-25 से 2025-26 तक किए गए सामाजिक अंकेक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की गई। सामाजिक अंकेक्षण इकाई के विस्तार, नवाचार, गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन तथा डेवलपमेंट एजेंसी के सहयोग सहित विभिन्न योजनाओं से विकास निधि उपलब्ध कराने के प्रस्तावों पर भी विचार-विमर्श हुआ। इसके अलावा, सामाजिक अंकेक्षण कार्यों के प्रभावी संचालन के लिए विभिन्न रिक्त पदों को नियमानुसार भरने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। बैठक में मनरेगा की संशोधित व्यवस्था के तहत सामाजिक अंकेक्षण के नए प्रावधानों को अपनाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, प्रमुख सचिव शहला निगार, सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं सामाजिक अंकेक्षण इकाई के सदस्य उपस्थित रहे।

उजड़ गए आशियाने, टुटे सपनें, अब केवल मन में रोष और गुस्सा

रायपुर । राजधानी से 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम नकटी में अब एक अजीब सा सन्नाटा पसरा है इसमें उन लोगों का दर्द और गुस्सा दिखाई पड़ रहा है जिनके आशियाने को शासन ने बुलडोजर चला कर तोड़ दिया किसी ने रात से खाना नहीं खाया था की सुबह मकान टूट जाएगा तो किसी को डर था की आशियाना टूटने के बाद कहां रहेंगे अब मैदान ही आशियाना बना है भरोसे के लिए नेता पहुंच रहे हैं और गुस्से के साथ शब्द बोल रहे हैं पर क्या यह शब्द टिकाऊ हो सकते हैं यह चिंता और सवाल उन लोगों का है जो अब भी हो चुके हैं सेक्टर 29 और 30 में विस्थापन की कार्रवाई चलेगी और मकान मिलेगा लेकिन इन मकानों में सपना नहीं है केवल गुजरने के दिन होंगे जिन मकानों को हर दीपावली में रंग रोगन कर सजाया करते थे अब वह जमी डोज हो चुके हैं उजाड़ मलबे में तब्दील मकान के बीच कई जिंदगियां को अब नए सिरे से तैयारी करनी होगी शासन ने

विधायक कॉलोनी बनाने के लिए मकान तोड़ दिए मगर वह भरोसा भी टूटा है जिसकी दुहाई नेता चुनाव के समय देते हैं जोर जबरदस्ती की कार्रवाई में कई लीटर आंसू निकल गए लेकिन सरकार के भरोसे को धो दिया है माता-पिता बहन भाई बुजुर्ग सभी बुरा सपना समझ कर भूलने की कोशिश में है लेकिन यह दर्द कई सालों तक हटने वाला नहीं है दबी जुबान से एक सवाल खड़ा हो रहा है कि बनाते समय क्यों नहीं रोका गया उसे समय अवैध कब्जा नहीं था

बुलडोजर बनाम बेबसी,

सुबह-सुबह नकटी गांव पुलिस छावनी में बदल चुका था. एक हजार से ज्यादा पुलिस जवान, 20 से 25 जेसीबी और प्रशासन की पूरी टीम कार्रवाई के लिए तैयार थी. जैसे ही बुलडोजर आगे बढ़ा, ग्रामीण अपने घरों को बचाने के लिए जेसीबी के सामने खड़े हो गए. वापस जाओ,घर मत तोड़ो, जैसे नारों से पूरा इलाका गूंज उठा. हालात ऐसे बने कि पुलिस और ग्रामीणों के बीच धक्का-मुक्की हुई, लोगों को हटाने के लिए हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा, और देखते ही देखते एक-एक कर 80 से ज्यादा घर मलबे में बदल गए। जिनके सामने उनका आशियाना टूट रहा था. किसी बुजुर्ग की आंखों में बेबसी थी, कोई महिला अपने बच्चों को सीने से लगाकर रो रही थी, तो कोई मासूम मलबे पर बैठा समझ ही नहीं पा रहा था, कि उसका घर आखिर कहां चला गया।

बारिश का मौसम, सिर से छत गायब,और सड़क किनारे पड़ा पूरा घर का सामान. ये तस्वीरें सिर्फ एक कार्रवाई की नहीं, बल्कि उन परिवारों की मजबूरी भी बयान कर रही थीं, जिनकी जिंदगी कुछ घंटों में बदल गई।

ग्रामीणों का गुस्सा इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि दो दिन पहले ही सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भरोसा दिया था कि बारिश के मौसम में मकान नहीं तोड़े जाएंगे. लेकिन सोमवार सुबह प्रशासन कार्रवाई के लिए पहुंच गया. यही वजह है कि ग्रामीण इसे भरोसे के टूटने के रूप में देख रहे हैं और लगातार विरोध कर रहे हैं।

विधायकों के लिए गरीबों के घर उजाड़ दिए- कांग्रेस कार्रवाई के बाद कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला. रायपुर (पश्चिम) के पूर्व विधायक और पूर्व संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने आरोप लगाया कि सरकार अपराध नहीं रोक पा रही।

रायपुर में अष्टविनायक रियल्टीज़ ला रहा है अपने अभिनव सिटी में भव्य प्रोजेक्ट

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर के प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी और डेवलपर 'अष्टविनायक रियल्टीज़' और , 'अभिनव बिल्डर्स' शहरवासियों के लिए एक सुनहरा अवसर लेकर आए हैं। 3, 4 और 5 जुलाई 2026 को, रायपुर के मोवा, दलदल सिवनी में स्थित उनके बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट 'अभिनव सिटी' में एक भव्य 'आवास मेला' आयोजित किया जा रहा है। प्रकृति के बीच एक नए युग की कम्युनिटी की परिकल्पना पर आधारित यह प्रोजेक्ट लग्ज़री, सुविधा और शांति का बेहतरीन मेल है।

इस तीन -दिवसीय आवास मेले में ग्राहकों को उनकी आवश्यकता और बजट के अनुसार विविध विकल्प मिलेंगे: ग्राहक अपनी पसंद के अनुसार गार्डन प्लॉट्स, गार्डन फेसिंग प्लॉट्स, कॉर्नर प्लॉट्स या गार्डन फेसिंग और कॉर्नर प्लॉट्स का चयन कर सकते हैं।

2 और 3 बीएचके लग्ज़री अपार्टमेंट्स: आधुनिक जीवनशैली को ध्यान में रखकर बनाए गए इन अपार्टमेंट्स में 2 बीएचके (1066 वर्ग फुट और 1125 वर्ग फुट सुपर बिल्ट-अप एरिया) रेरा कारपेट एरिया 672 वर्ग फुट और 714 वर्ग फुट और 3 बीएचके (1317 वर्ग फुट सुपर बिल्ट-अप एरिया) रेरा कारपेट एरिया 959 वर्ग फुट के शानदार विकल्प मौजूद हैं। अभिनव सिटी अपने निवासियों को एक कम्पलीट वर्ल्डक्लास लाइफस्टाइल देने के लिए प्रतिबद्ध है। यहाँ मिलने वाली प्रमुख सुविधाएं इस प्रकार हैं: मन की शांति के लिए परिसर में एक सुंदर मंदिर और हरियाली के लिए 10 विशाल गार्डन मौजूद हैं। स्वास्थ्य और खेलकूद: फिटनेस के लिए अत्याधुनिक जिम, स्विमिंग पूल, स्टीम बाथ, मल्टीपर्पस कोर्ट, और नेट क्रिकेट की सुविधा उपलब्ध है। निवासियों के मनोरंजन के लिए मिनी थिएटर, इंडोर प्ले एरिया, म्यूजिक रूम, और पारिवारिक या सामाजिक आयोजनों के लिए कम्युनिटी हॉल की व्यवस्था है। बच्चों के लिए सुरक्षित किड्स प्ले एरिया भी बनाया गया है। अतिरिक्त सुविधाएं: मेहमानों के रुकने के लिए विशेष गेस्ट रूम्स हैं। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 24 घंटे सिक्योरिटी के साथ पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। यह प्रोजेक्ट रायपुर के सबसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में से एक में स्थित है, जहाँ से 30 और 40 फीट चौड़ी आंतरिक सड़कों के साथ 60 फीट चौड़ी मुख्य सड़क की कनेक्टिविटी है।

शिक्षा और विज्ञान छत्तीसगढ़ साइंस सेंटर (2.2 किमी), भवन्स स्कूल, नारायण टेक्नो स्कूल, और चैतन्य टेक्नो स्कूल (4 किमी)

स्वास्थ्य बालाजी हॉस्पिटल (2.5 किमी), इट्सा हॉस्पिटल (2.5 किमी) शॉपिंग और एंटरटेनमेंट अंबुजा मॉल (2.9 किमी), रिलायंस स्मार्ट बाज़ार (3 किमी), डीकैथलॉन (3.8 किमी)।

कोलियारी गांव में बवाल! बेदखली नोटिस पर भड़के ग्रामीण

विश्व केसरी

धमतरी। रायपुर के नकटी गांव के बाद धमतरी के कोलियारी गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर मंगलवार को माहौल तनावपूर्ण हो गया। 50 से अधिक मकानों को खाली करने के लिए राजस्व विभाग द्वारा अल्टीमेटम दिए जाने के बाद ग्रामीणों और राजस्व टीम के बीच तीखी बहस और नोकझोंक हुई। मौके पर कुछ समय के लिए स्थिति गर्मा गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन की यह कार्रवाई पूरी तरह गलत है। उनका कहना है कि एक निजी संस्थान को जमीन उपलब्ध कराने के लिए राजस्व विभाग दबाव बनाकर लोगों को उनके घरों से हटाने की कोशिश कर रहा है। धमतरी में भी रायपुर के नकटी गांव जैसी स्थिति पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है।

राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर रामकृष्ण CARE हॉस्पिटल्स ने डॉक्टरों को किया सम्मानित

विश्व केसरी

तकनीक चिकित्सा को आगे बढ़ा सकती है, लेकिन डॉक्टर के निर्णय और संवेदनशीलता का कोई विकल्प नहीं : डॉ. संदीप दवे

रायपुर । 1 जुलाई को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे से पहले रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स ने अपने डॉक्टरों को क्लिनिकल उत्कृष्टता, चिकित्सा नैतिकता और मरीजों के प्रति समर्पित सेवा के लिए आभार व्यक्त किया। अस्पताल ने कहा कि बेहतर उपचार परिणाम सुनिश्चित करने के लिए डॉक्टरों को अत्याधुनिक तकनीक, विश्वस्तरीय सुविधाएं और सहयोगात्मक क्लिनिकल वातावरण उपलब्ध कराना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

स्वास्थ्य सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, प्रिसिजन मेडिसिन और डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग के बीच भी अस्पताल का मानना है कि हर महत्वपूर्ण चिकित्सीय निर्णय के केंद्र में डॉक्टर ही रहेंगे। तकनीक इलाज के तरीकों को बेहतर बना सकती है, लेकिन डॉक्टर का क्लिनिकल अनुभव, सही निर्णय क्षमता, संवेदनशीलता और मरीज के साथ विश्वास का रिश्ता ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की असली पहचान है। वर्ष 2026 के राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे की थीम 'मास्क के पीछे: जो दूसरों का इलाज करते हैं, उनकी देखभाल कौन करता है?' उन डॉक्टरों के मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करती है, जो अपना जीवन दूसरों की सेवा में समर्पित करते हैं। यह थीम चिकित्सा पेशे से जुड़े लंबे कार्य घंटे, व्यक्तिगत त्याग और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में डॉक्टरों द्वारा दिखाई जाने वाली असाधारण दृढ़ता को भी सम्मान देती है।

रामकृष्ण CARE हॉस्पिटल्स का मानना है कि डॉक्टरों को सशक्त बनाने का अर्थ केवल उन्हें अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि ऐसा कार्य वातावरण तैयार करना भी है, जो उनके स्वास्थ्य, निरंतर सीखने, बहु-विषयक सहयोग और पेशेवर विकास को प्राथमिकता दे।

इस अवसर पर रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स के क्लिनिकल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे ने कहा, 'चिकित्सा हमेशा विज्ञान से संचालित रही है, लेकिन इसे डॉक्टरों का विवेक, धैर्य और संवेदनशीलता ही आगे बढ़ाते हैं। स्वास्थ्य सेवाएं जितनी अधिक तकनीक आधारित होती जा रही हैं, उतनी ही हमारी जिम्मेदारी केवल नवाचार में निवेश करने की नहीं, बल्कि मरीजों की देखभाल करने वाले डॉक्टरों में निवेश करने की भी है। रामकृष्ण CARE हॉस्पिटल्स में हम ऐसा क्लिनिकल इकोसिस्टम विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां डॉक्टरों को अत्याधुनिक तकनीक, बहु-विषयक सहयोग और ऐसा कार्य वातावरण मिले, जो उनके पेशेवर एवं व्यक्तिगत कल्याण को भी महत्व दे। क्योंकि जब डॉक्टर बेहतर तरीके से समर्थ होते हैं, तभी वे मरीजों को बेहतर उपचार परिणाम दे पाते हैं।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स के डॉक्टर प्रतिदिन क्लिनिकल उत्कृष्टता, संवेदनशील देखभाल और मरीजों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हजारों मरीजों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। अस्पताल ने डॉक्टरों के लिए अत्याधुनिक मेडिकल तकनीक, रोबोटिक सर्जरी, डिजिटल हेल्थ सॉल्यूशंस, सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण और निरंतर व्यावसायिक विकास पर आधारित मजबूत क्लिनिकल इकोसिस्टम विकसित किया है। आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता के समन्वय से डॉक्टर अधिक सुरक्षित, सटीक और मरीज-केंद्रित उपचार उपलब्ध करा रहे हैं।

पिछले वर्षों में रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल्स ने अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीकों, मल्टी-डिसिप्लिनरी केयर मॉडल, अनुसंधान और चिकित्सकों के निरंतर कौशल विकास में लगातार निवेश किया है। अस्पताल अपनी क्लिनिकल क्षमताओं को और मजबूत बनाने तथा डॉक्टरों को सुरक्षित, संवेदनशील और मरीज-केंद्रित उपचार देने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के प्रति प्रतिबद्ध है।

भाजपा महिला मोर्चा भी होगा डिजिटल, बूथ स्तर तक होगा प्रशिक्षण

विश्व केसरी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी ने कहा है कि भाजपा का 'डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम' कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीक, पार्टी की विचारधारा, इतिहास और जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए चलाया जा रहा एक विशेष प्रशिक्षण अभियान है। अवस्थी ने कहा कि इस अभियान को महिला कार्यकर्ताओं के बीच बूथ स्तर तक पहुँचाने महिला मोर्चा ने तैयारी पूरी कर ली है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्षअवस्थी ने डिजिटल प्रशिक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि आधुनिक युग में डिजिटल होना आवश्यक है क्योंकि आज के दौर में त्वरित जानकारियाँ, मुद्दे और विषय डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए उपलब्ध होते हैं, अतः भाजपा महिला मोर्चा को डिजिटल क्षेत्र में पूर्ण प्रशिक्षित होना अनिवार्य है ताकि वे बेहतर तरीके से डिजिटल क्षेत्र के कार्य करने में सक्षम हो सकें।

अवस्थी ने इस कार्यक्रम के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रशिक्षण भाजपा के आधिकारिक सरल ऐप के माध्यम से डिजिटली प्रदान किया जाता है।

संपादकीय

अतिक्रमण पर कार्रवाई, न्याय पर भी उतना ही जोर

छत्तीसगढ़ में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों के खिलाफ चल रहा अभियान केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि सुशासन की कसौटी भी है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए बुलडोजर चल रहे हैं। यह आवश्यक भी है, क्योंकि सार्वजनिक भूमि किसी व्यक्ति या समूह की नहीं, बल्कि पूरे समाज की संपत्ति होती है। उस पर अवैध कब्जा विकास योजनाओं में बाधा डालता है, कानून के शासन को चुनौती देता है और भूमि माफियाओं के हौसले बढ़ाता है। इसलिए सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह सरकारी संपत्तियों की रक्षा करे।

लेकिन इस कार्रवाई की सफलता केवल इस बात से नहीं आंकी जाएगी कि कितने एकड़ जमीन खाली कराई गई। असली कसौटी यह होगी कि क्या पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और मानवीय रही। यदि कानून केवल कमजोर लोगों पर लागू होता दिखाई दे और प्रभावशाली कब्जाधारी बच निकलें, तो

कार्रवाई की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। कानून का राज तभी स्थापित होता है जब उसका पालन सभी पर समान रूप से हो।

छत्तीसगढ़ की सामाजिक परिस्थितियां इस मुद्दे को और जटिल बनाती हैं। यहां बड़ी संख्या में ऐसे परिवार हैं, जो वर्षों से सरकारी जमीन पर रह रहे हैं। इनमें अनेक भूमिहीन, मजदूर और आर्थिक रूप से कमजोर लोग हैं, जिनकी मजबूरी और संगठित भूमि कब्जाने वालों की मंशा में स्पष्ट अंतर है। प्रशासन को इस अंतर को समझना होगा। भूमि माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई और गरीब परिवारों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण—दोनों साथ-साथ चलने चाहिए। जहां संभव हो, वहां पुनर्वास और वैकल्पिक व्यवस्था पर गंभीरता से काम किया जाना चाहिए।

इस समस्या का स्थायी समाधान केवल बेदखली नहीं है। सरकार को सरकारी जमीनों का डिजिटलीकरण, नियमित सीमांकन, प्रभावी निगरानी और पारदर्शी भूमि प्रबंधन की व्यवस्था को मजबूत करना होगा। साथ ही, शहरी और ग्रामीण गरीबों के लिए आवास और पुनर्वास की योजनाओं को भी गति देनी होगी। यदि लोगों को सम्मानजनक आवास का विकल्प मिलेगा, तो अतिक्रमण की समस्या भी स्वाभाविक रूप से कम होगी।

सरकार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी कार्रवाई से पहले सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन हो, प्रभावित पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर मिले और प्रशासनिक निर्णयों में पारदर्शिता बनी रहे। लोकतंत्र में कानून की मजबूती और नागरिकों के अधिकार—दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। किसी एक की कीमत पर दूसरे की रक्षा नहीं की जा सकती।

छत्तीसगढ़ के लिए यह अवसर है कि वह कानून के शासन और सामाजिक न्याय के बीच संतुलन का उदाहरण प्रस्तुत करे। सरकारी जमीनों को अतिक्रमण से मुक्त कराना आवश्यक है, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि हर कार्रवाई न्यायपूर्ण, समान और मानवीय हो। यही संतुलन सुशासन की पहचान बनेगा और जनता का विश्वास भी मजबूत करेगा।

डॉक्टर - मरीज के बीच भरोसे का डोर मजबूत हो

डॉ. संजय शुक्ला

डॉक्टर यानि चिकित्सक को 'गॉड ऑफ अर्थ' यानि धरती का भगवान कहा गया है।डॉक्टरी पेशा ही एक ऐसा पेशा है जिसकी हमेशा सर्वोच्च सामाजिक प्रतिष्ठा रही है। भारत में पौराणिक काल से लेकर आधुनिक दौर में वैद्यों, हकीमों और डॉक्टरों का व्यवसायिक नजरिए से सम्मानजनक स्थान रहा है। देश के महान चिकित्सक डॉ. बिधानचंद्र राय जिनका जन्मदिन 1 जुलाई है की स्मृति में भारत में प्रतिवर्ष 'डॉक्टर्स डे' मनाया जाता है। डॉ. राय की ख्याति केवल उच्च शिक्षा प्राप्त मेडिकल टीचर और डॉक्टर के तौर पर ही नहीं थी बल्कि उन्होंने देश के स्वतंत्रता आंदोलन में बतौर सेनानी असहयोग आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। ?डॉ. बिधानचंद्र राय आगे चलकर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री भी बने तथा उन्हें देश के सर्वोच्च अलंकरण 'भारत रत्न' से नवाजा गया। अलबत्ता स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ते निजीकरण और लचर सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के चलते चिकित्सा जैसा पवित्र पेशा अब अनेक विसंगतियों से जूझने लगा है। बाजारवाद और कार्पोरेट घरानों के भारी निवेश के चलते चिकित्सा का क्षेत्र सेवा की जगह कमाई का जरिया बन रहा है फलस्वरूप डॉक्टरों और मरीज के बीच पहले जैसा विश्वास नहीं रहा जो पेशे की अहम कड़ी है। बीते कुछ दशकों के दौरान चिकित्सा क्षेत्र में कुछ ऐसे घटनाएं हुई है उसने डॉक्टरी पेशे की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा किया है।

गौरतलब है कि भारत जैसे कमजोर अर्थव्यवस्था वाले देश में स्वास्थ्य का क्षेत्र शहरी और ग्रामीण तथा अमीर व गरीब के बीच में बंटा हुआ है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में जारी असमानताओं और विसंगतियों के कारण अब डॉक्टर और मरीज के बीच भरोसे का डोर लगातार कमजोर हो रहा है चिकित्सा जैसा मुकद्दस पेशा भी अछूता नहीं है फलस्वरूप डॉक्टरों के सफेद कोट यानि एप्रन पर भी दाग के छींटें पड़ने लगे हैं। बीते दौर में निजी अस्पतालों के डॉक्टरों द्वारा अनावश्यक गर्भाशय निकालने, गैरजरूरी सर्जरी करने, धोखेबाजी करके किडनी निकालने, हृदय के धमनियों की सर्जरी के दौरान लगने वाले 'स्टेंट' अथवा एंजियोप्लास्टी में घपला करने, लिंग परीक्षण अथवा एबॉर्शन में पैसे ऐंठने, स्मार्ट कार्ड घोटाले में संलिप्तता और पैसों के भुगतान के आड़ में शव को बंधक बनाने जैसी खबरें सामने आई है। आज आमधारणा यह बनती जा रही है डॉक्टर अपने कमीशन और अस्पतालों के भारी-भरकम खर्च जुटाने के लिए मरीजों की गैर जरूरी जांच कराते हैं अथवा भर्ती रखते हैं। इसी प्रकार लोगों का यह भी सोच बन चुका है कि डॉक्टर दवा कंपनियों से मिलने वाले उपहार या सैर-सपाटे के ऐवज में मरीजों को सस्ती दवाओं की जगह महंगे ब्रांडेड दवाएं लिखते हैं।

अलबत्ता चिकित्सकों से संबंधित उपरोक्त खबरें और धारणाओं में अर्धसत्य है क्योंकि आज भी अधिकांश चिकित्सक अपने पेशे और प्रतिष्ठा के प्रति संजीदा हैं। दूसरी ओर महज चंद डॉक्टरों के अनैतिक गतिविधियों के चलते समूचे चिकित्सक समुदाय को कठघरे में खड़ा नहीं किया जा सकता। डॉक्टर अपने मरीजों के सेहत और जिंदगी के प्रति कितना फिक्रमंद हैं? इसका उदाहरण हमने बीते वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान देखा जब पूरी दुनिया अपने घरों में तालेबंद थी तब यही चिकित्सक और मेडिकल स्टाफ दिन-रात हजारों मरीजों की सांसों की डोर थामने अपनी जान को दांव पर लगा रहे थे। इस महामारी से संक्रमितों के उपचार के दौरान जहां देश के हजारों डॉक्टर और सहकर्मी कोरोना से संक्रमित हुए वहीं लगभग 1000 डॉक्टरों की मौत इस महामारी से हुई। दरअसल डॉक्टर की जिंदगी में ऐसे क्षण बार - बार आते हैं जब कोई मरीज जिंदगी के लिए निर्णायक संघर्ष करते रहता है तब यह संघर्ष अकेले मरीज का ही नहीं होता है बल्कि इस संघर्ष का अहम हिस्सा उस डॉक्टर का होता है जो मरीज की जिंदगी के लिए खुद जद्दोजहद कर रहा होता है। बीमार को बीमारी और मौत के मुंह से लौटाकर उसे सेहतमंद बनाने और जिंदगी बचाने के असली मायने एक डॉक्टर से बेहतर कोई नहीं जान सकता। सच्चाई यह है कि हर डॉक्टर मरीज की जान बचाने और उसे तंदुरुस्त रखने की हरसंभव कोशिश करता है ऐसे में यदि किसी मरीज के साथ अनहोनी हो जाए तो चिकित्सक को दोषी ठहराना कत?ई उचित नहीं है। लेकिन अपवाद स्वरूप सच्चाई यह भी है कि कुछ मामलों में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की लापरवाही और उदासीनता भी सामने आई है जिसके चलते मरीजों को अपने जान से हाथ धोना पड़ा है। इन विसंगतियों के मद्देनजर चिकित्सक संगठनों की भी जवाबदेही है कि वह चिकित्सा पेशे की धूमिल होती साख के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं ताकि इस पेशे की प्रतिष्ठा और शुचिता कायम रहे।

भारत जैसे देश में डॉक्टर और मरीज के बीच पनप रहे अविश्वास के लिए सरकार, समाज और चिकित्सक समान रूप से जिम्मेदार हैं। दर??असल देश की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था शुरूआत से ही उपेक्षा और बदहाली का शिकार रहा है। अभावों से जूझते सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में काम करने वाले चिकित्सकों और जूनियर डॉक्टर्स सीमित तनख्वाह में अपने परिवार से दूर 24 से 36 घंटे बीमार और गंदगी के बीच लगातार तीमारदारी में जुटे होते हैं। हाल के दिनों में काम के बोझ के चलते डॉक्टरों द्वारा खुदकुशी के मामले भी सामने आए हैं। दूसरी ओर सरकार डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को सुरक्षा देने में लगातार नाकाम रही है फलस्वरूप डॉक्टरों और अस्पतालों पर हमलों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। बहरहाल डॉक्टरी पेशे की धूमिल होती छवि और मरीज और चिकित्सक के बीच बढ़ते फासले को दूर करने के लिए परस्पर संवाद की जरूरत है। अलबत्ता इस पेशे पर उठ रही उंगलियों के मद्देनजर यह भी विचारणीय है कि आखिरकार डॉक्टर भी समाज का ही हिस्सा है तथा उसकी भी पारिवारिक जिम्मेदारी और जरूरतें हैं लिहाजा नैतिकता और परोपकार की अपेक्षा इसी बिरादरी से क्यों? आखिरकार वर्तमान भौतिकवादी दौर में डॉक्टरों को भी पैसों की जरूरत है लेकिन इन पैसों की कमाई के तरीकों पर जरूर बहस होना चाहिए क्योंकि यह सीधे तौर पर व्यक्ति के सेहत से जुड़ा मसला है। यदि कोई चिकित्सक अपनी योग्यता और कौशल के बल पर इस पेशे की शुचिता और शपथ के मर्यादा में पैसा कमाता है तो यह कतई अनैतिक नहीं है।बहरहाल 'डॉक्टर्स-डे' की सार्थकता तब है जब चिकित्सक अपनी व्यवसायिक दायित्वों के प्रति सजग होकर अपने पेशे को महज कमाई का जरिया न मानते हुए इसे पीड़ित मानव के सेवा का माध्यम भी माने। समाज से भी अपेक्षा है कि वह चिकित्सकों के प्रति संवेदनशील बनें आखिरकार ईश्वर भले ही हमें जीवन देता है लेकिन गंभीर बीमारियों और दुर्घटनाओं के दौरान जीवन की रक्षा तो डॉक्टर ही करता है।

जल संवर्धन अभियान से आगे अब हमारी जवाबदारी का समय

प्रो. मनोज कुमार

मानसून आँख-मिचौली कर रहा है। लगता है कि बादल अब बरस पड़ेंगे की तब बरस पड़ेंगे लेकिन खेतों से लेकर शहरों तक की आँखें पथराई जा रही है। बादल बिना बरसे चले जा रहे हैं। यह समस्या साल-दर-साल बढ़ती चली जा रही है। अंधाधुँध विकास के कारण हमने ही यह स्थिति उत्पन्न की है। बीते सालों के मुकाबले इस साल गर्मी का ताप अधिक रहा और आने वाले सालों की कल्पना करना भी मुश्किल है। ऐसे में जरूरी है कि बीते दिनों को हम लौटा नहीं सकते लेकिन आने वाले दिनों को सुधार जरूर सकते हैं। राज्य में डॉ. मोहन सरकार ने जल गंगा संवर्धन अभियान का आरंभ प्रतिपदा (गुड़ी पड़वा) से शुरू किया था जो माह जून के आखिरी दिन थम गया। यह अभियान समाज को जागृत करने तथा नदियों, तालाबों, कुँओं और बावडि़यों जैसे जल स्रोतों का पुनरुद्धार और संरक्षण करना प्रमुख था। स्वाभाविक है कि सरकार अपना काम कर रही है लेकिन समाज की हिस्सेदारी भी जरूरी है। सरकारी आंकड़ों को मानें तो यह अभियान ने सार्थकता प्रदान की है और मान लेना चाहिए कि आंकड़े हवा में जारी नहीं किए जाते हैं। लेकिन इससे आगे की बात यह है कि सरकार के इस अभियान में जिन जलस्रोतों को पुर्नजीवन दिया गया, उसे बचाने और संवारने का समय अब आ चुका है।

जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है और पृथ्वी पर जीवन का आधार भी। मानव, पशु-पक्षी, वनस्पति तथा समस्त जीव-जगत का अस्तित्व जल पर निर्भर है। प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में जल को जीवन, पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। किंतु बढ़ती जनसंख्या, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण, जल स्रोतों का अंधाधुंध दोहन तथा जल प्रदूषण के कारण आज विश्व गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। अनेक क्षेत्रों में भूजल स्तर लगातार गिर रहा है और नदियाँ, तालाब तथा झीलें सूखती जा रही हैं। यदि समय रहते जल संरक्षण के प्रभावी उपाय नहीं अपनाए गए, तो भविष्य में पीने योग्य जल की भारी कमी उत्पन्न हो सकती है। इसलिए जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का नैतिक और सामाजिक दायित्व है। इस स्थिति में हमें जल गंगा संवर्धन अभियान के आगे अब चलने की जरूरत है। यह अभियान गर्मी के मौसम में शुरू हुआ और जल स्रोतों को स्वच्छ और साफ किया गया। अब इन जल स्रोतों को लबालब करने का समय आ गया है। मानूसन अभी भले ही हमसे आँख-मिचौली कर रहा है लेकिन जब बरसेगा तो हमें लबालब कर देगा, यह उम्मीद बेमानी नहीं है। ऐसे में हम सबका दायित्व बन जाता है कि बारिश की इन बूँदों को सहेज और संवार कर रखें। जल संरक्षण के अनेक उपाय बताये जाते हैं और आप हम में से अनेक लोग करते हैं और यही जल गंगा संवर्धन अभियान को सार्थकता प्रदान करेगा।

जल संरक्षण के लिए सरकार तो जो करती है और करेगी, हम व्यक्तिगत एवं सामाजिक स्तर पर क्या कर सकते हैं, इस पर विचार और पहल करने की जरूरत है। सबसे पहले वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना चाहिए। घरों, विद्यालयों, कार्यालयों तथा सार्वजनिक भवनों में वर्षा के जल को एकत्र कर भूजल पुनर्भरण किया जा सकता है। इससे भूजल स्तर में सुधार होता है और भविष्य के लिए जल उपलब्ध रहता है। इसी तरह वृक्षारोपण भी जल संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम है। पेड़ वर्षा को आकर्षित करते हैं, मिट्टी के कटाव को रोकते हैं तथा भूजल पुनर्भरण में सहायता करते हैं। इसलिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना आवश्यक है। कुछ साथी इस दिशा में सक्रियता के साथ प्रयास कर रहे हैं और बारिश के पहले ही लोगों को अपने घरों और मोहल्ले में पौधे लगाने की सलाह दे रहे हैं। वर्षाकाल में पौध रोपण करने से इसका परिणाम सुखदायक होता है और थोड़े समय में यह पौध वृक्ष का स्वरूप ग्रहण कर लेता है। खेती किसानी करने वाले किसान भाईयों को भी कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों, जैसे ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर सिंचाई का उपयोग किया जाना चाहिए।

बोध कथा

भारत को सोने की चिड़िया बनाने वाला असली राजा कौन था ?

कहानी है सत्य युग अर त्रेता युग के बाद जब द्वापर युग आता है तब भक्ति शुरू हो बिक्रमादीतय राजा बनते हैं। जब उनके राज्य में इतनी सुख है तो सत्य युग अर त्रेता युग में कितने जादा सुख होगा कोई जानकारी नहीं है। उहां क्या क्या चिज होगा उनके बारे में जानकारी के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आकर निशुल्क जान ने से खुसि में गद गद होजाएंगे। दुनिया कि सबसे बड़ा पाठशाला में भगवान पढ़ाते हैं। जो पढेगा उह सतयुग में 21 जन्म कि बादशाही लेता है।

कौन था वह राजा जिसके राजगद्दी पर बैठने के बाद उनके श्रीमुख से देववाणी ही निकलती थी और देववाणी से ही न्याय होता था?

कौन था वह राजा जिसके राज्य में अधर्म का संपूर्ण नाश हो गया था?

बड़े ही दुख की बात है कि महाराज विक्रमादित्य के बारे में देश को लगभग शून्य बराबर ज्ञान है। जिन्होंने भारत को सोने की चिड़िया बनाया था और स्वर्णिम काल लाया था।

उज्जैन के राजा थे गन्धर्वसैन, जिनके तीन संताने थी, सबसे बड़ी लड़की थी मैनावती, उससे छोटा लड़का भृतहरि और सबसे छोटा वीर विक्रमादित्य...बहन मैनावती की शादी धारानगरी के राजा पदमसैन के साथ कर दी, जिनके एक लड़का हुआ गोपीचन्द, आगे चलकर गोपीचन्द ने श्री ज्वालेन्दर नाथ जी से योग दीक्षा ले ली और तपस्या करने जंगलों में चले गए, फिर मैनावती ने भी श्री गुरू गोरक्ष नाथ जी से योग दीक्षा ले ली।

आज ये देश और यहाँ की संस्कृति केवल विक्रमादित्य के कारण अस्तित्व में है।

अशोक मौर्य ने बोद्ध धर्म अपना लिया था और बोद्ध बनकर 25 साल राज किया था।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

सच्चा त्यागी जीव !

बेबाक बनारसी

लोग उसे अब घनघोर त्यागी पुरुष के रूप में जानते हैं. अरे, वही अपने छदामीराम. पहले उसने नैतिकता त्यागी, फिर एक दिन उसने शर्म भी त्याग दी.एक दिन उसने शालीनता भी त्याग दी.फिर उसका मूड हुआ उसने अहिंसा भी त्याग दी. उसने क्या कर लिया कि जीवन में अच्छे से जीना है तो सारी वर्जनाओ को त्याग दो. इस तरह वह एक बड़े त्यागी पुरुष के रूप में समाज में इन दोनों चर्चित है.

भारतीय दर्शन में 'त्यागी' वह है,जो मोह-माया को छोड़कर आत्म-ज्ञान की ओर बढ़ता है। लेकिन हमारे समाज के इस नए 'त्यागी पुरुष' ने त्याग की परिभाषा का जो पुनर्लेखन किया है, वह आधुनिकता के चौराहे पर खड़े होकर तालियां बटोर रहा है। उसका 'त्याग' का सफर किसी आध्यात्मिक साधना जैसा नहीं, बल्कि बल्कि कुछ और था।

छदामीराम ने सीखा कि नैतिकता तो उन लोगों के लिए है, जिनके पास 'बदलाव' लाने का साहस नहीं है। उसने 'उपयोगितावाद' को अपना धर्म बनाया और नैतिकता को एक पुराने, भारी कपड़े की तरह उतार फेंका। जब नैतिकता गई, तो शर्म का पहरा भी हट गया। अब उसका तर्क था— 'मैं जो हूँ, वैसा ही हूँ।' लोग जिसे बेशर्मी कहते थे, उसने उसे 'पारदर्शिता' का नाम दे दिया। अब वह बिना किसी झिझक के वह सब करता है जिसे करने में सभ्य समाज को पसीना आ जाता है.

वह तो डंके की चोट पर कहता है, ' शालीनता तो 'कमजोरों' का कवच है। मैंने इसे त्याग कर 'मुखरता' का मुखौटा पहन लिया है ।

अब कड़वा बोलना ही उसकी पहचान बन गया है, और उसके जैसे ही लोग उसे 'स्पष्टवादी' समझकर उसे सिर आंखों पर बैठाते हैं। जब बाकी सब छूट गया, तो भीतर का हिंसक पशु जागना ही था। उसने अहिंसा को 'कायरता' घोषित कर दिया। अब तर्क की जगह मुक्के और शांति की जगह शोर का बोलबाला है। उसे लगता है कि वह ताकतवर है, जबकि हकीकत में उसने केवल अपने संयम का त्याग किया है।

आश्चर्य तो यह है कि समाज उसे बहिष्कृत करने के बजाय एक 'मसीहा' के रूप में देख रहा है। ऐसा क्यों? जटाशंकर के सवाल पर रमाशंकर में जवाब दिया कि 'जिस समाज के पास खुद को नियंत्रित करने का साहस नहीं होता, वह अक्सर उन लोगों को अपना नायक बना लेता है जो बिना किसी रोक-टोक के अपनी इच्छाओं को पूरा करते हैं।''

छदामी राम के बचपन के मित्र जो अभी तक अच्छाई को त्याग नहीं सके थे, ऐसे जटाशंकर ने अपने मित्र रमाशंकर से आगे बातचीत करते हुए कहा कि 'यार उसने सब कुछ त्याग दिया है—लेकिन क्या वह वास्तव में मुक्त है?'

रमाशंकर मुस्कुराते हुए बोला 'समाज का यह 'त्यागी' आज सबसे ज्यादा अमीर होकर भी सबसे अधिक कंगाल है, क्यों

कि उसने अपने भीतर के 'इंसान' को ही त्याग दिया है। उसके पास अब खोने के लिए कुछ नहीं बचा है, और यही उसकी सबसे बड़ी त्रासदी है—जिसे वह अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि समझ बैठा है।'

समाज में ऐसे अनेक त्यागी पुरुष भरे पड़े हैं ।

इतिहास

30 जून (आज का दिन) के इतिहास में कई प्रमुख घटनाएं दर्ज हैं। आज ही के दिन 1908 में साइबेरिया में विशाल 'तुंगुस्का घटना' हुई थी, 1971 में सोवियत अंतरिक्ष यान 'सोयुज 11' के अंतरिक्ष यात्री हवा की आपूर्ति बंद होने से मारे गए थे, और 1936 में प्रसिद्ध उपन्यास 'गॉन विद द विंड' प्रकाशित हुआ था।आज के दिन की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएंआज की प्रमुख घटनाओं और उपलब्धियों का विवरण इस प्रकार है:1908: साइबेरिया के तुंगुस्का क्षेत्र में एक भारी उल्कापिंड या धूमकेतु के विस्फोट से 2,000 वर्ग किलोमीटर का जंगल तबाह हो गया था। इसे इतिहास की सबसे बड़ी ज्ञात प्रभाव घटना माना जाता है।1971: सोवियत अंतरिक्ष यान सोयुज 11 (Soyuz 11) दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। एक दोषपूर्ण वाल्व के कारण अंतरिक्ष में हवा का रिसाव होने से इसके सभी तीन चालक दल के सदस्यों की दर्दनाक मृत्यु हो गई थी।

कोपरा जलाशय में संरक्षण सिर्फ बोर्डों तक सीमित?

बिलासपुर । छत्तीसगढ़ सरकार जिस कोपरा जलाशय को राज्य की पहली रामसर साइट बताकर अपनी पर्यावरणीय उपलब्धियों का ढोल पीट रही है, वहां की जमीनी तस्वीर कई असहज सवाल खड़े कर रही है। प्रवेश द्वार और सरकारी कार्यक्रमों में लगे आकर्षक बोर्डों पर कोपरा जलाशय की जैव विविधता, प्रवासी पक्षियों और वैश्विक पहचान की लंबी-चौड़ी कहानी लिखी गई है, लेकिन वास्तविकता यह है कि संरक्षण, प्रबंधन और सुविधाओं के नाम पर यहां बहुत कुछ सिर्फ कागजों में दिखाई देता है।

कोपरा जलाशय को दिसंबर 2025 में छत्तीसगढ़ की पहली रामसर साइट घोषित किया गया था। सरकार ने इसे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया और दावा किया कि यह स्थल 60 से अधिक प्रवासी पक्षी प्रजातियों का आश्रय है तथा वेटलैंड संरक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण है। जलाशय पहुंचने वाले लोगों को सबसे पहले बड़े-बड़े सूचना बोर्ड दिखाई देते हैं, जिनमें रामसर साइट बनने के फायदे और उपलब्धियां गिनाई गई हैं। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि रामसर का दर्जा मिलने के बाद भी क्षेत्र में संरक्षण के लिए कोई विशेष बदलाव दिखाई नहीं देता। न तो पर्यटकों के लिए पर्याप्त सुविधाएं विकसित हुईं, न ही पक्षी अवलोकन के लिए कोई व्यवस्थित ढांचा तैयार हुआ। कई स्थानों पर जलकुंभी और जलीय खरपतवार का फैलाव देखा जा सकता है। जलाशय के आसपास निगरानी और वैज्ञानिक प्रबंधन की भी कमी महसूस होती है।रामसर साइट घोषित होने का मतलब केवल सम्मान नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप संरक्षण और प्रबंधन की जिम्मेदारी भी है। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसी वेटलैंड्स के लिए नियमित मॉनिटरिंग, जैव विविधता संरक्षण, अतिक्रमण नियंत्रण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी आवश्यक होती है। लेकिन सवाल यह है कि कोपरा जलाशय के लिए अब तक कौन-सी ठोस कार्ययोजना लागू हुई? कितनी राशि खर्च हुई? संरक्षण के लिए कौन-कौन से कार्य हुए? इन सवालों के स्पष्ट जवाब आम जनता को नहीं मिल रहे।

सरकार ने दावा किया था कि रामसर साइट बनने से ईको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

लेकिन क्षेत्र के लोगों का कहना है कि आज भी यहां पर्यटन के नाम पर कोई व्यवस्थित व्यवस्था नहीं है। यदि कोई पर्यटक आता भी है तो उसे केवल जलाशय और कुछ सूचना बोर्ड ही नजर आते हैं। स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ने या सामुदायिक पर्यटन विकसित करने की दिशा में कोई बड़ा प्रयास दिखाई नहीं देता।

रामसर साइट का उद्देश्य किसी जलाशय को सिर्फ सम्मानित करना नहीं, बल्कि उसकी पारिस्थितिकी को सुरक्षित रखना होता है। कोपरा जलाशय को अंतरराष्ट्रीय पहचान तो मिल गई, लेकिन यदि संरक्षण, निगरानी और विकास कार्य सिर्फ फाइलों और प्रस्तुतियों तक सीमित रहे तो यह दर्जा भी महज सरकारी उपलब्धि बनकर रह जाएगा।

जब प्रदेश सरकार '20 वेटलैंड को रामसर साइट बनाने' का लक्ष्य तय कर रही है, तब सबसे पहले यह बताना जरूरी है कि राज्य की पहली रामसर साइट कोपरा जलाशय पर अब तक क्या बदला? यदि जनता को केवल बोर्ड और पोस्टर ही दिखाई दें, तो फिर यह वैश्विक मान्यता संरक्षण की सफलता है या सिर्फ सरकारी प्रचार का नया पोस्टर?

गरीबों का घर उजाड़कर नहीं बनेगी विधायक कॉलोनी : कांग्रेस

नकटी गांव पहुंचे भूपेश बघेल और दीपक बैज

विश्व केसरी

रायपुर। राजधानी रायपुर के नकटी गांव में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे। दोनों नेताओं ने उजड़े परिवारों की समस्याएं सुनीं, महिलाओं से बातचीत की और प्रशासन की कार्रवाई को अन्यायपूर्ण बताते हुए राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रभावित परिवारों से कहा कि घटना के समय मौके पर नहीं पहुंच पाने का उन्हें अफसोस है। उन्होंने बताया कि रात में सूचना मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मौके पर भेजा गया था, लेकिन भारी पुलिस बल की मौजूदगी के कारण स्थिति अलग थी। बैज ने कहा कि कांग्रेस इस लड़ाई में प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनके घर दोबारा बसाने तक संघर्ष करेगी।

बैज ने आरोप लगाया कि सरकार विधायक और अधिकारियों के लिए आवास बनाने के नाम पर गरीबों के घर उजाड़ रही है, जिसे कांग्रेस किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राजनीति करने नहीं, बल्कि लोगों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने आई है। साथ ही घोषणा की कि 13 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में नकटी गांव का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल कलेक्टर और राज्यपाल से भी मुलाकात करेगा तथा समाधान नहीं होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। उन्होंने भाजपा विधायक अनुज शर्मा और सांसद बृजमोहन अग्रवाल पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यदि वे चाहते तो यह कार्रवाई रुक सकती थी। उन्होंने कहा कि जनता को अपने जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगना चाहिए।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि गरीब परिवारों के घर बुलडोजर से तोड़ दिए गए, जबकि प्रभावशाली लोगों के अवैध निर्माणों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बुलडोजर चलाकर गरीबों को अपनी ताकत दिखाने का प्रयास किया है। बघेल ने मांग की कि जिन परिवारों के मकान तोड़े गए हैं, उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए, आजीविका के नुकसान की भरपाई की जाए और पुनर्वास की व्यवस्था किए बिना किसी भी तरह की कार्रवाई न की जाए।

आकाशीय बिजली गिरने से मासूम सहित 3 की मौत

अंबिकापुर/सरगुजा। सरगुजा जिले में मंगलवार को अचानक बदले मौसम ने एक हंसते-खेलते गांव को मातम में बदल दिया। धौलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत डुमकी के खुटापारा में आंधी-तूफान और मूसलाधार बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 5 वर्षीय मासूम सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दो मासूम बच्चे गांव के स्कूल मैदान में लगे आम के पेड़ के नीचे गिरे आम बीनने पहुंचे थे। उसी समय पास में एक युवक अपने बैल चरा रहा था। इसी बीच तेज गर्जना के साथ मौसम ने अचानक करवट ली और देखते ही देखते आकाशीय बिजली आम के पेड़ के पास गिर गई। बिजली की चपेट में चारों आ गए। हादसा इतना भीषण था कि 5 वर्षीय मासूम सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से झुलस गया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। धौलपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हृदयविदारक हादसे के बाद पूरे खुटापारा गांव में शोक की लहर है।

5 लाख की ठगी करने वाला अंतर्राज्यीय गिरोह दबोचा गया, नगद बरामद

विश्व केसरी

पखांजूर। कांकेर जिले के पखांजूर क्षेत्र में बांदे थाना पुलिस ने अंधविश्वास के नाम पर लोगों को ठगने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने साधु का वेश धारण कर एक व्यक्ति को घर में गड़ा हुआ सोना निकालने और परिवार की बीमारी व अन्य परेशानियां दूर करने का झांसा दिया। इसके लिए उन्होंने विशेष 'चमत्कारी भस्म' की जरूरत बताई और पीड़ित को विश्वास में लेकर उससे करीब 5 लाख रुपये ठग लिए। मामले की शिकायत मिलने के बाद बांदे थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और साइबर विश्लेषण के आधार पर जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपियों की लोकेशन महाराष्ट्र के नागपुर और गढ़चिरौली क्षेत्रों में मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने दोनों स्थानों पर दबिश देकर गिरोह के सभी छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी की राशि में से 4 लाख 96 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई एक पिकअप वाहन भी जब्त की गई है। पूछताछ में गिरोह के अन्य मामलों की भी जानकारी जुटाई जा रही है और पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों ने अन्य राज्यों में भी इसी तरह की वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं।

पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि अंधविश्वास, चमत्कार और तंत्र-मंत्र के नाम पर किसी भी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। यदि कोई इस प्रकार का लालच या झांसा दे, तो तत्काल पुलिस को सूचना दें।

धान भुगतान में फर्जी लोन का पेंच, भुगतान रुका तो कलेक्ट्रेट पहुंचे किसान

विश्व केसरी

बलरामपुर। जिले के रामचंद्रपुर ब्लॉक में धान बेचने वाले 50 से अधिक किसानों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और अपनी लंबित भुगतान राशि जारी करने की मांग की। किसानों का आरोप है कि उनके बैंक खातों को बिना उचित कारण 'होल्ड' पर डाल दिया गया है, जिसके चलते धान बिक्री का भुगतान अटक गया है। किसानों का कहना है कि सहकारी बैंक के कर्मचारियों की कथित मिलीभगत से उनके नाम पर फर्जी ऋण दर्ज कर दिए गए हैं, जिसका खामियाजा अब उन्हें भुगतना पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने बताया कि उन्होंने कभी कोई कृषि ऋण नहीं लिया, फिर भी बैंक रिकॉर्ड में उनके नाम पर लाखों रुपये का कर्ज दर्शाया गया है। किसानों का आरोप है कि इसी कथित ऋण के आधार पर उनके खातों को फ्रीज कर दिया गया, जिससे धान का भुगतान नहीं हो पा रहा है। एक किसान ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस अवधि में वह जेल में बंद था, उसी दौरान उसके नाम पर बैंक से ऋण जारी कर दिया गया, जो पूरे मामले में बड़े फर्जीवाड़े की ओर इशारा करता है। धान भुगतान रुकने से किसानों के सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। खरीफ सीजन की तैयारियों, खेती-किसानी के खर्च और पारिवारिक जरूरतों के लिए उन्हें भुगतान का इंतजार है। किसानों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और तत्काल भुगतान जारी करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान अतिरिक्त तहसीलदार जितेंद्र डहरिया ने किसानों से ज्ञापन प्राप्त किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य शासन तक भेजा जाएगा और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे कलेक्टर से मिलकर उच्च स्तरीय जांच की मांग करेंगे और आंदोलन को और तेज करेंगे।

दंतैल हाथी ने मकान उजाड़े, ग्रामीणों में दहशत

विश्व केसरी

अंबिकापुर। शहर से लगे खैरबार और आसपास के गांवों में बीती रात एक दंतैल हाथी की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। हाथी के आबादी वाले इलाके में पहुंचने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हाथी ने खैरबार के मछिन्दरपारा क्षेत्र में कई घरों की बाउंड्री वॉल को क्षतिग्रस्त कर दिया, वहीं खेतों और बाड़ियों में घुसकर खड़ी फसलों तथा केले के पेड़ों को भी भारी नुकसान पहुंचाया। घटना के बाद ग्रामीण पूरी रात भय के साये में रहे।

हाथी के गांव में प्रवेश की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति पर नजर रखी। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हाथी की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा उसे सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर वापस भेजने का प्रयास किया जा रहा है। किसी भी प्रकार की जनहानि न हो, इसके लिए विभाग ने विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

वन विभाग ने बांकी डैम, कोरिमा सहित आसपास के गांवों में अलर्ट जारी कर ग्रामीणों से रात के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने, हाथी के पास जाने या उसे उकसाने की कोशिश नहीं करने और किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल वन अमले को देने की अपील की है।

लगातार बढ़ रही मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं के बीच इस घटना ने एक बार फिर ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल वन विभाग की टीम हाथी की हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है, जबकि प्रभावित ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

रामगढ़ के पहाड़ी में विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला

महाकवि कालिदास नें मेघदुत की थी रचना किया था नाट्य मंचन

विश्व केसरी

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। रामगढ़ के सीताबेंगरा की प्राचीन रंग शाला है जो गवाह है कालिदास और रंगमंच के आदि इतिहास की, सीताबेंगरा गुफा रायपुर से 280 क्रि. मी. और बिलासपुर से 170 क्रि. मी. दूर अम्बिकापुर से 35 क्रि. मी. पहले तुर्रापानी बस स्टॉप से 3 क्रि. मी. पैदल रामगढ़ की पहाड़ी है, जिसका आकर दूर से ही सूंड उठाए हुए हाथी की शक्ल का दिखाई पड़ता हैं।इसी पहाड़ी को रामगढ़ कहते है। यह सरगुजा जिले के उदयपुर ब्लाक में है।

प्रत्येक वर्ष छत्तीसगढ़ शासन आषाढ़ मास के पहले दिन ही जहाँ राष्ट्रीय स्तर के नृत्यांगनाओं गायन, और विचार गोष्ठि का आयोजन करती है । जबकि देशभर के प्रमुख हस्तियों का जमावड़ों के साथ ग्रामीण मेलों हाट बाजार की झांकी देखने को मिल जाती है। : रामगढ़ शैलाश्रय के अंतर्गत सीताबेंगरा गुफा के अंदर लिपिबद्ध अभिलेख साक्ष्य के आधार पर इस प्राचीनतम नाट्यशाला का निर्माण लगभग दूसरी तीसरी सदी की होने की बात इतिहासकारों एवं पुरातत्वविदों ने समवेत स्वर स्वीकार की है।

इस गुफा के महत्व इसलिए भी है क्योंकि महान कवि कालिदास की विख्यात रचना 'मेघदूत' की रचना भी इसी जगह पर की गई थी । मान्यताओं के अनुसार महाकवि कालिदास ने जब राजाभोज से नाराज होकर उज्जयिनी का परित्याग किया तब इसी रामगढ़ की पहाड़ी में उन्होनें शरण लिया था ,तभी उन्होंने 'मेघदूतम'की रचना की थी।इसलिए ही इस जगह पर आज भी हर साल आज के ही दिन आषाढ़ के महीने की शुरूआत में बादलों की पूजा की जाती है । भारत में सम्भवत: यह अकेला स्थान है जहां की बादलों की पूजा करने की परम्परा है। यहीं पर एक नाट्यशाला जैसा आकर लिए हुए रंगमंच बना हुआ है ,जिसे देखकर आपको यह आभाष होगा कि वाकई में यह प्राचीन नाट्यशाला के तौर पर उपयोग किया जाता होगा। गुफा के प्रवेश स्थल की फर्श पर 2 छेद भी है जोंक उपयोग सम्भवत: पर्दे में लगाई जाने वाली लकड़ी के डंडों को फंसाने के लिए किया जाता रहा होगा। यहाँ की पूरी ब्यवस्था ही कलात्मक है। रंगमंच के सामने 50-60 दर्शकों के बैठने की अर्धचन्द्राकार में आसन बने हुए है। जहां बैठकर आराम से नाट्य मंचन को देखा जा सकता है।

आप परिकल्पना कर सकते है कि मनुष्य कोलाहल से दूर एकांत रात्रि में नृत्य संगीत की दुनिया में स्वीकार स्वर्गिक आनन्द उठा सकता है। पूरा परिदृश्य रोमन रंगभूमि की याद दिलाता है।

गुफा के बाहर दो फिट चौड़ा गढ्डा भी है , जो सामने से पूरी गुफा को घेरता है, यह भी मान्यता है कि की यह पर एक रेखा है जो कहा जाता है कि यही वो लक्ष्मण रेखा है। इसके बाहर एक पांव का निशान भी है।

इस गुफा के बाहर एक लम्बी सुरंग भी है जिसे हथ फोड़ सुरंग के नाम से लोग पुकारते है। इसी पहाड़ के ऊपर में एक मंदिर भी है जहां राम लक्ष्मण माता सीता और हनुमान जी की 12 वी सदी की प्रतिमा भी है। नवरात्र में यहाँ मेला भी लगता है। यह स्थान भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित किया गया है।

गंजईपूरी में तेंदुए की दस्तक से ग्रामीणों में बेचैनी

एक सप्ताह से आबादी के आसपास घूम रहा वन्यजीव

विश्व केसरी

गरियाबंद। जिले के ग्राम पंचायत कस के आश्रित ग्राम गंजईपूरी में तेंदुए की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। सोमवार देर रात करीब 12 बजे कस-हरदी मार्ग पर ग्रामीणों ने तेंदुए को देखा, जिसके बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी, जिसके बाद विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर क्षेत्र में निगरानी शुरू कर दी।

ग्रामीणों के अनुसार तेंदुआ पिछले लगभग एक सप्ताह से गांव और आसपास के इलाकों में लगातार दिखाई दे रहा है। इससे पहले सोहागपुर निवासी टोकेश्वर गोस्वामी के एक मवेशी का भी तेंदुए ने शिकार कर लिया था। इस घटना के बाद से ग्रामीण पहले ही सहमे हुए थे, वहीं अब दोबारा तेंदुए के दिखाई देने से लोगों की चिंता और बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि रात होते ही लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं और बच्चों को भी अकेले बाहर नहीं जाने दिया जा रहा है।

ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने, तेंदुए की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने तथा उसे सुरक्षित तरीके से आबादी वाले क्षेत्र से दूर जंगल में भेजने की मांग की है। साथ ही वन विभाग ने भी लोगों से सतर्क रहने, रात के समय अनावश्यक रूप से बाहर नहीं निकलने तथा मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर बांधने की अपील की है। वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र का निरीक्षण कर रही है और तेंदुए की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक तेंदुए के रेस्क्यू या उसे पकड़ने संबंधी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लगातार हो रही घटनाओं के चलते ग्रामीणों को वन विभाग की त्वरित कार्रवाई का इंतजार है।

माइनिंग विभाग का एक्शन, अवैध खनिज परिवहन करने वाले 3 वाहन जप्त

विश्व केसरी

सरगुजा। 10 जून से लागू हुए एनजीटी के नए नियमों के तहत सरगुजा जिले के सीतापुर क्षेत्र में अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ माइनिंग विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने अवैध रूप से गिट्टी और बालू का परिवहन कर रहे दो हाईवा और एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। जब्त किए गए सभी वाहनों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए सीतापुर थाना परिसर में सुपुर्द कर दिया गया है।

यह कार्रवाई माइनिंग अधिकारी अनिल कुमार साहू के निर्देशन में की गई। अभियान में माइनिंग इंस्पेक्टर डॉ. मनोज कुमार तथा सुपरवाइजर सुरेश सिंह की टीम ने क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान वाहनों से खनिज परिवहन से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई, जिसमें अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहनों को जब्त कर लिया गया।

माइनिंग विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन और बिना वैध अनुमति के खनिज परिवहन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग का कहना है कि एनजीटी के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा और प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

माइनिंग विभाग की इस कार्रवाई से अवैध खनिज कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। विभाग ने खनिज परिवहन करने वाले वाहन मालिकों और संचालकों से अपील की है कि वे सभी आवश्यक दस्तावेजों और वैध अनुमति के साथ ही खनिज परिवहन करें, अन्यथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 249 अंक फिसला

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 249.70 अंक या 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,478.67 और निफ्टी 80.50 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,865.75 पर था।

एकतरफ लार्जकैप में बिकवाली देखी गई। वहीं, दूसरी तरफ मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 230.40 अंक या 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 61,797.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 190 अंक या 1.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,863.10 पर था।

सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.37 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 1.31 प्रतिशत के साथ टॉप गेनर थे। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स,निफ्टी फार्मा, निफ्टी मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी हेल्थकेयर हरे निशान में बंद हुआ। वहीं,

निफ्टी आईटी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी सर्विसेज लूजर्स थे।

सेंसेक्स पैक में मारुति सुजुकी, टाइटन, बजाज फाइनेंस, इटरनल, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, इंडिगो, ट्रेंट, एनटीपीसी और पावर ग्रिड गेनर्स थे। इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, आईटीसी, एचयूएल, एसबीआई, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, एमएंडएम, कोटक महिंद्रा बैंक, एलएंडटी, सन फार्मा, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक और बीईएल लूजर्स थे।

जानकारों के मुताबिक, घरेलू बाजार अभी कंसोलिडेशन फेस में है और मिलेजुले रुझानों के साथ सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। हालांकि, भू-राजनीतिक चिंताएं कम हुई हैं, लेकिन अमेरिका-ईरान शांति समझौते की नाजुक स्थिति का असर अभी भी बाजार की धारणा पर बना हुआ है, जिसके कारण निवेशक सतर्क बने हुए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि अलग-अलग सेक्टर का प्रदर्शन मिला-जुला रहा, लेकिन झुकाव गिरावट की ओर था, जिसमें आईटी सेक्टर का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। निवेशक ब्याज दरों की चाल का अंदाजा लगाने के लिए अमेरिका के आने वाले रोजगार के आंकड़ों और नए फेड चेयरमैन के बयानों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं, क्योंकि महंगाई अभी भी टारगेट से ऊपर है, जबकि आर्थिक गतिविधियां अच्छी रफ्तार से बढ़ रही हैं।

डेयरी संस्था आविन ने दूध की किल्लत वाली खबर का किया खंडन, कहा- ऐसी खबरें पूरी तरह भ्रामक

विश्व केसरी ■

चेन्नई । तमिलनाडु की राज्य संचालित डेयरी सहकारी संस्था आविन ने दूध की आपूर्ति में गिरावट संबंधी खबरों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि चेन्नई में दूध की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में दूध की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई है।

यह स्पष्टीकरण तमिलनाडु मिल्क एजेंट्स एंड वर्कर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा लगाए गए उन आरोपों के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि निजी डेयरी कंपनियां आविन की तुलना में अधिक खरीद मूल्य देकर दूध उत्पादकों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं।

एसोसिएशन के अनुसार, इसके कारण आविन के दूध खरीद में गिरावट आई है, जिससे कई इलाकों में दूध की आपूर्ति पर 30 प्रतिशत तक असर पड़ा है।

इन आरोपों को खारिज करते हुए आविन ने कहा कि दूध की खरीद या वितरण में किसी भी तरह की कोई बाधा नहीं आई है और

चेन्नई के उपभोक्ताओं को प्रतिदिन आविन के सभी प्रकार के दूध के पैकेट बिना किसी कमी के उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

आधिकारिक बयान में आविन ने कहा कि वह वर्तमान में चेन्नई में प्रतिदिन औसतन 14.50 लाख लीटर दूध की आपूर्ति कर रहा है और अपने व्यापक वितरण नेटवर्क के माध्यम से निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है।

सहकारी संस्था ने कहा कि वह उपभोक्ताओं की मांग पूरी करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और दूध की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। बिक्री में गिरावट के दावों का जवाब देते हुए आविन ने जून महीने के दौरान दूध वितरण के तुलनात्मक आंकड़े भी जारी किए।

जारी आंकड़ों के अनुसार, जून 2025 में सहकारी संस्था ने प्रतिदिन औसतन 14.46 लाख लीटर दूध की बिक्री की थी। वहीं जून 2026 में औसत दैनिक बिक्री बढ़कर 14.82 लाख लीटर पहुंच गई।

2030 तक भारत के वाटर सेक्टर में 20 लाख करोड़ रुपए के निवेश की संभावना : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में वर्ष 2030 तक पानी की मांग उपलब्ध जल आपूर्ति से लगभग दोगुनी हो सकती है, और इस चुनौती से निपटने के लिए अगले दशक में 20 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की संभावना है। यह जानकारी पीएल कैपिटल की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह निवेश मुख्य रूप से जल शोधन (वाट ट्रीटमेंट), अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण (वेस्टवाटर रिसायक्लिंग) और सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में होगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी का घर है, लेकिन उसके पास वैश्विक मीठे पानी के केवल 4 प्रतिशत संसाधन हैं।

तेजी से बढ़ते शहरीकरण, औद्योगीकरण, भू-जल के

अत्यधिक दोहन और कृषि में बढ़ती पानी की खपत के कारण देश में जल संकट लगातार गहराता जा रहा है।

इसी वजह से अब जल सुरक्षा राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है और इसके लिए जल शोधन, वितरण, भंडारण और पुनर्चक्रण जैसी परियोजनाओं में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी।

पीएल कैपिटल के चीफ बिजनेस ऑफिसर (एडवाइजरी) विक्रम कसाट ने कहा कि अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों के विपरीत जल क्षेत्र में निवेश आर्थिक चक्र पर निर्भर नहीं है।उन्होंने कहा कि जल सुरक्षा से जुड़ा निवेश दीर्घकालिक, नीतिगत और टिकाऊ विकास के लिए अनिवार्य है।

उनके अनुसार, बढ़ते शहरीकरण, उद्योगों के विस्तार और पर्यावरणीय मानकों के कड़े होने से जल शुद्धिकरण, जल पुनर्चक्रण, समुद्री जल को मीठा बनाने और पुन: उपयोग से जुड़ी परियोजनाओं में लंबे समय तक मजबूत मांग बनी रहेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र सरकार की कई प्रमुख योजनाएं जल क्षेत्र में निवेश को गति दे रही हैं, जिनमें जल जीवन मिशन, अमृत 2.0 और नमामि गंगे कार्यक्रम जैसी पहले शामिल हैं।

इसके अलावा, जल शक्ति मंत्रालय के बजट में बढ़ते आवंटन से स्वच्छ पेयजल, बेहतर सीवरेज व्यवस्था और अपशिष्ट जल शोधन परियोजनाओं को मजबूती मिल रही है।

फेड की सख्त नीति और पश्चिम एशिया तनाव के चलते सोने-चांदी की कीमतों में 1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट

विश्व केसरी ■

मुंबई । हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और वैश्विक बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी डॉलर की मजबूती, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की आशंकाओं ने निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने और चांदी से दूर कर दिया। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यही रुझान जारी रहा तो सोना अक्टूबर 2008 के बाद अपनी सबसे बड़ी मासिक गिरावट दर्ज कर सकता है।

घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर मंगलवार को कारोबार की शुरुआत से ही कीमती धातुओं पर दबाव दिखाई दिया।

अगस्त डिलीवरी वाला सोना आज अपने पिछले बंद 1,42,402

रुपए से 1,516 रुपए यानी 1 प्रतिशत गिरकर 1,40,886 प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं दिन के कारोबार में यह 1.37 प्रतिशत यानी 1,952 रुपए गिरकर 1,40,450 रुपए के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया।

हालांकि बाद में इसमें कुछ रिकवरी हुई और खबर लिखे जाने तक इसमें 0.15 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

वहीं, सितंबर डिलीवरी वाली चांदी की बात करें तो यह आज अपने पिछले बंद 2,22,634 रुपए से 1 प्रतिशत यानी 2,387 रुपए गिरकर 2,20,247 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला और यही दिन का निम्नतम स्तर रहा।

हालांकि बाद के कारोबार में इसमें भी मामूली बढ़त दर्ज की गई और खबर लिखे जाने तक इसमें 0.12 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। स्पॉट गोल्ड करीब 1.5 प्रतिशत टूटकर 3,956.92 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। जून महीने में अब तक सोने की कीमत लगभग 12.7 प्रतिशत गिर चुकी है और यह लगातार चौथे महीने कमजोरी की ओर बढ़ रहा है।

इसी तरह स्पॉट सिल्वर 2 प्रतिशत गिरकर 57.13 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। प्लेटिनम 1.1 प्रतिशत और पैलेडियम 0.4 प्रतिशत कमजोर हुआ।

सरकार ने जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई तक बढ़ाई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार ने गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) में अपील दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 31 जुलाई 2026 कर दी है। मंत्रालय ने बताया कि जीएसटीएटी पोर्टल पर बड़ी संख्या में अपीलें दाखिल होने के कारण आई तकनीकी समस्याओं को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

एक आधिकारिक बयान में मंत्रालय ने कहा कि यह विस्तार केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) अधिनियम की धारा 112(1) और धारा 112(3) के तहत दायर की जाने वाली अपीलों पर लागू होगा।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में बड़ी संख्या में करदाताओं और अन्य हितधारकों ने शिकायत की थी कि जीएसटीएटी पोर्टल पर अत्यधिक ट्रैफिक की वजह से तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं, जिससे समय पर अपील दाखिल करने में परेशानी हो रही है।

इन शिकायतों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अपील दाखिल करने की समय-सीमा एक महीने बढ़ाने का निर्णय लिया।

इससे पहले, सरकार ने 17 सितंबर 2025 को जारी एक अधिसूचना के जरिए 30 जून 2026 को जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील दाखिल करने की अंतिम तारीख तय की थी।

हालांकि, अंतिम दिनों में पोर्टल पर अचानक बढ़े दबाव के कारण समय-सीमा बढ़ानी पड़ी।

वित्त मंत्रालय के मुताबिक, केवल पिछले 15 दिनों में ही करीब 30,000 अपीलें दाखिल की गईं। कुछ दिनों में प्रतिदिन 5,500 तक अपीलें दर्ज हुईं, जिसके चलते पोर्टल पर तकनीकी दबाव बढ़ गया।

सरकार ने करदाताओं से अपील की है कि वे अंतिम तारीख का इंतजार करने के बजाय पहले ही अपनी अपील दाखिल करें, ताकि पोर्टल पर आखिरी समय में भीड़ और तकनीकी समस्याओं से बचा जा सके।

इस बीच, चालू वित्त वर्ष में सरकार के कर संग्रह (टैक्स कलेक्शन) में भी अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मई 2026 में सकल जीएसटी संग्रह पिछले वर्ष की तुलना में 3.2 प्रतिशत बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपए रहा।

वहीं, शुद्ध जीएसटी संग्रह 3.3 प्रतिशत बढ़कर 1.67 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। इसी अवधि में जीएसटी रिफंड भी 2.6 प्रतिशत बढ़कर 27,281 करोड़ रुपए हो गया। आयकर विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1 अप्रैल से 17 जून 2026 के दौरान शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 14.64 प्रतिशत बढ़कर 5.21 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4.55 लाख करोड़ रुपए रहा था।

वहीं, इसी अवधि में सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह भी 12.46 प्रतिशत बढ़कर 6.10 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया।

भारत की जीडीपी 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान, कच्चे तेल का दाम औसत 72 डॉलर प्रति बैरल रहने की उम्मीद: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) की वृद्धि दर 2026 में 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह अप्रैल के पहले के अनुमान 6.2 प्रतिशत से अधिक है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में कहा गया कि 2027 में भारत की वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। साथ ही कहा कि 2026 की दूसरी छमाही में ब्रेंट क्रूड का दाम औसत 72 डॉलर प्रति बैरल रह सकता है और 2027 में यह 65 डॉलर प्रति बैरल रहने की उम्मीद है। हालांकि, शर्त यह है कि पश्चिम एशिया में शांति बनी रहे।

ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस ने 2026 के लिए ग्लोबल ग्रोथ आउटलुक को बढ़ाकर 3.2 प्रतिशत और 2027 के लिए 3.5 प्रतिशत कर दिया है। यह दोनों वर्षों के लिए अप्रैल में जारी किए आउटलुक से 10 आधार अंक अधिक है।

ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस ने रिपोर्ट में कहा, 'हम इस साल के लिए ग्लोबल महंगाई दर का अनुमान घटाकर 3 प्रतिशत कर रहे हैं। इसके 2027 में घटकर 2.4 प्रतिशत और 2028 में 2.5 प्रतिशत होने का अनुमान है।'

रिपोर्ट में कहा गया है कि आगे चलकर अमेरिका से पैदा होने वाली सख्त वित्तीय स्थितियों से ग्लोबल इकॉनमी की परीक्षा हो सकती है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि 2026 में सितंबर से शुरू होकर फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में 75 आधार अंक की बढ़ोतरी करेगा।

अमेरिका-ईरान शांति समझौते, कच्चे तेल की कीमतों में सुधार और 2026 की पहली तिमाही में उम्मीद से बेहतर जीडीपी आंकड़ों को देखते हुए, ब्रोकरेज हाउस को उम्मीद है कि उभरती हुई एशियाई अर्थव्यवस्थाओं (चीन को छोड़कर) की वृद्धि दर 2026 में 5.9 प्रतिशत रहेगी और 2027 में यह 5.8 प्रतिशत होगी।'

रिपोर्ट में बताया गया कि ग्लोबल इकॉनमी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेज विकास, चीन की जरूरत से ज्यादा प्रोडक्शन क्षमता, राजकोषीय असंतुलन और ग्लोबल स्तर पर जरूरत से ज्यादा लिक्विडिटी से गति मिल रही है।

इस साल की शुरुआत में अपने उच्चतम स्तर से कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 42 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है और ये 72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई हैं।

नए चेयरमैन की नियुक्ति के बाद एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट, सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया अभी बाकी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक के शेयर मंगलवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ कारोबार करते दिखाई दिए। बैंक द्वारा पूर्व वित्त सचिव राजीव कुमार को तीन साल के लिए नया पार्ट-टाइम चेयरमैन नियुक्त किए जाने के बाद निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया।

शुरुआती कारोबार में बीएसई पर एचडीएफसी बैंक के शेयर 0.62 प्रतिशत गिरकर 794 रुपए के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गए। वहीं खबर

लिखे जाने तक कंपनी के शेयर 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 796.65 रुपए पर कारोबार करते नजर आए।

बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया था कि राजीव कुमार को पार्ट-टाइम चेयरमैन नियुक्त किया गया है। उन्होंने अतानु चक्रवर्ती की जगह ली है, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफा देते समय उन्होंने कहा था कि बैंक में कुछ ऐसी कार्यप्रणालियां थीं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिक सिद्धांतों के अनुरूप नहीं थीं।

मार्च में अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद बैंक के कामकाज में निरंतरता बनाए रखने के लिए केकी मिस्त्री को अंतरिम पार्ट-टाइम चेयरमैन बनाया गया था। अब राजीव कुमार की नियुक्ति के साथ बैंक को तीन साल के लिए स्थायी चेयरमैन मिल गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोमवार को हुई गवर्नेंस, नॉमिनेशन एंड रेम्यूनरेशन कमेटी (एनआरसी) की बैठक में बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की दोबारा नियुक्ति पर कोई चर्चा नहीं हुई। रिपोर्ट्स के अनुसार, बैंक जल्द ही सीईओ की पुनर्नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करेगा। बैंक चाहता है कि इस प्रक्रिया से पहले स्थायी चेयरमैन पूरी तरह पदभार संभाल लें। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, एचडीएफसी बैंक के शेयर ने पिछले 52 हफ्तों में 1,020.35 रुपए का उच्चतम स्तर और 726.75 रुपए का न्यूनतम स्तर छुआ है।

हार्ट अटैक से 14 दिन पहले शरीर देता है ये 6 संकेत, भूलकर भी न करें नज़रअंदाज़, वरना हो सकता है भारी नुकसान

कुछ लोगों को हार्ट अटैक से पहले शुरुआती लक्षण महसूस हो सकते हैं, लेकिन ऐसा हर किसी के साथ नहीं होता. इसलिए, '14 दिन पहले' जैसे दावों को कोई पक्का नियम नहीं माना जाना चाहिए.

आजकल हार्ट अटैक एक गंभीर समस्या बन गया है, लेकिन इसके लक्षण हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं. कुछ लोगों को हार्ट अटैक या सर्जरी से कई दिन पहले ही शुरुआती संकेत मिल सकते हैं, जबकि कुछ लोगों को कोई चेतावनी नहीं मिलती. इसलिए, यह कहना गलत होगा कि हर किसी में अटैक से ठीक 14 दिन पहले ये लक्षण दिखाई देते हैं. फिर भी, कुछ ऐसे लक्षण हैं जिन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जाना चाहिए. आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से...

छाती में दर्द या दबाव: जानकारों के अनुसार, छाती में भारीपन, दबाव, कसाव या जलन महसूस होना हार्ट अटैक का सबसे आम लक्षण माना जाता है. यह दर्द कुछ मिनटों तक रह सकता है या आ-जा सकता है. अगर आराम करने के बाद भी यह ठीक न हो, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें.

सांस लेने में तकलीफ: अगर बिना ज़्यादा मेहनत किए सांस फूलने लगे या सीढ़ियां चढ़ने जैसे रोज़मर्रा के कामों में दिक्कत हो, तो इसे नज़रअंदाज़ न करें. यह दिल से जुड़ी समस्या का संकेत हो सकता है.

बहुत ज़्यादा थकान: अगर आपको बिना किसी साफ़ वजह के कई दिनों तक लगातार कमज़ोरी या असामान्य थकान महसूस हो खासकर महिलाओं में तो यह दिल से जुड़ी समस्या का शुरुआती संकेत हो सकता है.

शरीर के दूसरे हिस्सों में दर्द फैलना: दिल से जुड़ा दर्द सिर्फ़ छाती तक ही सीमित नहीं रहता. यह बाएं हाथ, दोनों हाथों, कंधों, गर्दन, पीठ, जबड़े या पेट के ऊपरी हिस्से तक फैल सकता है. ऐसे लक्षणों को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए.

ठंडे पसीने आना, जी मिचलाना या चक्कर आना: अचानक ठंडे पसीने आना, जी मिचलाना, उल्टी जैसा महसूस होना या चक्कर आना भी कुछ लोगों में हार्ट अटैक के लक्षण हो सकते हैं, खासकर अगर इनके साथ छाती में दर्द भी हो.

बेचैनी या घबराहट : कुछ लोगों को हार्ट अटैक से पहले अचानक घबराहट, बेचैनी या ऐसा एहसास हो सकता है कि 'कुछ गड़बड़ है'. हालांकि, अकेले यह हार्ट अटैक का पक्का संकेत नहीं है, लेकिन अगर दूसरे लक्षणों के साथ ऐसा हो, तो आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए.

हार्ट अटैक का ख़तरा कम करने के लिए क्या किया जा सकता है ?: संतुलित और दिल के लिए फ़ायदेमंद डाइट लें, नियमित रूप से व्यायाम करें, धूम्रपान और तंबाकू से बचें, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की नियमित जांच करवाएं, और तनाव कम करने के लिए रिलैक्सेशन तकनीक अपनाएं और भरपूर नींद लें।

Kids Lunch Bo&: गर्मी में खराब हो सकता है स्कूल लंच, भूलकर भी न करें ये गलतियां, बीमार हो सकता है बच्चा

गर्मी के मौसम में बच्चों का स्कूल टिफिन जल्दी खराब हो सकता है, जिससे फूड पॉइजनिंग और पेट से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है. जानिए बच्चों के लंच बॉक्स को लंबे समय तक ताजा रखने के आसान टिप्स और वे गलतियां, जिन्हें हर माता-पिता को करने से बचना चाहिए.

लंबे वेकेशन के बाद बच्चों का समर वेकेशन खत्म हो रही हैं. अधिकतर स्कूल एक दो दिनों में खुल रहे हैं. ऐसे में बच्चों का रुटीन एक बार फिर बदलने वाला है. गर्मी के दिनों में बच्चों के लिए फ्रेश लंचबॉक्स पैक करना चुनौतिपूर्ण रहता है. तापमान अधिक होने से खाना खराब होने का डर रहता है. ऐसे में इस मौसम में बच्चों के टिफिन को लेकर थोड़ी अतिरिक्त सावधानी बरतना बहुत जरूरी है. तेज धूप और बढ़ते तापमान की वजह से खाना जल्दी खराब हो सकता है, जिससे बच्चों को पेट दर्द, उल्टी, दस्त और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

खाने को थोड़ा ठंडा होने दें, उसके बाद ही टिफिन में पैक करें.

ऐसे में अगर आप भी रोजाना बच्चे के लिए स्कूल लंच तैयार करती हैं, तो कुछ आम गलतियों से बचना बेहद जरूरी है.

गर्मी में बच्चों का लंच बॉक्स पैक करते वक्त न करें ये गलतियां-

रात का बचा या बासी खाना न दें सुबह के समय वर्किंग पैरेंट्स या मदर्स के पास वक्त की बहुत कमी होती है, इसलिए कई बार रात की बची हुई सब्जी, गूंथा हुआ आटा या चावल सुबह फ्राई करके बच्चों के टिफिन में रख दिए जाते हैं. नॉर्मल मौसम में भले ही यह चल जाए, लेकिन गर्मियों में यह बहुत बड़ी गलती है. बच्चों को हमेशा सुबह का बना बिल्कुल ताजा (Fresh) खाना ही दें. अगर समय कम है, तो रात में ही सब्जियां काटकर रख लें, ताकि सुबह सिर्फ 10 मिनट में ताजा खाना तैयार हो सके.

गर्म खाना तुरंत टिफिन में पैक न करें

कई बार जल्दबाजी में माता-पिता ताजा बना गर्म खाना सीधे लंच बॉक्स में भर देते हैं. ऐसा करने से डिब्बे के अंदर नमी बन जाती है, जिससे बैक्टीरिया तेजी से पनप सकते हैं. खाने को थोड़ा ठंडा होने दें, उसके बाद ही टिफिन में पैक करें.

बहुत जल्दी टिफिन तैयार करने से बचें

अगर आप सुबह स्कूल जाने से कई घंटे पहले ही खाना बनाकर पैक कर देती हैं, तो गर्मी में उसके खराब होने का खतरा बढ़ जाता है. कोशिश करें कि बच्चे के स्कूल जाने से ठीक पहले ताजा खाना तैयार कर पैक करें.

दही, मेयोनीज और क्रीम वाली चीजें सोच-समझकर दें

गर्मियों में दही, मेयोनीज, क्रीम या दूध से बनी चीजें जल्दी खराब हो सकती हैं. यदि इन्हें टिफिन में देना ही है, तो इंसुलेटेड लंच बॉक्स का इस्तेमाल करें और कम मात्रा में दें.

कटे हुए फल लंबे समय तक न रखें

कटे हुए फल जल्दी ऑक्सीडाइज होने लगते हैं और गर्मी में उनका स्वाद व गुणवत्ता भी खराब हो सकती है।

बेहतर होगा कि ऐसे फल चुनें जिन्हें बच्चा आसानी से पूरा खा सके या फिर फल काटकर एयरटाइट डिब्बे में पैक करें।

गीले और सूखे खाने को एक साथ न रखें

पराठे, सैंडविच या स्नैक्स के साथ बहुत ज्यादा ग्रेवी वाली सब्जी रखने से खाना जल्दी खराब हो सकता है. टिफिन में सूखी सब्जियां, पोहा, उपमा, वेज रैप या स्टफड पराठे जैसे विकल्प बेहतर रहते हैं।

ग्रीन टी छोड़िए, इस लू ड्रिंक को पीजिए,टनाटन रहेगी सेहत

आजकल ग्रीन टी और ब्लैक टी के फायदों की चर्चा तो खूब होती है लेकिन अब एक ब्लू ड्रिंक तेजी से लोकप्रिय हो रही है. यह अपने अनोखे गुणों के कारण इन सभी चायों पर भारी पड़ती है. यह अद्भुत ड्रिंक अपराजिता यानी नीलकंठ के सूखे फूलों से तैयार की जाती है. आयुर्वेद में इसे एक शक्तिशाली औषधि माना गया है. इसे भगवान शिव को भी अर्पित किया जाता है. इसे घर पर बनाना बेहद आसान है. बस उबलते हुए पानी में अपराजिता के दो सूखे फूल डाल दें, जिससे पानी गहरा नीला हो जाएगा. इसके बाद स्वाद के लिए इसमें नींबू और शहद मिलाकर आप इसे गरमा-गरम चाय या ठंडे मोजितो की तरह पी सकते हैं. विशेषज्ञ राकेश पांडे के अनुसार यह ड्रिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है और प्राकृतिक रूप से शरीर को डिटॉक्स करने का काम करती है. इसमें मौजूद प्रचुर एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा की चमक बनाए रखने में भी बेहद मददगार होते हैं. इंटरनेशनल मार्केट में इसकी भारी मांग है, लेकिन आप इसे घर पर ही आसानी से तैयार करके इसके जादुई फायदों का लाभ उठा सकते हैं. यह न केवल सेहत के लिए गुणकारी है, बल्कि ताजगी देने वाला एक बेहतरीन विकल्प भी है।

सिर्फ कटहल नहीं, इसकी पत्तियां, बीज और छाल भी हैं औषधियों का खजाना! डॉक्टर ने बताए गजब के फायदे

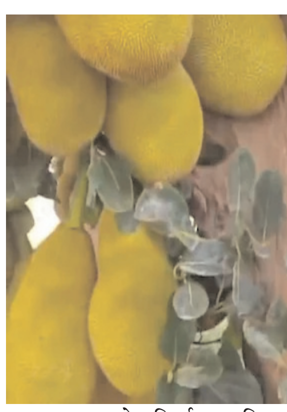

कटहल को सिर्फ स्वादिष्ट फल ही नहीं, बल्कि आयुर्वेद में एक बहुउपयोगी औषधीय वृक्ष भी माना जाता है. इसके फल, बीज, पत्तियां और छाल में कई पोषक तत्व और प्राकृतिक गुण पाए जाते हैं, जो पाचन, रोग प्रतिरोधक क्षमता, हृदय स्वास्थ्य और त्वचा की देखभाल में सहायक माने जाते हैं. हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि कटहल या इसके किसी भी औषधीय उपयोग से पहले चिकित्सकीय सलाह जरूर लेनी चाहिए।

बलिया: एक ऐसे सब्जी, फल, जिसका हर हिस्सा ही गुणों का भंडार है. जी हां कटहल का वृक्ष, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी और गुणकारी होता है. इसे प्रकृति का अनमोल उपहार माना जाता है. गर्मियों और बरसात के मौसम में बाजारों में नजर आने वाला कटहल न केवल भरपूर स्वाद देता है, बल्कि सेहत का भी बेशकीमती खजाना माना जाता है।

आयुर्वेद से लेकर आधुनिक पोषण विज्ञान तक, इसके फल, बीज, पत्ते और छाल के गुणों की चर्चा होती आ रही है. इसी के चलते, कटहल को प्राकृतिक औषधियों की श्रेणी में रखा गया है. आइए जानते हैं कटहल के हर हिस्से के चौंकाने वाले फायदे।

बलिया की फेमस सात साल अनुभवी आयुर्वेदाचार्य डॉ. प्रियंका सिंह के अनुसार, कटहल का गूदा शरीर को तुरंत ऊर्जा देने वाला एक प्राकृतिक स्रोत है. बताया कि, इसमें कार्बोहाइड्रेट और कई आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो थकान दूर करने में बेहद मददगार होते हैं. इसमें विटामिन-सी की अच्छी मात्रा पाई जाती हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है. इसी के कारण, यह मौसमी संक्रमण बीमारियों का खतरा भी कम करती हैं. यह फाइबर से भरपूर होता हैं, जो पाचन तंत्र को सक्रिय कर कब्ज जैसी परेशानियों से छुटकारा दिलाने में मदद करता है. इसमें पोटेशियम भी पाया जाता है, हृदय स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है।

अब बात करते हैं कटहल की पत्तियों का, यह पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में लंबे समय से उपयोगी रही हैं. यह एंटीबैक्टीरियल और सूजनरोधी गुण से भरपूर होती हैं, जो घाव, फोड़े-फुंसी और त्वचा संबंधी समस्याओं को कम कर सकती हैं. बताया जाता हैं कि, इसके पत्तों का अर्क ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल को सही रखने में भी लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं.

बात अगर कटहल के बीज की करें, तो यह भी किसी सुपरफूड से कम नहीं हैं. इसमें मौजूद प्रोटीन और डाइटरी फाइबर मांसपेशियों को मजबूती देने और वजन कंट्रोल में मददगार हो सकता है. यही नहीं, इसके बीजों में एंटीऑक्सीडेंट तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को फ्री-रेडिकल्स से बचा सकते हैं. कुछ हदतर कैंसर के जोखिम को कम करने में भी इसको सहायक माना गया है. यह त्वचा की चमक और बालों की सेहत के लिए भी बहुत बढ़िया है।

रुकिए साहब! अभी इसका छाल तो बाकी ही है, जी हां इसका उपयोग जोड़ों के दर्द, सूजन, खांसी, सर्दी और अस्थमा जैसी समस्याओं भी किया जा सकता है।

हर लड़ाई रिश्ता नहीं तोड़ती... लेकिन ये 4 छोटी-छोटी आदतें चुपचाप खत्म कर देती हैं प्यार, रिश्ते में आ जाती है दूरी

रिश्तों में बहस होना आम बात है. हर कपल के बीच कभी न कभी मतभेद होते हैं, लेकिन रिश्ते की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि दोनों पार्टनर एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करते हैं. कई बार लड़ाई नहीं, बल्कि रोज की छोटी आदतें रिश्ते में ऐसी दरार पैदा कर देती हैं, जिन्हें समय रहते समझना जरूरी होता है.

किसी भी रिश्ते में प्यार के साथ समझ, भरोसा और सम्मान का होना बहुत जरूरी होता है. अक्सर लोग सोचते हैं कि बड़ी लड़ाइयां ही रिश्ते खराब करती हैं, लेकिन असल में कई बार छोटी-छोटी आदतें धीरे-धीरे रिश्ते को कमजोर बना देती हैं. मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, रिश्ते में लगातार नकारात्मक व्यवहार, भावनाओं को नजरअंदाज करना और बातचीत की कमी पार्टनर्स के बीच दूरी बढ़ा सकती है. अगर इन आदतों को समय रहते बदला जाए तो रिश्ते को फिर से मजबूत बनाया जा सकता है.

1. हर बात पर आलोचना करना

रिश्ते में सुझाव देना और गलती बताना अलग बात है, लेकिन हर छोटी बात पर पार्टनर की कमी निकालना रिश्ते पर बुरा असर डाल सकता है. लगातार आलोचना करने से सामने वाले व्यक्ति को लग सकता है कि उसकी कोई वैल्यू नहीं है. रिश्ते में प्यार बनाए रखने के लिए जरूरी है कि शिकायत करने के बजाय समस्या पर बात की जाए. पार्टनर के अच्छे व्यवहार और कोशिशों को भी पहचानना चाहिए.

2. बातचीत से बचना या चुप्पी साध लेना

कई लोग गुस्से में बात करना बंद कर देते हैं या अपनी भावनाएं शेयर नहीं करते. शुरुआत में यह आसान तरीका लग सकता है, लेकिन लंबे समय तक ऐसा करने से गलतफहमियां बढ़ सकती हैं।

जुलाई में घूमने के लिए भारत की 7 सबसे खूबसूरत जगहें, बारिश में दिखती हैं जन्नत जैसी

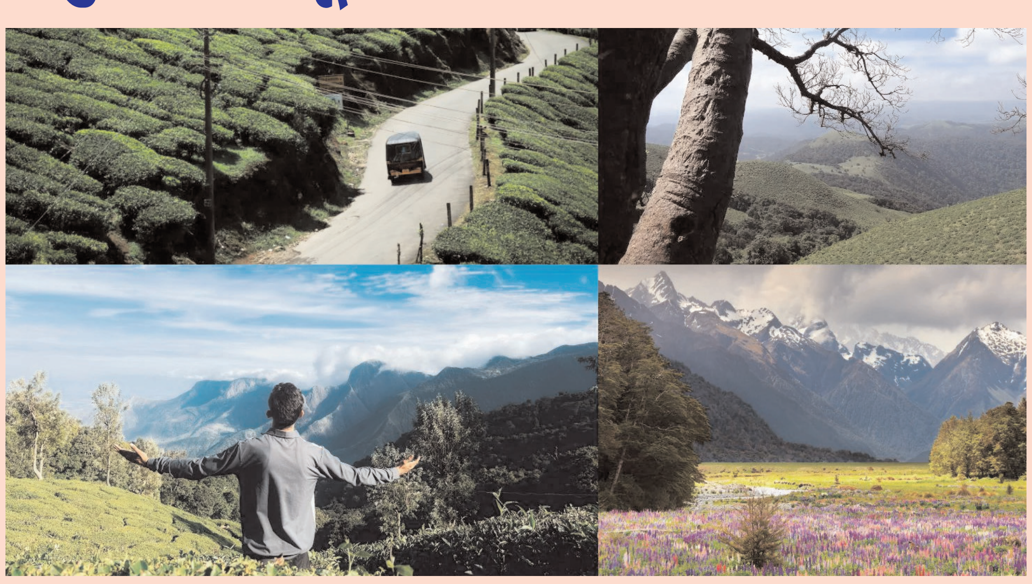

जुलाई की मानसूनी बारिश में भारत के ये 7 हिल स्टेशन्स और घाटियां किसी जन्नत से कम नहीं लगते. अगर आप भी इस मानसून एक यादगार ट्रिप प्लान करना चाहते हैं, तो इन खूबसूरत जगहों की लिस्ट जरूर देख लें.

क्या आप भी दिल्ली-NCR या मुंबई की इस चिपचिपी, झुलसाती गर्मी से तंग आ चुके हैं? दिल कर रहा है कि सब कुछ छोड़कर बस कहीं पहाड़ों में निकल जाएं? तो बॉस, अपना बैग पैक करना शुरू कर दीजिए, क्योंकि जुलाई का महीना आ चुका है और इसके साथ ही आ गई है मानसून की वो झमाझम बारिश, जो बेजान पड़ी वादियों में भी नई जान फूंक देती है.

जुलाई में जब काले-घने बादल पहाड़ों को अपनी बाहों में लेते हैं, तो प्रकृति का जो रूप निखर कर आता है ना, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है. नदियां अपने पूरे उफान पर होती हैं, झरने शोर मचाते हुए गिरते हैं और सूखी पहाड़ियां मखमली हरी मखमली चादर ओढ़ लेती हैं.

अगर आप भी इस सुहाने मौसम का मज़ा लेने के लिए एक परफेक्ट मानसून ट्रिप (Monsoon Trip 2026) प्लान कर रहे हैं, तो ट्रेवल एक्सपर्ट्स और टूरिज्म पोर्टल्स के मुताबिक ये 7 जगहें आपकी बकेट लिस्ट में टॉप पर होनी चाहिए. यकीन मानिए, इस मौसम में ये जगहें बिल्कुल किसी 'जन्नत' जैसी लगती हैं.

1.वैली ऑफ फ्लावर्स, उत्तराखंड

अगर आप इंस्टाग्राम के लिए ऐसी रील्स बनाना चाहते हैं जो लोगों के होश उड़ा दें, तो जुलाई में सीधे उत्तराखंड की इस घाटी का रुख करिए. सर्दियों की भारी बर्फबारी के बाद, जुलाई का महीना आते ही यहाँ सैकड़ों प्रजातियों के दुर्लभ और रंग-बिरंगे जंगली फूल पूरी तरह खिल जाते हैं. यूनेस्को की यह वर्ल्ड हेरिटेज साइट इस मौसम में इतनी हसीन लगती है कि आपको लगेगा आप परियों की किसी कहानी में वॉक कर रहे हैं.

आना-जाना: ऋषिकेश या हरिद्वार तक ट्रेन/बस से जाएं, फिर वहां से गोविंदघाट के लिए शेयरिंग टैक्सी (लगभग ?1,000 - ?1,500) मिल जाती है. वहां से घांघरिया तक का ट्रेक शुरू होता है.

रहना-खाना: घांघरिया बेस कैंप में

बजट होमस्टे या होटल ?1,000 से ?1,800 प्रति रात में मिल जाते हैं. पहाड़ी इलाका होने के कारण खाना थोड़ा महंगा होता है (?200- ?300 प्रति मील).

अनुमानित कुल बजट (प्रति व्यक्ति): ?7,000 से ?12,000 (अगर आप खुद प्लान करते हैं) और ग्रुप पैकेज ?10,000 से ?14,000 के बीच मिल जाते हैं.

2.कूर्ग, कर्नाटक (Coorg)-

साउथ इंडिया का 'स्कॉटलैंड' कहा जाने वाला कूर्ग मानसून में एक अलग ही लेवल पर खूबसूरत हो जाता है. जुलाई की रिमझिम बूंदें यहाँ के दूर-दूर तक फैले कॉफी बागानों और घने जंगलों को एकदम चमकीला हरा बना देती हैं. पहाड़ों पर तैरती धुंध (Misty Hills) के बीच से जब आप गुजरेंगे और एब्बी फॉल्स जैसे झरनों की बौछारें आपके चेहरे पर पड़ेंगी, तो सारी थकान पल भर में गायब हो जाएगी.

आना-जाना: सबसे नज़दीकी रेलवे स्टेशन मैसूर (120 किमी) या एयरपोर्ट बेंगलुरु है. बेंगलुरु या मैसूर से कूर्ग के लिए सीधी सरकारी और प्राइवेट बसें चलती हैं (?400 - ?800).

रहना-खाना: कूर्ग में होमस्टे सबसे बेस्ट होते हैं. बजट होमस्टे या कॉफी एस्टेट के कमरे ?1,500 से ?2,500 प्रति रात में मिल जाते हैं. साउथ इंडियन खाना यहाँ बहुत किफायती है.

अनुमानित कुल बजट (प्रति व्यक्ति): 3 दिन की ट्रिप के लिए ?5,000 से ?8,500 (बेंगलुरु/मैसूर से शुरू करने पर).

3.मन्नार, केरल (Munnar)

केरल का यह खूबसूरत हिल स्टेशन चाय के बड़े-बड़े बागानों के लिए जाना जाता है।

'ऑटिज्म बीमारी नहीं, समझ और अपनापन चाहिए'

ईशा सिंह ने समाज की सोच पर उठाए सवाल

मुंबई। टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने आने वाले शो 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। ईशा इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाली लड़की 'जूही' की भूमिका में नजर आएंगी। अपने इस किरदार की तैयारी और ऑटिज्म को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की।

उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग ऑटिज्म को बीमारी समझते हैं, जबकि यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है।

मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में ईशा सिंह ने कहा, ''आज भी बहुत से लोग ऑटिज्म को सही तरीके से नहीं समझते। जागरूकता की कमी पढ़े-लिखे लोगों के बीच भी देखने को मिलती है। मेरे अपने दोस्तों में भी ऐसे लोग हैं जिन्हें ऑटिज्म के बारे में सही जानकारी नहीं है। ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि लोग इस विषय को समझें और इसके बारे में सही जानकारी हासिल करें।''

ईशा सिंह ने कहा, ''ऑटिज्म को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे बीमारी मान लेते हैं। जबकि सच यह है कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि ऑटिज्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। ऑटिज्म न तो संक्रामक है और न ही यह किसी तरह की बीमारी है।''

अभिनेत्री का कहना है कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले बच्चे अक्सर बेहद बुद्धिमान, संवेदनशील और प्यार करने वाले होते हैं। उन्हें समाज से सहानुभूति नहीं बल्कि समझ और स्वीकार्यता की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को बदलने की कोशिश करने के बजाय उन्हें उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी अलग पहचान और विशेषताओं के साथ दुनिया में आता है।

अपने नए शो में निभाए जा रहे किरदार को लेकर ईशा सिंह ने कहा, ''यह मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा रोल है। चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील विषय है, इसलिए मैंने इसकी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी। मेरा उद्देश्य ऑटिज्म से जुड़े लोगों की भावनाओं और व्यवहार को पूरी ईमानदारी के साथ दर्शकों तक पहुंचाना था।''

ईशा ने कहा, ''इस किरदार की तैयारी के दौरान मैंने ऑटिज्म पर आधारित कई इंटरव्यू देखे, विशेषज्ञों और लोगों से बातचीत की, इस विषय पर काफी रिसर्च की और कई किताबें भी पढ़ीं। यह सीखने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। जूही का किरदार निभाते हुए मुझे हर दिन कुछ नया सीखने को मिल रहा है। मैंने अपने स्टडी, लोगों के अनुभव और अपनी व्यक्तिगत समझ को मिलाकर इस किरदार को तैयार किया है।'' अभिनेत्री ने बताया, ''जूही के किरदार के लिए मुझे अपने चलने, बोलने, बैठने, प्रतिक्रिया देने और भावनाओं को व्यक्त करने के तरीके पर भी बारीकी से काम करना पड़ा। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले लोग हर भावना को गहराई से महसूस करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे उसे सामान्य तरीके से व्यक्त कर पाएं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने अभिनय में किसी तरह का दिखावा नहीं रखा, बल्कि छोटे-छोटे हाव-भाव और स्वाभाविक अभिव्यक्ति पर विशेष ध्यान दिया।''

ईशा सिंह ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि जब दर्शक 'जूही मुई' देखेंगे तो उन्हें मेरे किरदार की कई ऐसी बारीकियां नजर आएंगी, जिन पर पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। अगर इस शो के जरिए कुछ लोग भी ऑटिज्म को लेकर अपनी सोच बदलते हैं और इसे सही तरीके से समझ पाते हैं, तो मेरी मेहनत सफल मानी जाएगी।

जेब में रखा था फोन और गलती से इंस्टा पर हो गए थे लाइव, अरशद वारसी ने सुनाया पूरा किस्सा

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता अरशद वारसी टेक्नोलॉजी के मामले में खुद को बहुत कमजोर मानते हैं और कई बार सोशल मीडिया और स्मार्टफोन संभालने में गलती कर बैठते हैं। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी जिंदगी से जुड़ा एक मजेदार किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि एक बार वह गलती से सोशल मीडिया पर लाइव हो गए थे।

अरशद वारसी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, ''मैं टेक्नोलॉजी के मामले काफी कमजोर हूं। मुझे स्मार्टफोन या सोशल मीडिया का इस्तेमाल करना मुश्किल लगता है। मैं अक्सर अपने बच्चों या टीम से पूछता हूं कि फोन या ऐप कैसे चलाते हैं, क्योंकि कई चीजें मुझे इसमें समझ नहीं आतीं।

उन्होंने मजेदार किस्से के बारे में बताते हुए कहा, ''एक बार मैं लंदन में घूम रहा था और फोन मेरी जेब में था। मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि गलती से मुझसे इंस्टाग्राम लाइव ऑन हो गया है। मैं आराम से चलते-फिरते अपनी बातों में लगा हुआ था और दूसरी तरफ मेरे फॉलोअर्स मेरी बातचीत सुन रहे थे। इसी दौरान मेरी बेटी और मैनेजर लगातार मुझे फोन कर रहे थे और बता रहे थे कि वे लाइव हैं, लेकिन मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि 'लाइव' का मतलब क्या होता है। बाद में मुझे पता चला कि पूरी घटना सोशल मीडिया पर रिकॉर्ड हो रही थी।''

अरशद वारसी ने कहा, ''मुझे बटन वाले पुराने फोन ज्यादा पसंद हैं, क्योंकि वे आसान होते हैं और उनमें ज्यादा उलझन नहीं होती। अगर मेरे हाथ में होता तो मैं हफ्ते में एक दिन ऐसा रखना चाहूंगा, जब पूरी तरह इंटरनेट बंद हो, ताकि लोग फोन से दूर होकर आपस में बातचीत कर सकें। आजकल लोग लगातार मोबाइल और इंटरनेट में इतने व्यस्त हो गए हैं कि आम बातचीत कम होती जा रही है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यूएई और कुछ खाड़ी देशों ने बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर जो नियम बनाए हैं, वे एक हद तक सही दिशा में कदम हैं। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल सही तरीके से होना चाहिए, खासकर युवा पीढ़ी के लिए सीमाएं जरूरी हैं।

अभिनेता अमित सियाल ने संघर्षों से बनाई पहचान, ओटीटी पर छोड़ी अमिट छाप

विश्व केसरी

मुंबई। हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज का जाना माना चेहरा अभिनेता अमित सियाल बुधवार को अपना 51वां जन्मदिन मनाएंगे। उनका जन्म 1 जुलाई 1975 को उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में हुआ था। अमित सियाल ने ओटीटी से लेकर फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की और निगेटिव किरदारों में उन्होंने अलग छाप छोड़ी है।

अमित सियाल के पिता की कानपुर में जूते की दुकान थी और मां लाइब्रेरियन थीं। इससे साफ है कि उनके घर में पहले से अभिनय की दुनिया में कोई नहीं था। माता-पिता चाहते थे कि वे अच्छे से पढ़ाई करके नौकरी करें लेकिन उनके दिमाग में कुछ और ही चल रहा था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शीलिंग हाउस स्कूल, कानपुर से पूरी की। आगे चलकर, उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स से बी.कॉम. (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की।

शिक्षा को और मजबूत बनाने के लिए वे ऑस्ट्रेलिया चले गए, जहां स्विनबर्न यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से इंटरनेशनल बिजनेस में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा किया। ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई करने के साथ ही वे काम भी करने लगे। उनको बर्तन धोने का काम मिला, जहां उनको खाना और 35 डॉलर मिलते थे। इसके अलावा उन्होंने टैक्सी भी चलाई और सेल्समैन का काम भी किया। ऑस्ट्रेलिया में ही उनकी मुलाकात अभिनेता रणदीप हुड्डा से हुई। उस समय रणदीप हुड्डा ऑस्ट्रेलिया में टैक्सी चलाने के साथ ही मॉडलिंग भी करते थे।

'भीषण गर्मी और बुखार में भी अमिताभ ने पूरा किया सीन,' नीना गुप्ता ने शेयर 'ऊंचाई' फिल्म की शूटिंग का किस्सा

विश्व केसरी

मुंबई। एक्ट्रेस नीना गुप्ता ने एक बार बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन के काम के प्रति अटूट समर्पण के बारे में बात की थी। उन्होंने याद किया था कि कैसे तेज गर्मी में तेज बुखार होने के बावजूद उन्होंने 'ऊंचाई' की शूटिंग जारी रखी थी।

'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट के एक पुराने वीडियो में, जहां नीना अपनी फिल्म 'ऊंचाई' के को-स्टार्स अनुपम खेर और बोमन ईरानी के साथ एक स्पेशल एपिसोड के लिए आई थीं, एक्ट्रेस ने एक ऐसी घटना के बारे में बताया जिसने उन पर गहरा असर डाला।

अमिताभ बच्चन से बात करते हुए नीना ने कहा कि उन्होंने अपने साथी एक्टर्स, खासकर उनसे, बहुत कुछ सीखा है।

उस घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'शूटिंग के दौरान एक दिन मैं छांव में खड़ी थी, जबकि अमित जी, अनुपम जी और बोमन दिल्ली के खेतों में दोपहर की तेज धूप में एक सीन शूट कर रहे थे। अमिताभ (जी) ने बहुत आसानी से सीन पूरा कर लिया। बाद में किसी ने मुझे बताया कि उन्हें बुखार था। मुझे एहसास हुआ कि यह बहुत बड़ी बात है।'

नीना ने आगे बताया कि इस घटना ने काम के प्रति उनके नजरिए को बदल दिया।

उन्होंने कहा, 'कुछ दिनों बाद, मेरी नाइट शूटिंग थी। मुझे बहुत खांसी हो रही थी और मैं लगातार शिकायत कर रही थी। मैं डायरेक्टर से मुझे जाने देने के लिए कहने के बारे में भी सोच रही थी। लेकिन तभी मुझे बुखार होने के बावजूद तेज गर्मी में खड़े अमित जी याद आए। मैंने खुद से कहा, 'अगर वह ऐसा कर सकते हैं, तो तुम्हें भी चुपचाप अपना काम करना चाहिए।' यही कमिटमेंट है।'

अपने खास अंदाज में मजाक करते हुए अमिताभ बच्चन ने कहा, 'यह हमारा काम है। इसे बनाए रखने के लिए हमें क्या-क्या नहीं करना पड़ता।'

नीना ने सेट पर हमेशा पॉजिटिविटी बनाए रखने के लिए अनुपम खेर की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि उनमें अपने आस-पास के सभी लोगों का हौसला बढ़ाने की खास काबिलियत है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी को उदास देखना पसंद नहीं है और वह हमेशा लोगों का मूड और हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं। 'ऊंचाई' फिल्म की बात करें तो इसे सूरज बड़जात्या ने डायरेक्ट किया था और यह 2022 में रिलीज हुई थी।

श्रेया घोषाल का 'अनस्टॉपेबल टूर' बना यादगार सफर, बोलीं- 'हर शहर से हमने काफी कुछ नया सीखा'

विश्व केसरी

मुंबई। मशहूर सिंगर श्रेया घोषाल इन दिनों अपने इंटरनेशनल म्यूजिक टूर 'अनस्टॉपेबल टूर' को लेकर चर्चा में हैं। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में हुए इस टूर के बाद श्रेया ने मीडिया से अपने अनुभव साझा किए और इसे अपने करियर के बड़े सफर की शुरुआत बताया।

मीडिया से बातचीत में श्रेया घोषाल ने कहा, ''यह अनुभव सच में शानदार रहा। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का कॉन्सर्ट मेरे 'अनस्टॉपेबल टूर' का सबसे यादगार फेज रहा। ऑकलैंड, पर्थ, सिडनी और मेलबर्न, हर शहर में जबरदस्त एनर्जी, प्यार, अपनापन, हंसी और जश्न जैसा माहौल था। मुझे लगता है कि इस कॉन्सर्ट के साथ 'अनस्टॉपेबल' और भी बेहतर हो गया है। हमने काफी कुछ नया सीखा है।''

श्रेया ने अपने टूर के दौरान हुए खास पलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''हर शहर में शो में कुछ न कुछ सरप्राइज जरूर थे, जिसने दर्शकों और मुझे दोनों को ही हैरान और खुश कर दिया। कभी स्थानीय कलाकार स्टेज पर शामिल हुए, तो कभी दर्शकों में से ही किसी को परफॉर्म करने का मौका मिला, जिससे हर शो अलग और खास बन गया।''

उन्होंने खास तौर पर सिडनी और मेलबर्न के अनुभव साझा किए। श्रेया ने बताया, ''सिडनी में मेरे गाने 'नगाड़ा संग ढोल' के दौरान एक डांसर ने शानदार परफॉर्म किया, जिसने शो की एनर्जी को दोगुना कर दिया। वहीं मेलबर्न में एक महिला ढोल प्लेयर ने स्टेज पर आकर परफॉर्म किया। ऐसे में पूरा माहौल जोश से भर दिया। इन पलों में सबसे खास बात यह रही कि महिलाओं की भागीदारी ने शो को और भी मैजिकल बना दिया।''

उन्होंने कहा, ''हर शो के साथ मुझे ऐसा महसूस होता है कि मेरा दर्शकों का परिवार और बड़ा हो रहा है। यह सिर्फ एक म्यूजिक टूर नहीं है, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है, जो हर परफॉर्मेंस के साथ और गहरा होता जा रहा है। दर्शकों का प्यार और उनका साथ मुझे लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

श्रेया घोषाल ने कहा, 'मैं इस पूरे सफर के लिए बेहद आभारी हूं, और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे दुनिया भर में लोगों के साथ अपनी आवाज और संगीत साझा करने का मौका मिल रहा है। यह टूर अभी शुरुआत है, और आने वाले समय में यह यात्रा और भी बड़ी होने वाली है।

राम कपूर ने कहा, 'गलती से' की गई चीटिंग ऐसी बात नहीं जिससे रिश्ता खत्म हो जाए; आकांक्षा चमोला ने असहमति जताई

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता राम कपूर के यह कहने के बाद कि शादी में बेवफाई हमेशा रिश्ता खत्म करने की वजह नहीं होती, खासकर अगर वह गलती से हुई हो और साथी रिश्ते को दूसरा मौका देने के लिए तैयार हो, 'लॉक अप सीज़न 2' में रिश्तों और बेवफाई को लेकर तीखी बहस छिड़ गई।

अभिनेता राम कपूर के 'समय हर घाव भर देता है' वाले नजरिए को सह-प्रतियोगी आकांक्षा चमोला ने सख्ती से चुनौती दी।

भरोसे और रिश्तों पर हुई चर्चा के दौरान राम कपूर ने कहा कि लंबे वैवाहिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव आते हैं और किसी एक गलती की वजह से रिश्ता खत्म करने का फैसला जल्दबाजी में नहीं लेना चाहिए।

राम ने कहा, 'अगर आप अपने जीवनसाथी से सच में प्यार करते हैं, तो कोई भी बात रिश्ता तोड़ने की वजह नहीं बननी चाहिए। शादी आसान नहीं होती, यह एक लंबा सफर है। हर दिन आपको अपने रिश्ते पर मेहनत करनी पड़ती है। इसमें अच्छे और बुरे दौर आते हैं, मजबूत और कमजोर चरण आते हैं। अगर किसी बुरे दौर में गलती से कुछ हो जाए और आप अपने साथी या अपने बच्चों के बिना नहीं रह सकते, तो समय हर घाव भर देता है और ऐसी कोई बात नहीं होती जो रिश्ता खत्म करने की वजह बन जाए।'

अफगानिस्तानः फरवरी से अब तक 800 नागरिकों की पाकिस्तानी हवाई हमलों में गई जान

विश्व केसरी

काबुल। पिछले पांच महीनों में पाकिस्तानी हवाई हमलों में अफगानिस्तान के 800 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और बड़ी तादाद में आम अफगानी घायल हुए हैं। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स में इन हमलों से हुए नुकसान का लेखा जोखा सामने रखा गया है।

अफगान मीडिया आउटलेट टोलो न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि ये हमले अफगानिस्तान के कई प्रांतों, खोस्त, पक्तिया, पक्तिका, कुनार, काबुल, नंगरहार और कंधार में किए गए, जिनका सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों को हुआ है।

इन हमलों में नागरिक बुनियादी ढांचे को भी निशाना बनाया गया, जिनमें लोगों के आवास, अस्पताल, स्कूल और विश्वविद्यालय शामिल हैं। एक राजनीतिक विश्लेषक अख्तर मोहम्मद रसिख ने टोलो न्यूज से कहा, 'पाकिस्तान की सेना, खुफिया एजेंसियां और राजनीतिक नेतृत्व अफगानिस्तान को अस्थिर करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसका परिणाम अफगानों की मौत, देश में असुरक्षा, अफगानिस्तान को पाकिस्तान का प्रभाव क्षेत्र

बनाने और डूरंड लाइन को आधिकारिक सीमा के रूप में स्थापित करने की कोशिश है। रिपोर्ट में इस वर्ष हुई कई बड़ी घटनाओं का भी उल्लेख किया गया है, जिनमें 21 फरवरी को पक्तिका, नंगरहार और खोस्त में हुए हवाई हमलों में 18 लोगों की मौत हुई, जिनमें 11 बच्चे शामिल थे। इसके अलावा, 16 मार्च को काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र पर हुए हमले में 400 से अधिक लोगों की मौत और 260 से अधिक लोगों के घायल होने का दावा किया गया है। 27 अप्रैल को कुनार प्रांत स्थित सैयद जमालुद्दीन अफगानी विश्वविद्यालय पर हुए हमले में लगभग 30 छात्र और शिक्षक घायल हुए। वहीं 10 जून को खोस्त, कुनार और पक्तिका में हुए हवाई हमलों में 13 लोगों की मौत बताई गई।इसके अलावा, 28 जून की रात पक्तिया, पक्तिका और कुनार में हुए हमलों में 36 नागरिकों की मौत और 163 लोगों के घायल होने की पुष्टि तालिबान के उप-प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने की है।

एक सैन्य विश्लेषक सादिक शिनवारी ने टोलो न्यूज से कहा, 'पाकिस्तान के लगातार हवाई हमले, जिसमें रविवार के हमले भी शामिल हैं, अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता का स्पष्ट उल्लंघन हैं। इन हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित नागरिकों की मौत हुई है, और इनका कोई औचित्य नहीं है। कई विश्लेषकों ने पाकिस्तान के इन हमलों और कथित नागरिकों को निशाना बनाने को 'युद्ध अपराध' बताया है और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से जांच की मांग की है। हालांकि इस्लामाबाद अक्सर अफगानिस्तान में उग्रवादी समूहों की मौजूदगी को सीमा पार हमलों का कारण बताता रहा है, रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान के भीतर भी आईएसआईएस से जुड़े आतंकी ठिकाने सक्रिय हैं।

बलूच कार्यकर्ता के घर छापे से बढ़ा विवाद, मानवाधिकार संगठनों ने सरकार से मांगा जवाब

विश्व केसरी

क्वेटा। बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) की सदस्य समी देन बलूच के आवास पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की रेड को मानवाधिकार संगठनों ने ज्यादती करार दिया है। संगठनों ने इसे बलूच लोगों के खिलाफ राज्य के 'दबाव और आक्रामकता के अभियान' का हिस्सा बताया है।

समी देन ने आरोप लगाया कि सोमवार तड़के कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों के अधिकारी बिना किसी पूर्व सूचना के, उनकी गैर-मौजूदगी में उनके घर पर छापेमारी करने पहुंचे।

उन्होंने सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी से तत्काल स्पष्टीकरण की मांग की।

समी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह और पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी, मैं आपसे तत्काल स्पष्टीकरण की मांग करती हूं। अभी-अभी कानून प्रवर्तन और खुफिया अधिकारियों ने मेरी जानकारी और उपस्थिति के बिना मेरे परिवार के घर पर छापा मारा। अगर यह आपकी सरकार के तहत हुआ है तो आपको जनता को जवाब देना होगा। और अगर नहीं, तो फिर यह स्पष्ट करना आपकी जिम्मेदारी है कि सिंध में इस तरह की मनमानी कौन कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले एक सप्ताह से उनके घर पर बार-बार छापेमारी की जा रही है, जिससे उनके और उनके परिवार को लगातार डर और उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। इस घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने सिंध सरकार से तत्काल जांच की मांग की और समी देन तथा उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा।

एचआरसीपी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'अगर यह पुष्टि होती है कि कराची में मानवाधिकार कार्यकर्ता समी देन बलूच के घर पर छापा मारा गया है, तो यह प्रक्रिया, गोपनीयता और संवैधानिक सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करता है। हम सिंध सरकार से इस घटना की स्वतंत्र और तत्काल जांच कराने और उन्हें सुरक्षा प्रदान करने की अपील करते हैं।

300 साल पुरानी श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पांडुलिपि के दर्शन की तैयारी, स्कॉटलैंड में हुई अहम बैठक

विश्व केसरी

एडिनबर्ग। स्कॉटलैंड में भारतीय वाणिज्य दूतावास की एक टीम ने मंगलवार को एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के अधिकारियों और एडिनबर्ग व ग्लासगो के गुरुद्वारा प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस बैठक का उद्देश्य 300 साल पुराने गुरु ग्रंथ साहिब की पांडुलिपि के दर्शन की व्यवस्था को सुगम बनाना था।

एडिनबर्ग स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'टीम ने एडिनबर्ग और ग्लासगो के गुरुद्वारा प्रतिनिधियों-सिख संजोग की तृष्णा सिंह और यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के अधिकारियों के साथ एक समन्वय बैठक में हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य सेंट्रल गुरुद्वारा, ग्लासगो में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के 300 साल पुराने हस्तलिखित स्वरूप के दर्शन की व्यवस्था करना था।' यह पांडुलिपि साल 2020 में यूनिवर्सिटी के अभिलेखागार में मिली थी।

दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी-विरोधी आंदोलन से दहशत, शहरों में कामकाज ठप

विश्व केसरी

डरबन। दक्षिण अफ्रीका में 'एंटी-इमिग्रेंट प्रोटेस्ट' के कारण आम लोग दहशत में हैं। मंगलवार को पूरे दक्षिण अफ्रीका में कामकाज ठप रहा, दुकानें बंद रहीं, बस के पहिए थमे रहे और पुलिस मुस्तैद दिखी। अवैध प्रवासियों को देश छोड़ने के लिए मंगलवार तक का समय दिया गया था। स्थानीय मीडिया ने बताया कि डेडलाइन के चलते शहर की सड़कों पर हलचल कम ही रही।

अंग्रेजी दैनिक 'मेल एंड गार्डियन' के अनुसार, 'अवैध प्रवासियों' के खिलाफ मार्च के चलते लोगों को आशंका थी कि ये प्रदर्शन हिंसा में बदल सकते हैं। पिछले कुछ हफ्तों में मोजाम्बिक के दो, इथियोपिया के एक और मलावी के एक नागरिक की हत्या कर दी गई। बढ़ती हिंसा के बीच कुछ देश छोड़कर जा रहे हैं तो कुछ अफ्रीकी देशों ने निकासी के लिए बसों और प्लेन का इंतजाम कर दिया है।

मंगलवार को अफ्रीका के अन्य देशों से आए कई विदेशी नागरिकों ने काम पर जाने से परहेज किया। मुख्य व्यावसायिक शहर जोहान्सबर्ग और बंदरगाह शहर डरबन के कुछ हिस्सों में दर्जनों प्रदर्शनकारी, जिनमें कुछ लकड़ी की लाठियां लिए हुए थे, इकट्ठा हुए।

इस बीच, 'इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक जस्टिस' (आईईजे) ने सरकार से प्रवासियों के खिलाफ हिंसा और नफरत फैलाने वाले बयानों (हेट स्पीच) के मामले में तुरंत कदम उठाने की मांग की है। संस्था ने चेतावनी दी है कि राजनीतिक नेता और खुद कानून-व्यवस्था अपने हाथ में लेने वाले समूह (विजिलेंट ग्रुप), देश की गंभीर सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को हल करने के बजाय संघर्ष कर रहे समुदायों की निराशा का फायदा उठा रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख अंग्रेजी दैनिक टाइम्स लाइव ने आईईजे के हवाले से कहा कि बेरोजगारी, गरीबी और खराब सार्वजनिक सेवाएं प्रवासन (माइग्रेशन) के कारण नहीं, बल्कि बरसों से चली आ रही आर्थिक और नीतिगत नाकामियों का नतीजा हैं। उन्होंने कहा, 'इन अस्वीकार्य हालात को लेकर लोगों में जो गुस्सा है, वह समझ में आता है और इस पर ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि, आईईजे ने साफ कहा कि वह 'प्रवासियों के खिलाफ नफरत और खुद कानून-व्यवस्था अपने हाथ में लेने वाले समूहों की हिंसा के पूरी तरह खिलाफ है। रॉयटर्स के अनुसार, डरबन के केंद्र में 'अवैध विदेशियों' के खिलाफ नारे लगाते लोगों का आरोप है कि घुसपैठियों के कारण उन्हें उनके देश में ही काम नहीं मिल रहा है, जो सही नहीं है। प्रवासियों ने इस समय-सीमा को एक प्रत्यक्ष धमकी के रूप में देखा है। अप्रैल से अब तक हुई हिंसा में करीब पांच लोगों की हत्या हो चुकी है, जबकि हजारों लोग अपने घरों से विस्थापित हुए हैं या उनकी दुकानें और संपत्तियां तोड़फोड़ का शिकार हुई हैं। 2008 से समय-समय पर दक्षिण अफ्रीका में ऐसे हमले होते रहे हैं। नतीजतन, कानूनी और अवैध प्रवासियों के बीच कोई स्पष्ट अंतर नहीं किया जाता।

अफगानिस्तान के खतरनाक पूर्वी प्रांतों में बारूदी सुरंगें हटाएगी तालिबान सरकार

विश्व केसरी

काबुल। अफगानिस्तान नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने सोमवार देर रात एक बड़े बारूदी सुरंग हटाने वाले संगठन के साथ संयुक्त सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। इसका मकसद लैंडमाइन और बिना फटे ऑर्डनेंस के लगातार खतरे से निपटना है। प्राधिकरण द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सौदे के तहत, खनन संगठन पूर्वी प्रांतों नंगरहार, कुनार और नूरिस्तान के कई जिलों में लगभग 1.88 मिलियन वर्ग मीटर तक की भूमि को साफ करेगा। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, बयान में कहा गया है कि इस पहल में उपर्युक्त प्रांतों में तेजी से आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों की स्थापना और प्रभावित समुदायों में 36,680 निवासियों को खदान जोखिम शिक्षा कार्यक्रमों की डिलीवरी भी शामिल है।

एक बार यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से लागू हो जाने के बाद, लगभग 215,000 लोगों को इसके नतीजों से लाभ मिलेगा।

अफगानिस्तान दुनिया के सबसे ज्यादा लैंडमाइन से प्रभावित देशों में से एक है। यहां पिछले दशकों में युद्धों से बचे हुए एक्सप्लोसिव डिवाइस के धमाकों के कारण हर महीने दर्जनों लोग, ज्यादातर बच्चे, मारे जाते हैं या अपाहिज हो जाते हैं। प्रांतीय सूचना और संस्कृति निदेशक मुल्ला अब्दुल बारी राशिद ने कहा कि दक्षिणी अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में 13 जून को युद्धों से बचे हुए दो बिना फटे डिवाइस के फटने से एक बच्चे की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

अधिकारी ने बताया कि पहली भयानक घटना सांगिन जिले में हुई, जब तीन मासूम बच्चों को एक खिलौने जैसी चीज मिली और वे उससे खेलने लगे, लेकिन वह चीज फट गई, जिससे एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

भारत-अमेरिका संबंधों में साझा मूल्य होने चाहिएः कांग्रेसमैन रो खन्ना

विश्व केसरी

वाशिंगटन। अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी फोरम (यूएसआईएसपीएफ) लीडरशिप समिट में डेमोक्रेटिक कांग्रेसमैन रो खन्ना ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विदेश और इमिग्रेशन नीति की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका साझेदारी आखिर में लेन-देन के फायदे के बजाय साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए।

खन्ना कैलिफोर्निया की सिलिकॉन वैली का प्रतिनिधित्व करते हैं और तकनीक और विदेश नीति पर डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख आवाजों में से एक माने जाते हैं। उन्होंने अपने भाषण का ज्यादातर हिस्सा ग्लोबल अलायंस, टैरिफ और इमिग्रेशन को लेकर ट्रंप के अप्रोच पर हमला करने में लगाया और फिर भारत के साथ अमेरिका के संबंध के लिए अपना विजन बताया।

उन्होंने ट्रंप सरकार को एकतरफा एक्शन और व्यापार नीति के जरिए अमेरिका की वैश्विक पहचान को कमजोर करने का आरोप लगाया। खन्ना ने कहा, 'हमें दुनिया भर में अपने संबंध फिर से बनाने होंगे। अमेरिकी नेताओं की अगली पीढ़ी को विदेश में देश की विश्वसनीयता वापस लानी होगी।

लेकिन राजनीतिक आलोचना के बीच, खन्ना ने अपनी स्पीच का दूसरा हिस्सा भारत-अमेरिका संबंध के गहरे मकसद पर फोकस किया और कहा कि इसे रक्षा, व्यापार और निवेश से आगे बढ़कर दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक आदर्शों को दिखाना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'एक भारतीय अमेरिकी के तौर पर मेरी उम्मीद है कि जब हम अमेरिका-भारत संबंध के बारे में बात करते हैं, तो हम रक्षा, आर्थिक और निवेश संबंधों से आगे बढ़कर बात करें। आइए बात करते हैं कि हमारे सबसे ऊंचे मूल्यों, यहां और दुनिया भर में मानवीय स्वतंत्रता को फलते-फूलते देखने के मूल्यों के हिसाब से संबंध को कैसा होना चाहिए।

अमेरिकी कांग्रेसी ने कहा, 'हम चाहते हैं कि यहां और दुनिया भर में आत्मनिर्णय (सेल्फ-डिटरमिनेशन) की भावना मजबूत हो, शांति स्थापित हो और मानव सभ्यता के सामने मौजूद चुनौतियों के समाधान के लिए मिलकर काम किया जाए। यह किसी अंधे गठबंधन का समर्थन करने की बात नहीं है, बल्कि ऐसे साझेदारों के साथ जुड़ने की बात है जो सभ्यता और मानवता के साझा मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हों।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ट्रंप के शासन में भारत-अमेरिका संबंधों के मुख्य आर्किटेक्ट बनकर उभरे

वाशिंगटन। भारत में अमेरिका के राजदूत के तौर पर अपने कार्यकाल के छह महीने बाद, सर्जियो गोर ट्रंप सरकार के भारत-अमेरिका संबंधों के मुख्य आर्किटेक्ट में से एक बनकर उभरे हैं। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तक करीबी पहुंच के साथ-साथ व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग में ठोस नतीजे देने पर भी जोर दिया है।

सोमवार को अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी फोरम (यूएसआईएसपीएफ) लीडरशिप समिट में राजदू गोर का परिचय यूएसआईएसपीएफ के मानद वरिष्ठ सलाहकार अल मेसन ने बेहद व्यक्तिगत अंदाज में कराया। मेसन ने कहा कि गोर ने एक दशक से अधिक समय तक ऐसे संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है, जो आज वॉशिंगटन की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारियों में से एक की मजबूत नींव बन चुके हैं।

मेसन ने कहा, 'मुझे राजदूत सर्जियो गोर को 10 साल से ज्यादा समय से जानने का मौका मिला है। आप पब्लिक में जो देखते हैं, वह असल में भी वैसे ही हैं, मिलनसार, सच्चे, वफादार, विनम्र, हमेशा मुस्कुराते रहने वाले, हमेशा लोगों में निवेश करने वाले। जब स्टेटक्राफ्ट की बात आती है, तो राजदूत सर्जियो गोर फ्रेंडशिप डिप्लोमेसी के मास्टरक्लास हैं।

द आर्ट ऑफ द डील के लेखक के तौर पर राष्ट्रपति ट्रंप की छवि से अलग, मेसन ने कहा, 'जैसे राष्ट्रपति ट्रंप डील की कला के लिए जाने जाते हैं, वैसे ही सर्जियो गोर दोस्ती की कला के लिए जाने जाते हैं। दोस्ती उनका डीएनए है। संबंध उनका ऑपरेटिंग सिस्टम हैं।

राष्ट्रीय हितों से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं करेगा ईरानः राष्ट्रपति पेजेश्कियन

विश्व केसरी

तेहरान। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बार फिर कहा है कि ईरान अपने लोगों के अधिकारों और राष्ट्रीय हितों से किसी भी परिस्थिति में 'पीछे नहीं हटेगा।' उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका के साथ बातचीत शासन की सामान्य नीतियों के ढांचे में ही सम्पन्न हुई।

समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, उन्होंने कहा कि तेहरान ने अमेरिका के साथ बातचीत के दौरान लगाए गए 'दुश्मनों के थोपे गए' किसी भी मांग को न तो स्वीकार किया है और न ही करेगा।

कॉम स्थित एक मदरसे में विद्वानों के साथ विस्तृत बैठक के दौरान पेजेशकियन ने जोर देकर कहा कि सरकार ने बातचीत के सभी चरणों में सम्मान और मजबूती की स्थिति से ईरानी जनता के अधिकारों को सुरक्षित रखने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का प्रयास किया।

बातचीत की प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा, 'इस्लामी गणराज्य ईरान किसी भी परिस्थिति में लोगों के अधिकारों, मूलभूत सिद्धांतों और राष्ट्रीय हितों से पीछे नहीं हटेगा। देश की मुख्य निर्भरता सर्वशक्तिमान ईश्वर, जनता और शासन के नेतृत्व पर है।

उन्होंने आगे कहा, 'बातचीत के सभी चरण शासन की सामान्य नीतियों के ढांचे के भीतर हुए, सर्वोच्च नेता (क्रांति के नेता, आयतुल्लाह अली खामेनेई) के साथ पूर्ण और निरंतर समन्वय में, और देश की कानूनी व्यवस्थाओं के दायरे में रहे। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि मौजूदा सीमाओं और सुरक्षा संबंधी विचारों के बावजूद, समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अंतिम मसौदे की संबंधित प्राधिकरणों द्वारा विशेषज्ञ और सुरक्षा स्तर पर समीक्षा की गई और उसे सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सदस्यों से मजबूत समर्थन प्राप्त हुआ। उन्होंने कुछ गुटों की आलोचना भी की, जो उनके अनुसार वार्ता दल की बदनामी और राष्ट्रीय निर्णयों पर सवाल उठाकर 'उपलब्धियों' को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। सोमवार को भी पेजेश्कियन कॉम में एक कार्यक्रम के दौरान दावा किया कि कतर में फंसी ईरान की 12 अरब डॉलर की राशि में से 6 अरब डॉलर जल्द जारी कर दिए जाएंगे।

भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी को नई रफ्तार देने पर जोर, हाई कमिश्नर ने सांसद से की मुलाकात

विश्व केसरी

वेलिंगटन। भारत की न्यूजीलैंड में हाई कमिश्नर मुआनपुई सैयावी ने मंगलवार को न्यूजीलैंड की सांसद डॉ. परमजीत परमार से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को मजबूत बनाने, भारतीय समुदाय के कल्याण और न्यूजीलैंड में रहने वाले भारतीयों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

न्यूजीलैंड में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, 'हाई कमिश्नर मुआनपुई सैयावी ने सांसद डॉ. परमजीत परमार से मुलाकात की और भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को मजबूत करने, समुदाय के कल्याण और न्यूजीलैंड में भारतीय प्रवासी समुदाय से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।'

17 जून को मुआनपुई सैयावी ने न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स से भी मुलाकात की और उन्हें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की टीशर्ट भेंट की।

न्यूजीलैंड में भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हाई कमिश्नर मुआनपुई सैयावी ने न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री राइट ऑनरेबल विंस्टन पीटर्स से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने उन्हें उनके कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। हाई कमिश्नर ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की टीशर्ट भी भेंट की।'

संयुक्त राष्ट्र में अफगान मिशन ने पाकिस्तानी हमलों पर जताई चिंता, जवाबदेही तय करने को कहा

विश्व केसरी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र में अफगानिस्तान के स्थायी मिशन ने पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में पाकिस्तानी हवाई हमलों की कड़ी निंदा की है। मिशन ने कहा कि इन हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित कई निर्दोष अफगान नागरिक मारे गए और घायल हुए हैं। साथ ही पाकिस्तान से अफगान क्षेत्र में सभी सैन्य कार्रवाई तुरंत रोकने और अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन के लिए जवाबदेही तय करने की मांग की गई है।

तालिबान के उप-प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने सोमवार को बताया था कि 28 जून की रात पाकिस्तानी सेना की ओर से किए गए हवाई हमलों में 36 नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 163 लोग घायल हुए। उन्होंने यह भी कहा कि हमलों में तीन रिहायशी मकान पूरी तरह तबाह हो गए।

संयुक्त राष्ट्र में अफगान मिशन ने कहा कि ये हमले अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का गंभीर उल्लंघन हैं और संयुक्त राष्ट्र चार्टर सहित अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं। मिशन के अनुसार, कोई भी सुरक्षा संबंधी चिंता ऐसे सैन्य अभियान को उचित नहीं ठहरा सकती, जिसमें निर्दोष नागरिकों की जान जाए या किसी दूसरे देश की सीमाओं का उल्लंघन हो। हर परिस्थिति में नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

मिशन ने कहा कि अफगानिस्तान के लोग दशकों से युद्ध, हिंसा और अस्थिरता झेलते आ रहे हैं और आज भी उसके गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं।

बयान में तालिबान शासन की भी आलोचना की गई। मिशन ने कहा, ' तालिबान की दमनकारी नीतियों, मानवाधिकार उल्लंघनों और अपनी जिम्मेदारियां निभाने में विफलता ने पहले ही अफगान जनता को भारी पीड़ा दी है। ऐसे में पाकिस्तान और तालिबान के बीच आतंकवाद के आरोपों और बढ़ते तनाव का खामियाजा आम अफगान नागरिकों को नहीं भुगतना चाहिए। नागरिकों की लगातार हो रही पीड़ा को सामान्य नहीं माना जा सकता।

अफगान मिशन ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्थिति पर करीबी नजर रखने, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों की पुष्टि करने और अफगानिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही भविष्य में तनाव बढ़ने से रोकने और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। मिशन ने कहा कि अफगानिस्तान के लोग शांति, सुरक्षा, अपनी संप्रभुता के सम्मान और आतंकवाद, हिंसा तथा भय से मुक्त जीवन के हकदार हैं। वहीं, नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) के महासचिव जान एगेलैंड ने भी इन हमलों पर चिंता जताई। उन्होंने पाकिस्तान और तालिबान से अपने मतभेद बातचीत के जरिए सुलझाने की अपील करते हुए कहा कि नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को कभी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। दोनों पक्षों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करना चाहिए। इसी तरह डिस्प्लेस्ड इंटरनेशनल ने भी पाकिस्तान की कार्रवाई की निंदा करते हुए मांग की कि वह

उद्यमिता ही मेघालय के आर्थिक बदलाव की कुंजी: सीएम कॉनराड संगमा

विश्व केसरी■

शिलांग। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने मंगलवार को कहा कि उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) सतत आर्थिक विकास और रोजगार सृजन की बुनियाद है। उन्होंने राज्य सरकार के 'अचीवर्स ऑफ द मंथ' कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लोगों को सम्मानित करना और अधिक से अधिक लोगों को उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है।

शिलांग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी ऐसी नीतियां, बुनियादी ढांचा और संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराना है, जिससे उद्यमियों के लिए अनुकूल माहौल तैयार हो सके। हालांकि, वास्तविक आर्थिक प्रगति उद्यमियों के प्रयासों से ही संभव होती है।

उन्होंने कहा, 'सरकार आधार तैयार करती है, लेकिन अर्थव्यवस्था को गति देने का काम उद्यमिता करती है।' उन्होंने इसे दीर्घकालिक आर्थिक विकास और टिकाऊ आजीविका का सबसे मजबूत आधार बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल के जरिए विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल करने वाले लोग अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा करेंगे और बताएंगे कि किस तरह सरकारी योजनाओं और सहयोग से उन्होंने अपने विचारों को सफल उद्यम में बदला।

उन्होंने कहा कि समाज में सफलता की कहानियों को सामने लाना जरूरी है, ताकि दूसरे लोग भी उनसे प्रेरणा ले सकें। संगमा ने कहा, 'हम आपकी कहानियों को दुनिया तक पहुंचाना चाहते हैं। जो आपको सामान्य लगता है, वही दूसरों के लिए प्रेरणा बन सकता है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जुलाई महीने को राज्य में 'उद्यमी माह' के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान स्टोरीटेलिंग सेशन, जनसंपर्क कार्यक्रम और सोशल मीडिया अभियान चलाकर मेघालय के सफल उद्यमियों की कहानियों को लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि एक सफल व्यवसाय खड़ा करना आसान नहीं होता। इसमें अनिश्चितता, आर्थिक जोखिम और कई बार रातों की नींद भी गंवानी पड़ती है। लेकिन जुनून, दृढ़ता और लगातार प्रयास ही एक सफल उद्यमी की पहचान हैं।

उन्होंने युवाओं और नए उद्यमियों से अपील की कि वे असफलताओं या नकारात्मक टिप्पणियों से निराश न हों और अपने लक्ष्य पर पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ते रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कृषि, खेल, संगीत और अन्य उभरते क्षेत्रों में भी उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि प्राइम और इसके ग्रामीण आउटरीच कार्यक्रमों के तहत कई जमीनी स्तर के उद्यमियों ने छोटे कारोबार से शुरुआत कर आज अपने उत्पाद बड़े शहरों तक पहुंचाने में सफलता हासिल की है।

कार्यक्रम के दौरान मेघालय के विभिन्न हिस्सों से आए 50 उद्यमियों को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ संवाद भी किया और अपने व्यवसाय के विस्तार तथा राज्य में उद्यमिता को और मजबूत बनाने के लिए सुझाव दिए।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 'अचीवर्स ऑफ द मंथ' पहल के तहत भविष्य में खेल, कृषि, शिक्षा और लोक सेवा सहित अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा, ताकि राज्य में नवाचार, उद्यमिता और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा मिल सके।

'सिर्फ गिरफ्तारी काफी नहीं', अंडा फेंकने की घटनाओं पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने पुलिस से मांगी रिपोर्ट

विश्व केसरी■

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने मंगलवार को पुलिस को निर्देश दिया कि वह राज्य में 4 जून को हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों के नतीजे घोषित होने के बाद से राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंके जाने की घटनाओं में की गई कार्रवाई पर रिपोर्ट सौंपे।

हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस तापब्रत चक्रवर्ती और जस्टिस पार्थ सारथी चटर्जी की डिवीजन बेंच ने तृणमूल कांग्रेस की जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद राज्य पुलिस को यह निर्देश दिया।

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पुलिस की मौजूदगी में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं (जिनमें पार्टी के पूर्व और मौजूदा चुने हुए जनप्रतिनिधि भी शामिल थे) पर अंडे फेंके और पुलिस इन हमलों के दौरान मूकदर्शक बनी रही। हालांकि डिवीजन बेंच ने इस मामले में अंतरिम आदेश की याचिकाकर्ता की मांग को खारिज कर दिया।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान डिवीजन बेंच ने कहा कि राज्य सरकार को कोर्ट को यह बताना चाहिए कि पुलिस प्रशासन ने ऐसे अंडा फेंकने वाले हमलों को रोकने के लिए क्या कदम उठाए हैं।

कोर्ट ने यह भी कहा कि मामले में शामिल कुछ लोगों को गिरफ्तार करना ही काफी नहीं होगा, बल्कि व्यापक सामाजिक जागरूकता पैदा की जानी चाहिए।

डिवीजन बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य प्रशासन की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि प्रशासन लोगों से बार-बार कानून हाथ में न लेने की अपील कर रहा है, लेकिन मामले में कोई ठोस शिकायत दर्ज न होने के कारण प्रशासन के पास करने के लिए बहुत कुछ नहीं है। इसके जवाब में याचिकाकर्ता के वकील और तृणमूल कांग्रेस के चार बार के लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी ने पुलिस पर अंडा फेंकने की ऐसी घटनाओं के पीछे मुख्य सूत्रधार होने का आरोप लगाया।

बनर्जी ने तर्क दिया कि ऐसे हमले हवाई अड्डों जैसी सुरक्षित जगहों पर भी हो रहे हैं। एक मंत्री लोगों से अंडे फेंकने के लिए कह रहा है। सरकार ने क्या कदम उठाए हैं और इन्हीं आधारों पर कोर्ट से अंतरिम आदेश की मांग की, जिसे खारिज कर दिया गया।

संक्षिप्त खबर

सोनीपत के हलालपुर में दो कैंटरों की टक्कर में दो की मौत, केबिन काटकर निकाला गया शव

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत में मंगलवार तड़के यूईआर-2 पर हलालपुर के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि पीछे चल रहे कैंटर का अगला केबिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार दोनों व्यक्ति अंदर ही फंस गए। प्रत्यक्षदर्शियों और प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा मंगलवार सुबह चार बजे हुआ। बताया जा रहा है कि दोनों वाहन तेज रफ्तार में थे। अचानक किसी कारण से पीछे चल रहा कैंटर आगे चल रहे वाहन से जा टकराया। टक्कर के बाद जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही खरखौदा पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। क्षतिग्रस्त केबिन में फंसे दोनों व्यक्तियों को बाहर निकालना पुलिस और राहत दल के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। लोहे के मलबे को काटकर और काफी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मौके पर पहुंचे चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। दोनों के पास से मिले दस्तावेजों और कैंटर के नंबर प्लेट के आधार पर वाहन मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि मृतकों की शिनाख्त की जा सके। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल, सोनीपत भेज दिया है। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार, चालक की लापरवाही या वाहन पर नियंत्रण खोने की संभावना जताई जा रही है।

भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इंकार

विश्व केसरी■

दिल्ली। बिहार के भोजपुर में हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में दाखिल जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इंकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर सीबीआई जांच की मांग की थी। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अगुवाई में स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित करने की भी मांग की गई थी। इसके साथ ही एनकाउंटर में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता का आरोप है कि भारत भूषण तिवारी की मौत एक हत्या का मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। वकील विशाल तिवारी की ओर से दायर जनहित याचिका को जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की बेंच ने सुनने से इंकार कर दिया है। इसके साथ ही याचिका दाखिल करने के औचित्य पर सवाल खड़ा किया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा, आपने किस हैसियत से याचिका दाखिल की है? कोर्ट ने याचिकाकर्ता वकील से कहा कि हाईकोर्ट में जाकर अपनी बात रखिए। इससे पहले, जब जस्टिस बी.वी. नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने इस मामले का जिक्र किया गया था, तो सुप्रीम कोर्ट ने इस पर तत्काल सुनवाई करने से इंकार कर दिया था और याचिकाकर्ता को मामले को लिस्ट कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री से संपर्क करने का निर्देश दिया था।

अंबाला में खेलते समय 220 फीट गहरे बोरवेल में गिरा 4 साल का बच्चा, बचाव कार्य जारी

विश्व केसरी■

अंबाला। हरियाणा के अंबाला जिले के धनौरा गांव में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां एक चार वर्षीय मासूम बच्चा निर्भय, खेलते समय खुले बोरवेल में गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन, भारतीय सेना और एनडीआरएफ की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है। पूरा देश और स्थानीय लोग मासूम की सलामती के लिए दुआ कर रहे हैं।

अंबाला के डिप्टी कमिश्नर अजय तोमर ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'सुबह करीब 6:30 बजे घटना की सूचना मिली। निर्भय नाम का एक बच्चा, जिसकी उम्र करीब साढ़े तीन से चार साल है, अपने पिता को खाना देने आया था। जब उसके पिता काम में व्यस्त थे, तो बच्चा खेल रहा था और खेलते-खेलते करीब 9 इंच चौड़े खुले बोरवेल में गिर गया। हमारे अंदाजे के मुताबिक, बच्चा करीब 220 फीट की गहराई में फंसा हुआ है। हमारी इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई और सेना व एनडीआरएफ की टीमें भी आ गई हैं।

डिप्टी एसपी ने कहा, 'एनडीआरएफ बच्चे को बचाने के लिए खास उपकरणों का इस्तेमाल कर रही है, साथ ही सेना से भी भारी उपकरण मंगवाए गए हैं। अगर इससे भी सफलता नहीं मिलती है तो बगल में बोर खुदवाया जाएगा। हमारी पूरी कोशिश है कि बच्चे को सकुशल बाहर निकाला जाए। डॉक्टर की टीम भी मौके पर आ गई है, जो परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य की जांच कर रही है। जिसके बोरवेल में बच्चा गिरा है, उस पर कार्रवाई करने के लिए थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है। इसके पहले 16 मई को पंजाब के होशियारपुर में एक मासूम गुरकरण खेलते समय बोरवेल में गिर गया था। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पंजाब पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें पहुंच गईं थी। बच्चे को करीब नौ घंटे की मशक्कत के बाद रात लगभग 12:40 बजे बोरवेल से सकुशल बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद परिजनों ने राहत की सांस ली थी। बच्चे को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज किया गया थाा।

राजस्थान: सड़क पर गिरे हाईटेंशन वायर की चपेट में आकर बाइक सवार तीन लोगों की मौत, परिजन कर रहे विरोध प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान के करौली जिले में भोपर नदी के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब 11 केवी की हाईटेंशन बिजली लाइन टूटकर सड़क पर गिर गई। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक मोटरसाइकिल करंट की चपेट में आ गई और उसमें अचानक आग लग गई। इस हादसे में चाचा-भतीजे समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है। पीड़ित परिवार और स्थानीय लोग मुआवजे की मांग को लेकर पिछले 18 घंटे से धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस घटना के बाद शोक में डूबे परिवार वालों ने शवों को हटाने से इनकार कर दिया और धरने पर बैठ गए। यह धरना 18 घंटे से ज्यादा समय से जारी है और वे हर पीड़ित के लिए 50 लाख रुपये के मुआवजे और हर प्रभावित परिवार के एक सदस्य के लिए सरकारी नौकरी की मांग कर रहे हैं।

टोडाभीम डीएसपी मुरारी लाल मीणा के मुताबिक, मृतकों की पहचान बालघाट थाना क्षेत्र के अखड़ा गांव निवासी रामबाबू (45), विष्णु (22) और चौबे जाटव (44) के रूप में हुई है। हिंडौन में दिहाड़ी मज़दूर के तौर पर काम करने वाले ये तीनों लोग सोमवार शाम मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे, तभी भोपार नदी के पास एक कच्ची सड़क पर 11केवी की बिजली की लाइन टूटकर गिर गई। उनकी मोटरसाइकिल उस चालू बिजली के तार में फंस गई, जिससे तीनों को बिजली का झटका लगा और उनकी मौत हो गई। मोटरसाइकिल में तुरंत आग लग गई। स्थानीय लोगों ने मिट्टी डालकर आग बुझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन पीड़ितों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि चौबे जाटव, विष्णु के चाचा थे, जबकि रामबाबू उनके पड़ोसी थे। यह हादसा शाम करीब 5 बजे हुआ। घटना के बाद अधिकारियों ने आगे की जांच होने तक संबंधित बिजली विभाग के फीडर इंचार्ज को सस्पेंड कर दिया।

इस दुखद घटना के तुरंत बाद परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने से मना कर दिया और घटनास्थल पर ही धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने हर मृतक के लिए 50 लाख रुपए के मुआवजे और हर परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है।

टोडाभीम विधायक घनश्याम महर और हिंडौन विधायक अनीत जाटव धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलनरत परिवारों को समर्थन दिया। एसडीएम अमन चौधरी की अगुवाई में कई दौर की बातचीत के बावजूद विरोध प्रदर्शन रात भर जारी रहा। हालांकि, बातचीत से कोई नतीजा नहीं निकला, क्योंकि परिवार अपनी मांगों पर अड़े रहे।

23 दलों और एक निर्दलीय उम्मीदवार ने एसआईआर को लेकर सीजेआई को भेजा संयुक्त पत्र : जयराम रमेश

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश और जस्टिस सूर्यकांत को एक संयुक्त पत्र भेजा गया है। इस पत्र पर 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने हस्ताक्षर किए हैं। यह पत्र भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की 'विशेष गहन समीक्षा' (एसआईआर) प्रक्रिया और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों के बारे में है।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, '8 जून, 2026 को इंडिया गठबंधन गठबंधन की बैठक में 21 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय उम्मीदवार ने हिस्सा लिया। इस बैठक में भारत के चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों पर भारत के मुख्य न्यायाधीश को एक संयुक्त पत्र भेजने का फैसला किया गया।

उन्होंने कहा, 'इसी के तहत, आज भारत के मुख्य न्यायाधीश को एक संयुक्त पत्र भेजा गया है, जिस पर 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय उम्मीदवार ने हस्ताक्षर किए हैं। विपक्षी दल एकजुटता, एकता और प्रतिरोध के सिद्धांत पर मजबूती से कायम हैं।

8 जून को इंडिया गठबंधन की बैठक में कई विपक्षी दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में शामिल होने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी, नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता उमर अब्दुल्ला और एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले शामिल थी। हालांकि, आम आदमी पार्टी (आप) और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) समेत कुछ विपक्षी दल इस बैठक से दूर रहे। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कई राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लिया। उन्होंने बताया कि बैठक में कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया और सभी नेताओं ने अपने विचार रखे। खड़गे ने यह भी घोषणा की थी कि इंडिया गठबंधन हर दो महीने में बैठकें करने पर सहमत हुआ है और अगली बैठक अगस्त में तेलंगाना के हैदराबाद में होगी। इस बीच चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट के व्यापक सत्यापन के लिए एसआईआर प्रक्रिया शुरू किए हुए एक साल हो गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, इस कवायद का मकसद वोटर लिस्ट की सटीकता सुनिश्चित करना और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को मजबूत करना है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, 24 जून 2025 को बिहार में इस अभियान का एक पायलट चरण शुरू किया गया था।

कांग्रेस ने इस देश की मिट्टी से कभी प्यार नहीं किया, सिर्फ तुष्टिकरण को दिया महत्व : नितिन नवीन

विश्व केसरी■

हैदराबाद। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को तेलंगाना राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। इसके साथ ही कांग्रेस समेत विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए तुष्टिकरण की राजनीति सबसे अहम रही है, इसलिए कांग्रेस ने इस देश की मिट्टी से कभी प्यार नहीं किया।

नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, 'भाजपा का विशाल वटवृक्ष आप देख रहे हैं, ये हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल है। 1980 में स्थापित भाजपा को 1984 के चुनाव में सिर्फ दो सीटें मिली थीं। आज यह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसका श्रेय भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं को जाता है, जो सबसे निचले स्तर पर काम करते हुए कमल खिलाने का संकल्प पूरा करते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत', पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'अंत्योदय' और अटल बिहारी वाजपेयी के सुशासन के भाव को आत्मसात करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधुनिक भारत के निर्माण में लगे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में विकास की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के संकल्प को पूरा किया गया। कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत का तिरंगा लहराता रहे, इस संकल्प को पूरा किया गया। नितिन नवीन ने कहा, मैं यहां उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं से आने वाले वर्षों में और अधिक संघर्ष करने का आह्वान करने आया हूं। 2047 तक विकसित भारत की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना को साकार करने के लिए हम सभी को अपना पुरुषार्थ करना होगा। समर्पण और संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास के लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता को पिछले 12 वर्षों में पूरा किया गया है। इन 12 वर्षों में हमारी सरकार के किसी भी मंत्री पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लग पाया है। यही एक स्वच्छ और ईमानदार भाजपा सरकार की पहचान है।

उन्होंने कहा, 'जो लोग पूछते हैं कि हमें पश्चिम बंगाल में किस प्रकार जीत मिली, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि इस जीत के पीछे हमारे विचार हैं, हमारा नेतृत्व है और हमारे कार्यकर्ताओं का संघर्ष है। जब हमने सिर्फ दो सीटें जीती थीं, तब भी हमने डटे रहने का रास्ता चुना। हमने संगठन को मज़बूत करना और आगे बढ़ना जारी रखा।

भारत-नेपाल सीमा पर बड़ी कार्रवाई, किशनगंज में 543 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पिता-पुत्र गिरफ्तार

विश्व केसरी■

किशनगंज। बिहार के किशनगंज जिले में भारत-नेपाल सीमा पर नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त छापेमारी में 543 ग्राम ब्राउन शुगर, करीब 1.91 लाख रुपए नकद, नेपाली मुद्रा और अन्य सामान बरामद किया गया है। मामले में पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर एनडीपीएस अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, ठाकुरगंज के नेतृत्व में एसएसबी भटगांव के साथ संयुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान गलगलिया थाना क्षेत्र के लकड़ीडिपु निवासी मोहम्मद फारूक के घर पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने घर से 543 ग्राम ब्राउन शुगर, 1 लाख 90 हजार 930 रुपए भारतीय मुद्रा, 640 रुपए नेपाली मुद्रा तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए। मौके से मो. फारूक और उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया। बरामद सभी सामान को जब्त कर लिया गया है।

पुलिस ने दोनों आरोपितों के विरुद्ध मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित धाराओं के तहत एनडीपीएस अधिनियम में प्राथमिकी दर्ज की है। फिलहाल दोनों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि मादक पदार्थ कहां से लाया गया था और इसकी आपूर्ति किन-किन क्षेत्रों में की जा रही थी। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि यह मामला भारत-नेपाल सीमा पर सक्रिय किसी बड़े नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। पूछताछ के आधार पर सप्लाई चेन और इस गिरोह से जुड़े अन्य संदिग्धों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम सचिवालय में 1 जुलाई से बैठेंगे लेखपाल, अब ग्रामीणों को नहीं लगाने पड़ेंगे तहसील के चक्कर

विश्व केसरी■

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में आम नागरिकों को राजस्व संबंधी सेवाएं अधिक सुगम और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप अब प्रत्येक जनपद में लेखपालों की ग्राम सचिवालयों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इसको लेकर राजस्व परिषद की ओर से सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी किया गया है। पत्र में रोस्टर तैयार कर 1 जुलाई से नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजस्व परिषद की आयुक्त एवं सचिव कंचन वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लगातार प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवाओं को गांव स्तर तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में प्रत्येक जनपद में लेखपालों की ग्राम सचिवालयों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों में पहले से स्थापित ग्राम सचिवालयों का उद्देश्य विभिन्न विभागों की सेवाओं को ग्रामीणों तक एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। पंचायतीराज विभाग के पूर्व आदेशों के अनुरूप ग्राम सचिवालयों में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। अब इसी व्यवस्था को और प्रभावी बनाते हुए लेखपालों की नियमित उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों का त्वरित निस्तारण हो सके। बता दें कि ग्राम सचिवालयों के माध्यम से पंचायत सहायकों द्वारा संचालित ऑनलाइन सेवाओं में राजस्व विभाग की कई महत्वपूर्ण सेवाएं शामिल हैं। इनमें आय प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र, निवास प्रमाणपत्र, हैसियत प्रमाणपत्र, खतौनी की नकल सहित लगभग दस प्रमुख सेवाएं शामिल हैं।

इन सेवाओं के समयबद्ध निस्तारण में लेखपाल की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में ग्राम सचिवालय में उनकी नियमित उपलब्धता से ग्रामीणों को तहसील के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता काफी हद तक कम होगी। राजस्व परिषद ने अपने पत्र में यह भी स्पष्ट किया है कि लेखपाल केवल प्रमाण पत्रों से जुड़े कार्य ही नहीं करते, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की मजबूत कड़ी के रूप में भी कार्य करते हैं।

तहसील दिवस, थाना दिवस, वरासत, स्वामित्व योजना, किसान सम्मान निधि, राहत एवं पुनर्वास, आपदा प्रबंधन, भूमि विवादों का निस्तारण, कृषि गणना, जनगणना, फसल गिरदावरी, प्राकृतिक आपदाओं की रिपोर्ट, अवैध कब्जों की जांच, खनन संबंधी सत्यापन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े सत्यापन तथा धान-गेहूं क्रय केंद्रों के सत्यापन जैसे अनेक महत्वपूर्ण दायित्व भी लेखपाल निभाते हैं। इसके अलावा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन में भी लेखपालों की रिपोर्ट और सत्यापन की आवश्यकता पड़ती है।

वहीं ग्राम पंचायत स्तर पर लेखपालों के बैठने के लिए कोई निश्चित व्यवस्था नहीं होने के कारण आम जनता को असुविधा का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों को कई बार लेखपाल से मिलने के लिए तहसील या अन्य स्थानों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है। इस समस्या को समाप्त करने के उद्देश्य से अब प्रत्येक जनपद में रोस्टर बनाकर लेखपालों की ग्राम सचिवालयों में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया है। राजस्व परिषद ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि वे अपने-अपने जनपदों में लेखपालों के बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें और उनकी उपस्थिति का रोस्टर निर्धारित करें। यह व्यवस्था 1 जुलाई से प्रभावी रूप से लागू की जाएगी। इस नई व्यवस्था से ग्राम सचिवालय ग्रामीणों के लिए 'वन स्टॉप सर्विस सेंटर' के रूप में विकसित होंगे।

85 प्रतिशत भारतीय उपभोक्ताओं को एआई पर भरोसा, भविष्य को लेकर भी हैं बेहद आशावादी: रिपोर्ट

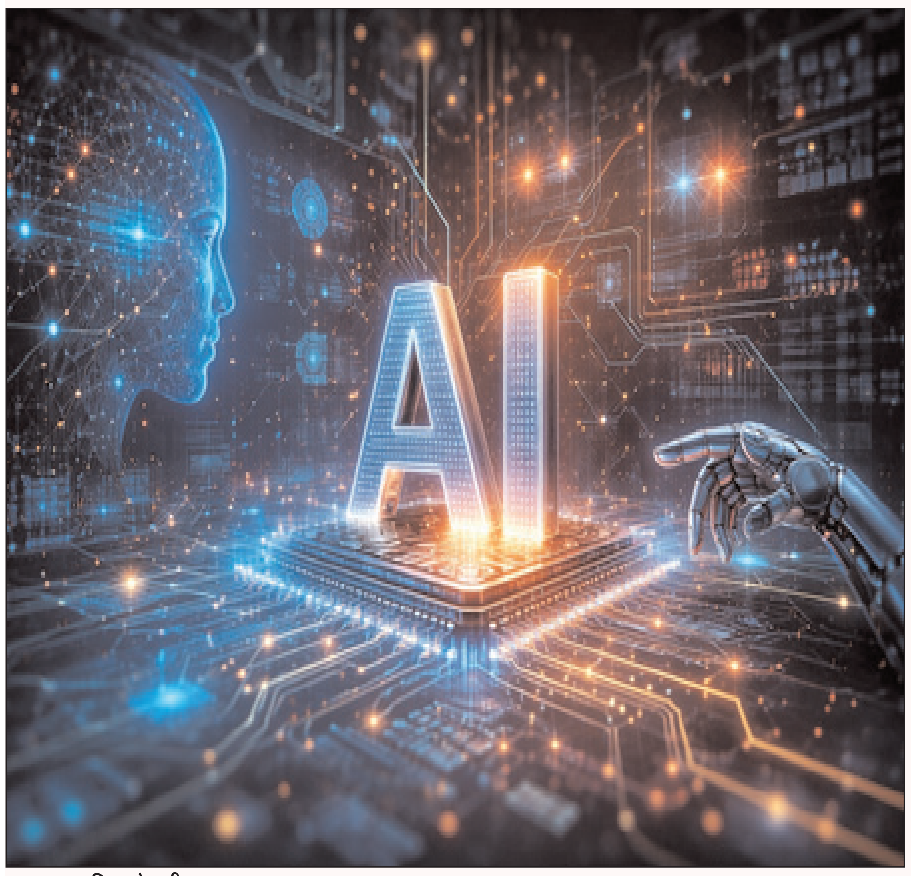

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में 85 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर मजबूत भरोसा जताया है और भविष्य को आकार देने में इसकी भूमिका को लेकर उत्साह दिखाया है। वहीं, 94 प्रतिशत लोगों का मानना है कि तकनीक ने उनके जीवन को पहले से बेहतर बनाया है। यह जानकारी मंगलवार को जारी अश्योरेंट इंक. की एक रिपोर्ट में सामने आई।

इस रिपोर्ट के अनुसार, टेक्नोलॉजी सेंटिमेंट इंडेक्स में भारत को 74 अंक मिले हैं, जो वैश्विक औसत से काफी अधिक है। यह दर्शाता है कि भारतीय उपभोक्ताओं में नई तकनीकों के प्रति विश्वास मजबूत है और वे अगली पीढ़ी के डिजिटल अनुभवों को अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय उपभोक्ता अब ऐसे एआई-सक्षम उपकरणों को तेजी से अपनाने के लिए तैयार हैं, जो उनकी उत्पादकता बढ़ाने, बेहतर संचार और रोजमर्रा के कामों को अधिक सुविधाजनक बनाने में मदद करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य कनेक्टेड डिवाइस अब काम, मनोरंजन, संचार और वित्तीय लेनदेन जैसी दैनिक जरूरतों का अहम हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं की अपेक्षा है कि उन्हें हर समय बिना किसी रुकावट के सहज और भरोसेमंद डिजिटल अनुभव मिलें।

अश्योरेंट इंटरनेशनल के अध्यक्ष फेडेरिको बुंगे ने कहा कि दुनिया भर में कनेक्टेड तकनीक लोगों के दैनिक जीवन का अहम हिस्सा बनती जा रही है। अब सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तकनीकी अनुभव लोगों की व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार खुद को ढालें, ताकि नवाचार के साथ सरलता, भरोसा और विश्वसनीयता भी बनी रहे।

उन्होंने कहा कि भारत में यह बदलाव बेहद तेजी से हो रहा है, जहां के डिजिटल रूप से जागरूक उपभोक्ता एआई-आधारित नवाचारों को तेजी से अपना रहे हैं और ऐसे निर्बाध अनुभव चाहते हैं जो उनके दैनिक जीवन में बिना किसी परेशानी के शामिल हो जाएं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जब कनेक्टिविटी या स्टोरेज जैसी तकनीकी समस्याएं सामने आती हैं, तो वे लोगों की दिनचर्या को प्रभावित करती हैं। ऐसे में डिवाइस का भरोसेमंद प्रदर्शन और समय पर तकनीकी सहायता उपभोक्ताओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है।

रिपोर्ट के अनुसार, डिवाइस प्रोटेक्शन प्लान अब उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाने और कंपनियों के ब्रांड मूल्य को मजबूत करने का अहम माध्यम बन रहे हैं। भारत में 97 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने कहा कि यदि उन्हें अपनी जरूरत के अनुसार अनुकूलित (कस्टमाइजेबल) प्रोटेक्शन प्लान मिलें, तो वे नया डिवाइस खरीदने और उसके साथ सुरक्षा योजना लेने के लिए अधिक इच्छुक होंगे।

अश्योरेंट इंडिया की कंट्री डायरेक्टर हरिनी कन्नन ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे गतिशील और भविष्य की ओर तेजी से बढ़ने वाले कनेक्टेड उपभोक्ता बाजारों में से एक है। उन्होंने कहा कि भारतीय उपभोक्ता बड़े पैमाने पर नई तकनीकों को अपना रहे हैं और चाहते हैं कि तकनीक बिना किसी परेशानी के उनके जीवन का हिस्सा बने।

ऐसे में कंपनियों के लिए बेहतर प्रोटेक्शन और सर्विस अनुभव प्रदान कर खुद को प्रतिस्पर्धियों से अलग साबित करने का बड़ा अवसर मौजूद है।

दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी से निवेश बढ़ेगा, मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगी रफ्तार और ग्रीन जॉब्स का होगा सृजन: पीएचडीसीसीआई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। उद्योग जगत के नेताओं ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी 2026 को मंजूरी मिलना एक दूरदर्शी कदम है, जो राजधानी में टिकाऊ शहरी परिवहन को बढ़ावा देने के साथ-साथ निवेश, विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और नवाचार को नई गति देगा। उनका मानना है कि यह नीति भारत के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकोसिस्टम को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी।

प्रमुख उद्योग संगठन पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) ने कहा कि वह नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सरकार और उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करेगा। संगठन का उद्देश्य एक मजबूत, प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी इकोसिस्टम विकसित करना है, जो आर्थिक विकास, औद्योगिक बदलाव और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सके।

पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने कहा कि यह नीति स्वच्छ परिवहन को दिल्ली के भविष्य के आर्थिक विकास और टिकाऊ शहरी विकास का महत्वपूर्ण आधार बनाती है। उन्होंने कहा कि नीति से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी तकनीकों में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा, घरेलू मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार होगा और ईवी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर यह नीति 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी विनिर्माण को मजबूत करने के भारत के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है।

नई नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर वित्तीय प्रोत्साहन, पात्र वाहनों के लिए रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में पूरी छूट, पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर प्रोत्साहन, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का बड़े पैमाने पर विस्तार और विभिन्न श्रेणी के वाहनों को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बनाने की योजना शामिल है। सरकार ने पॉलिसी की अवधि के दौरान ईवी इकोसिस्टम के विकास के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपए के निवेश का भी प्रस्ताव रखा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह नीति केवल इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे बैटरी निर्माण, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली वितरण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स, सॉफ्टवेयर समाधान, फ्लीट मैनेजमेंट, फाइनेंसिंग, रीसाइक्लिंग और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे कई क्षेत्रों में निवेश बढ़ने की संभावना है। दिल्ली ईवी पॉलिसी 2.0, जो वर्ष 2030 तक लागू रहेगी, में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए कई बड़े प्रोत्साहन और सख्त प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसके तहत 30 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) तक की कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी।

गुजरात: मिलावटी प्लाज?मा जब्त, 'इंसानों के इस्तेमाल के लायक नहीं' घोषित; महाराष्ट्र के ब्लड बैंकों तक बढ़ी जांच

विश्व केसरी ■

अहमदाबाद । अहमदाबाद जिले में सामने आए ब्लड प्लाज?मा में मिलावट के रैकेट की जांच कर रहे अधिकारियों को पता चला कि मुख्य आरोपी के घर से जब्त किए गए सभी 1,140 प्लाज्मा यूनिट मिलावटी, घटिया क्वालिटी के और इंसानों के इस्तेमाल के लायक नहीं थे। इसके बाद अधिकारियों ने जब्त किए गए स्टॉक को नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और जांच का दायरा महाराष्ट्र के कई ब्लड बैंकों तक बढ़ा दिया है।

अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस ने सोमवार को बताया कि बीजे मेडिकल कॉलेज के पैथोलॉजी विभाग की फोरेंसिक रिपोर्ट से पता चला है कि मुख्य आरोपी दिनेश चौधरी के घर से बरामद प्लाज्मा यूनिट्स, फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन के तय मानकों पर खरे नहीं उतरे।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'प्लाज्मा बहुत खराब क्वालिटी का था, इससे इंसानी जान को खतरा हो

सकता था और यह ट्रांसफ्यूजन के लिए सही नहीं था।'

इन नतीजों के आधार पर जांचकर्ताओं का मानना है कि आरोपी ने जिसे असली प्लाज्मा बताकर बेचा था, उसमें भी चोरी के बाद मिलावट की गई थी।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने असली प्लाज्मा यूनिट्स से अच्छी क्वालिटी का कुछ प्लाज्मा निकाल लिया और उसकी मात्रा को बनाए रखने के लिए बाकी बचे हिस्से में सलाइन वॉटर (नमक वाला पानी) मिला दिया, जिससे प्लाज्मा की क्वालिटी कम हो गई।

जब भी असली प्लाज्मा की नई खेप आती थी तो आरोपी उन्हें पहले से मिलावट किए गए प्लाज्मा यूनिट से बदल देते थे, ताकि सप्लाई की गई यूनिट्स की संख्या फार्मास्युटिकल कंपनी के ऑर्डर के बराबर रहे।

जांचकर्ताओं का यह भी आरोप है कि खेप से निकाले गए असली प्लाज?मा में भी महाराष्ट्र के दो ब्लड बैंकों को बेचने से पहले मिलावट की जाती थी, जिससे आरोपी मात्रा बढ़ा सकते थे और ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमा सकते थे।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) ओम प्रकाश जाट ने बताया कि इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और आगे की पूछताछ से पता चला है कि आरोपियों ने न केवल बदले गए प्लाज्मा में, बल्कि चुराए गए असली प्लाज्मा में भी मिलावट की थी। जाट ने कहा, 'असली प्लाज्मा को नकली प्लाज्मा से बदलने और असली चुराने के बाद उन्होंने असली प्लाज्मा में भी मिलावट की। मिलावट के बाद, प्लाज्मा को महाराष्ट्र के दो ब्लड बैंकों में भेजा गया। ये वाशिम ब्लड बैंक और जालना ब्लड बैंक हैं। हमने इन दोनों ब्लड बैंकों के मालिकों को पकड़ लिया है। उन्होंने कहा, 'अगर आगे की पूछताछ में पता चलता है कि यह प्लाज्मा सीधे किसी मरीज को चढ़ाया गया था या किसी दूसरे ब्लड बैंक को सप्लाई किया गया था ।

इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स की गलत बिक्री रोकने के लिए आईआरडीएआई बैंकों के लिए जारी करेगा नए दिशा-निर्देश: चेयरपर्सन

विश्व केसरी ■

मुंबई । बीमा नियामक भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जल्द ही बैंकों द्वारा बीमा उत्पादों की गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) पर रोक लगाने के लिए नए दिशानिर्देश जारी करेगा। यह जानकारी आईआरडीएआई के चेयरपर्सन अजय सेठ ने मंगलवार को एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में दी।

उन्होंने कहा कि नियामक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्राहकों को उनकी जरूरत और पात्रता के अनुसार ही बीमा उत्पाद उपलब्ध कराए जाएं।

अजय सेठ ने बताया कि 'बीमा सुगम' डिजिटल प्लेटफॉर्म के सितंबर 2026 तक लॉन्च होने की संभावना है। इस पर शुरुआत में मोटर इंश्योरेंस उपलब्ध कराया जाएगा। इसके बाद हेल्थ इंश्योरेंस और फिर टर्म लाइफ इंश्योरेंस को भी इसमें जोड़ा जाएगा।

बीमा सुगम का उद्देश्य बीमा खरीदने की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाना है।

आईआरडीएआई प्रमुख ने बताया कि सरकार द्वारा बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दिए जाने के बाद एक विदेशी बीमा कंपनी को भारतीय जीवन बीमा कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की मंजूरी दी जा चुकी है, जबकि एक अन्य प्रस्ताव अभी समीक्षा के चरण में है।

हाल ही में केंद्र सरकार ने बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई को ऑटोमैटिक रूट के तहत मंजूरी देने की अधिसूचना जारी की थी। हालांकि, इसके लिए बीमा अधिनियम, 1938 के प्रावधानों का पालन और आईआरडीएआई की मंजूरी आवश्यक होगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के लिए अलग व्यवस्था जारी रहेगी। एलआईसी में विदेशी निवेश की अधिकतम सीमा 20 प्रतिशत ही रहेगी और यह भी ऑटोमैटिक रूट के तहत होगी।

नई व्यवस्था के तहत बीमा ब्रोकर, री-इंश्योरेंस ब्रोकर, बीमा सलाहकार, कॉरपोरेट एजेंट, थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर (टीपीए), सर्वेयर, लॉस असेसर, मैनेजिंग जनरल एजेंट और इंश्योरेंस रिपॉजिटरी जैसे बीमा मध्यस्थों में भी 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई है।

अजय सेठ ने कहा कि आईआरडीएआई जल्द ही इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स की बिक्री के लिए प्रोडक्ट सूटेबिलिटी फ्रेमवर्क भी लाएगा।

उन्होंने बताया कि नियामक इस मामले में सख्त प्रतिबंध लगाने के बजाय मार्गदर्शक सिद्धांत जारी करेगा, ताकि ग्राहकों को उनकी जरूरत के अनुसार उपयुक्त बीमा उत्पाद बेचे जा सकें।

आईआरडीएआई ने हाल ही में बीमा कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों (मुख्य प्रबंधन कर्मी-केएमपी) के वेतन और बोनस से जुड़े नियम भी सख्त किए हैं।

अब उनके प्रोत्साहन और बोनस को क्लेम निपटान की गति, शिकायतों के समाधान, उत्पादों के प्रदर्शन और ग्राहक सेवा की गुणवत्ता जैसे मापदंडों से जोड़ा जाएगा।

एआरएफआईडी से जूझ रहे बच्चों का इलाज संभव, स्टैनफोर्ड की नई रिसर्च में मिले सकारात्मक नतीजे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल बच्चों में केवल 'पिकी ईटिंग' यानी चुन-चुनकर खाने की आदत ही नहीं, बल्कि एक गंभीर स्थिति भी देखने को मिल रही है, जिसे एआरएफआईडी (अवायडेंट रेस्ट्रिक्टिव फ़ूड इनटेक डिसऑर्डर) कहा जाता है। स्टैनफोर्ड मेडिसिन के वैज्ञानिकों की एक नई स्टडी में इस बीमारी के इलाज को लेकर बड़ी सफलता मिली है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, यह पहली बार है कि एआरएफआईडी जैसे खान-पान संबंधी विकार के उपचार का मूल्यांकन रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल के जरिए किया गया है। यह अध्ययन 6 से 12 वर्ष की आयु के 98 बच्चों पर किया गया। इसके निष्कर्ष 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन एकेडमी ऑफ चाइल्ड एंड एडोलसेंट साइकियाट्री' में प्रकाशित हुए हैं।

एआरएफआईडी से पीड़ित बच्चे भोजन में बहुत कम रुचि दिखाते हैं या फिर उन्हें खाने से डर लगता है। कई मामलों में यह समस्या बचपन

से ही शुरू हो जाती है और समय पर इलाज न मिलने पर बच्चों के शारीरिक विकास पर असर पड़ सकता है।

अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता जेम्स लॉक ने कहा कि पहली बार इस बीमारी के उपचार का वैज्ञानिक तरीके से परीक्षण किया गया है। उनके अनुसार, अब ऐसा वैज्ञानिक डेटा उपलब्ध है जिसकी मदद से खासकर उस आयु वर्ग के बच्चों का बेहतर इलाज किया जा सकता है, जिसमें यह समस्या सबसे अधिक देखी जाती है।

इस रिसर्च में दो तरह की थेरेपी को टेस्ट किया गया। पहली थी फैमिली-बेस्ड थेरेपी और दूसरी थी इंडिविजुअल मोटिवेशनल थेरेपी। दोनों ही ट्रीटमेंट ऑनलाइन दिए गए और हर बच्चे को चार महीने तक 14-14 सेशन मिले।

फैमिली-बेस्ड थेरेपी में माता-पिता को मुख्य भूमिका दी गई। उन्हें सिखाया गया कि बच्चे की खाने की आदतों को कैसे धीरे-धीरे बदलें। पूरा परिवार (माता-पिता, भाई-बहन और थेरेपिस्ट) एक साथ सेशन में शामिल होते थे। इसमें यह भी समझाया जाता था। कि बच्चा जानबूझकर ऐसा नहीं कर रहा, बल्कि यह एक मेडिकल कंडीशन है। दूसरी तरफ, इंडिविजुअल थेरेपी में बच्चे को खुद मोटिवेट किया जाता था। इसमें बच्चों के साथ गेम्स, एक्टिविटी और कल्पना आधारित अभ्यास कराए जाते थे।

मुंबई: ब्लड बैंक में चोरी पर सख्ती, आरोपियों पर दर्ज होंगे आपराधिक केस

विश्व केसरी ■

मुंबई । भाजपा एमएलसी चित्रा वाघ ने सोमवार को विधान परिषद में 'ध्यान आकर्षण प्रस्ताव' के जरिए मुंबई के सर जेजे मेट्रोपॉलिटन सरकारी ब्लड बैंक में खून की चोरी, वित्तीय गड़बड़ी और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही का मुद्दा उठाया।

प्रस्ताव पर जवाब देते हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य राज्य मंत्री मेघना बोर्डिकर ने सदन में घोषणा की कि ब्लड बैंक प्रमुख डॉ हितेश पगारे और मेडिकल सोशल ऑफिसर भिसे को जांच में दोषी पाया गया है। इसके फलस्वरूप उनकी सेवाएं तत्काल समाप्त कर दी जाएगी तथा उनके विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज कराया जाएगा।

विधान परिषद में इस मुद्दे को उठाते हुए भाजपा एमएलसी चित्रा वाघ ने कहा कि चिंचपोकली में एक रक्तदान शिविर के दौरान एकत्र किए गए 128 रक्त बैग में से 55 बैग बिना किसी पूर्व अनुमति या आधिकारिक रिकॉर्ड के बदलापुर के माया ब्लड बैंक में भेज दिए गए थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह कृत्य सीधे तौर पर सरकारी खून की चोरी और आधिकारिक मशीनरी का घोर दुरुपयोग है।

इसके अलावा, उन्होंने आरोप लगाया कि एक निजी भंडारण केंद्र को 665 रुपए प्रति बैग की दर से रक्त की आपूर्ति करते हुए अनधिकृत रियायत दी गई, जिससे निजी संस्थाओं को प्रति बैग 760 रुपए से 800 रुपए तक का मुनाफा कमाने की अनुमति मिली।

उन्होंने इसे सरकारी खजाने की लूट बताते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। वाघ ने यह भी दावा किया कि उनके पास इस बात के सबूत हैं कि डॉ हितेश पगारे बदलापुर में निजी माया ब्लड बैंक के मालिक हैं, जहां जेजे के कर्मचारी, सामग्री और वाहन हैं। ब्लड बैंक का उपयोग किया जा रहा था।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जबरन छुट्टी पर होने के बावजूद डॉ पगारे ने अनाधिकृत रूप से एक निजी कंपनी से फ्रीजर खरीदने की मांग की।

भारत का जीसीसी इकोसिस्टम नवाचार-आधारित विकास की अगली लहर को गति दे सकता है: नीति आयोग

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) के निदेशक दीपक बागला ने मंगलवार को कहा कि भारत का ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) इकोसिस्टम स्टार्टअप्स, इनक्यूबेटर्स और युवा इनोवेटर्स के साथ साझेदारी कर देश में नवाचार-आधारित विकास की अगली लहर को आगे बढ़ाने की मजबूत क्षमता रखता है।

बेंगलुरु में अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम), नीति आयोग और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) की साझेदारी में इनोवेशन 2026 पर आयोजित जीसीसी कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए बागला ने भारत के नवाचार के सफर में जीसीसी की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला और उद्योग जगत से देश के इनोवेशन इकोसिस्टम के साथ अधिक गहरा जुड़ाव बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर इस बात पर जोर देते रहे हैं कि 'जय अनुसंधान' विकसित भारत की एक प्रेरक शक्ति बननी चाहिए। पिछले एक दशक में अटल इनोवेशन मिशन ने इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए देश भर में 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स के माध्यम से युवा इनोवेटर्स को तैयार किया है। इसके साथ ही 100 से अधिक इनक्यूबेटर्स के जरिए स्टार्टअप्स और जमीनी स्तर के इनोवेटर्स को भी सहयोग दिया गया है।

बागला ने आगे कहा कि आज जीसीसी ने भारत को प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और प्रोडक्ट इनोवेशन का वैश्विक केंद्र बना दिया है। यदि इन क्षमताओं को स्टार्टअप्स और नवाचार इकोसिस्टम के साथ जोड़ा जाए तो प्रतिभाओं को बेहतर अवसर मिलेंगे, उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा, उद्योगों में नई तकनीकों को तेजी से अपनाया जा सकेगा और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी कंपनियां तैयार होंगी, जो 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

फीफा वर्ल्ड कप : जर्मनी बाहर, पैराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज कर अंतिम-16 में जगह बनाई

विश्व केसरी

फॉक्सबोरो। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में पराग्वे ने चार बार की चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। मंगलवार को बोस्टन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले का निर्धारित समय 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। इसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

फीफा विश्व कप के इतिहास में जर्मनी इससे पहले कभी भी पेनल्टी शूटआउट में नहीं हारा था। इस बार भी टीम ने आखिरी तक संघर्ष किया। अनुभवी गोलकीपर मैनुअल नोयर ने शानदार बचाव कर जर्मनी की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन आखिरकार पराग्वे ने अपने तीसरे निर्णायक मौके का फायदा उठाकर अंतिम-16 में जगह बना ली।

मैच के 42वें मिनट में जूलियो एन्सिसो ने गोल कर पराग्वे को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में फ्लोरियन विर्ट्ज़ के क्रॉस पर काई हैवर्ट्ज़ ने हेडर से गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद जोनाथन टाह ने भी हेडर से गोल किया, लेकिन उसे अमान्य करार दे दिया गया। तय समय तक कोई और गोल नहीं हुआ, इसलिए मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा।

शूटआउट की शुरुआत जर्मनी ने की, लेकिन काई हैवर्ट्ज़ की पहली पेनल्टी पर पराग्वे के गोलकीपर के हाथों बचाव किया। इसके बाद मॉरिसियो ने गोल कर पराग्वे को बढ़त दिला दी। हालांकि, जोशुआ किमिख ने अगली पेनल्टी पर गोल करके जर्मनी की वापसी कराई।

इसके बाद गुस्तावो गोमेज़ ने गोल कर पराग्वे को 2-1 से आगे किया, लेकिन जमाल मुसियाला ने शानदार शॉट लगाकर स्कोर 2-2 कर दिया। रोमांच तब और बढ़ गया जब मटियास गैलार्ज़ा ने गोल करके पैराग्वे को जीत के करीब पहुंचा दिया, जबकि जर्मनी के लिए निक वोल्टेमेड का अगला प्रयास रोक दिया गया।

हालांकि, चार बार की चैंपियन टीम मुकाबले में बनी रही क्योंकि एंटोनियो सनाब्रिया का संभावित मैच-विनिंग शॉट रोक दिया गया, जिससे नादिम अमीरी को मौका मिला और उन्होंने स्कोर 3-3 कर दिया।

इसके बाद पराग्वे के फेबियन बालबुएना की पेनल्टी को भी मैनुअल नोयर ने रोककर जर्मनी की उम्मीदें कायम रखीं।

विंबलडन के पहले दौर में वू की कड़ी चुनौती, जोकोविच ने जीता मुकाबला

विश्व केसरी

लंदन । सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने अपने 21वें विंबलडन अभियान की रोमांचक शुरुआत करते हुए मंगलवार को यहां चीन के यिबिंग वू को 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 से हराकर जीत दर्ज की।

सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने अच्छी सर्विस की और खराब प्रदर्शन भी नहीं किया, लेकिन वह वू को सेंटर कोर्ट के माहौल का आनंद लेने से रोक नहीं सके। पहले सेट में दुनिया के 102वें रैंक वाले चीनी खिलाड़ी ने 15 विनर्स लगाए, हालांकि उतनी ही संख्या में अनफोर्स्ड गलतियां भी कीं।

दूसरे सेट की शुरुआत में ही निर्णायक मोड़ आ गया। अगर जोकोविच अपने शुरुआती ब्रेक अवसरों में से एक को भुना लेते, तो वह आसानी से नियंत्रित और अपेक्षाकृत सरल जीत की ओर बढ़ सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, और वू का आत्मविश्वास लगातार बढ़ता गया, जबकि दर्शक जोर-शोर से उनका नाम पुकारते रहे।

तीसरे सेट की शुरुआत में छत बंद होने के बाद सर्बियाई खिलाड़ी को लगातार चुनौती का सामना करना पड़ा। कंधे की चोट के कारण इस साल केवल पांच टूर्नामेंट खेलने वाले जोकोविच ने तीसरे सेट के अंत में पूरी ताकत झोंककर वू की सर्विस ब्रेक की।

जोकोविच ने संघर्ष करते हुए तीसरा सेट अपने नाम किया और फिर चौथे सेट में अहम मौकों पर पूरी तरह नियंत्रण बनाकर विंबलडन के पहले दौर में अपना रिकॉर्ड 21-0 कर लिया। उन्होंने चौथे सेट में छह ब्रेक प्वाइंट बचाए, जिनमें 2-3 के स्कोर पर 0/40 से जुड़े तीन मौके भी शामिल थे। आखिरकार उन्होंने तीन घंटे और 11 मिनट में जीत हासिल की।

जोकोविच इस साल पहली बार घास के कोर्ट पर खेल रहे हैं और पूरे सीजन में यह उनका सिर्फ पांचवां टूर-लेवल इवेंट है। 101 टूर-लेवल खिताब जीत चुके इस खिलाड़ी का 2026 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ऑस्ट्रेलियन ओपन में रहा, जहां वह फाइनल तक पहुंचे।

जोकोविच ने कहा, 'वू को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बहुत बड़ी सराहना मिलनी चाहिए। उन्होंने मुझ पर काफी दबाव बनाया। शायद मुझे चौथा सेट हार जाना चाहिए था।

'फुटबॉल में शायद ऐसा दोबारा कभी न हो': ओलिवर कान ने मेसी-रोनाल्डो की प्रतिद्वंद्विता की तारीफ की

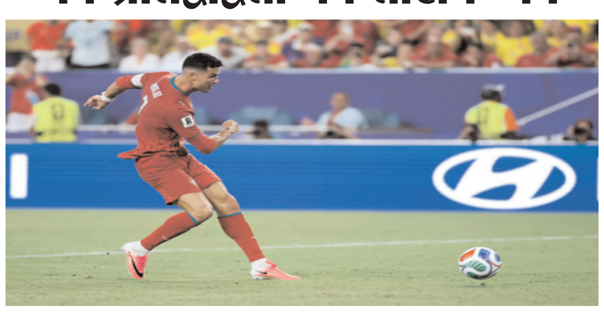

विश्व केसरी

नई दिल्ली। जर्मनी फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान ओलिवर कान का मानना ??है कि लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक ऐसी फुटबॉल प्रतिद्वंद्विता बनाई, जो किसी और से अलग थी। दोनों ने लगभग दो दशकों तक एक-दूसरे को बेहतरीन बनने के लिए लगातार कोशिश करते हुए वो ऊंचाई देखी, जो अब तक कोई नहीं देख पाया।

जी5 पर फीफा विश्व कप 2026 पर बतौर विशेषज्ञ काम कर रहे ओलिवर कान ने कहा, 'क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी ने लगभग दो दशकों तक एक-दूसरे को आगे बढ़ाया है। यह देखना वाकई कमाल का है कि वे किस स्तर का फुटबॉल खेलते रहते हैं। उनकी प्रतिद्वंद्विता प्रदर्शन के आधार पर आयी। हर सीजन में, उन्होंने एक-दूसरे को और भी बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया। फुटबॉल में शायद उस स्तर की निरंतरता और प्रतिद्वंदिता फिर कभी न दिखे। कान ने कहा, 'वर्ल्ड कप 2002 मेरे करियर के सबसे बड़े अनुभवों में से एक है। फाइनल हारना अभी भी दुख देता है क्योंकि, एक एथलीट के तौर पर, आप हमेशा जीतना चाहते हैं, खासकर वर्ल्ड कप। लेकिन समय के साथ, आप उस सफर, टीम भावना और टीम के साथ साझा किए गए अनुभवों की तारीफ करने लगते हैं। एक गोलकीपर के तौर पर गोल्डन बॉल जीतना बहुत बड़ा सम्मान था, जो खास था।

श्रेयस अय्यर की बतौर बल्लेबाज इंग्लैंड टी20 सीरीज में कड़ी परीक्षा होगी: पुजारा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि श्रेयस अय्यर में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का नेतृत्व करने की क्षमता है, लेकिन सीरीज में उनकी बल्लेबाजी की कड़ी परीक्षा होगी।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टी20 सीरीज से पहले पुजारा ने कहा, 'भारतीय टीम में जमे-जमाए टॉप ऑर्डर की मजबूती के कारण वैभव सूर्यवंशी के तुरंत डेब्यू करने की संभावना नहीं है।'

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने जियोस्टार पर कहा, 'विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बनना श्रेयस अय्यर के लिए मुश्किल होने वाला है। इसमें कोई शक नहीं है। बेहतर व्हाइट-बॉल पिचों के साथ भी, इंग्लिश कंडीशन में खेलना एक अलग तरह की चुनौती है। श्रेयस पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं। वह दो साल के अंतराल के बाद भारतीय टीम के लिए टी20 खेल रहे हैं। उनके सामने कड़ी चुनौती है।'

पुजारा ने चुनौतियों के बावजूद अय्यर के नेतृत्व पर भरोसा जताया और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनकी हालिया सफलता की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा, 'एक कप्तान के तौर पर, मुझे उन पर कोई शक नहीं है।

उन्होंने आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ बहुत अच्छा काम किया है, इसीलिए उन्हें यह भूमिका दी गई है। वह टीम का आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं और अपने खिलाड़ियों को आजादी देते हैं। अय्यर की बल्लेबाजी तय करेगी कि टी20 की राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी कितनी सफल रहती है। बल्लेबाजी में ही उनकी असली परीक्षा होगी। उन्हें मिडिल ऑर्डर में खुद को साबित करना होगा।

भारतीय टी20 कप्तान के रूप में अय्यर की पारी की शुरुआत निराशाजनक रही है। भारतीय टीम को अय्यर की कप्तानी में आयरलैंड के खिलाफ 2 मैचों की टी20 सीरीज गंवानी पड़ी है। टीम इंडिया को दोनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा था।

आयरलैंड के बाद भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। पहला मुकाबला बुधवार को रात 10 बजे (भारतीय समयानुसार) से डरहम में खेला जाएगा।

विश्व कप से बाहर होने के बाद जर्मनी में गहरी निराशा, कोच नागेल्समैन बोले- 'बिल्ड-अप प्ले बहुत धीमा था'

विश्व केसरी

फॉक्सबोरो । जर्मनी के मुख्य कोच जूलियन नागेल्समैन ने फीफा विश्व कप 2026 से टीम के बाहर होने के बाद कहा कि 'धीमी बिल्ड-अप प्ले' ने चार बार की विश्व चैंपियन टीम से राउंड ऑफ 16 में पहुंचने का मौका छीन लिया है। बोस्टन स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए राउंड ऑफ 32 मुकाबले में जर्मनी का अभियान नाटकीय अंदाज में समाप्त हो गया। नियमित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट में पराग्वे ने जर्मनी को 4-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

फीफा विश्व कप के इतिहास में जर्मनी इससे पहले कभी भी पेनल्टी शूटआउट में नहीं हारा था। लगभग मुकाबले से बाहर हो चुकी जर्मन टीम को मैनुअल नोयर ने बराबरी दिलाकर वापस मुकाबले में ला दिया, लेकिन आखिरकार पराग्वे ने अपनी तीसरी सफल स्पॉट-किक के दम पर अंतिम 16 में जगह पक्की कर ली।

नागेल्समैन ने कहा, 'ड्रेसिंग रूम में गहरी निराशा का माहौल है। दुर्भाग्य से फुटबॉल कभी-कभी ऐसा ही होता है। कुछ टीमें बेहद साधारण तरीकों से भी जीत हासिल कर लेती हैं और आपको उन तरीकों का लगातार बचाव करना पड़ता है। हमने अपने प्रतिद्वंद्वी को दौड़ाने और उस पर दबाव बनाने में बहुत ज्यादा समय लगा दिया। हम गेंद को बॉक्स में कहीं अधिक बार डाल सकते थे। हमें मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट तक जाने से पहले ही कर देना चाहिए था।'

उन्होंने आगे कहा, 'हमारा बिल्ड-अप प्ले बहुत धीमा था और फिर एक समय ऐसा आया जब हमने अधिक सीधा और ताकत के दम पर खेलने का तरीका अपना लिया। हमें कई सेट पीस मिले और हमें मैच को अलग तरीके से खेलना चाहिए था, लेकिन हम ऐसा करने में सफल नहीं हो सके।'

पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी की ओर से पहला पेनल्टी शॉट चूकने वाले काई हावर्ट्ज़ ने स्वीकार किया कि पूरे टूर्नामेंट में अच्छा फुटबॉल खेलने के बावजूद टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी।

फीफा विश्व कप 2026: मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई

विश्व केसरी

मॉन्टेरी । मोरक्को ने मंगलवार को यहां मॉन्टेरी स्टेडियम में नीदरलैंड पर पेनल्टी शूटआउट में जबरदस्त जीत के साथ फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम-16 में जगह बना ली। निश्चित और अतिरिक्त अवधि (120 मिनट) मिलाकर भी इस मैच का फैसला नहीं हो सका। मैच 1-1 से बराबर था। इसके बाद पेनल्टी में मोरक्को ने 3-2 से जीत हासिल की।

72वें मिनट में कोडी गैकपो ने गोल करके नीदरलैंड को बढ़त दिलाई। क्राइसेंसियो समरविले के गोल के सामने एक शानदार रन और ऑफ-बैलेंस टचबैक ने गैकपो को गोल करने में मदद की। गैकपो अब वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के लिए छह गोल के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह सिर्फ जॉनी रेप से पीछे हैं, जिन्होंने 1974 (चार गोल) और 1978 (तीन गोल) के बीच सात गोल किए थे।

मोरक्को ने 91वें मिनट में बराबरी का गोल करके वापसी की। सेंट्रल डिफेंडर इसा डियोप ने अतिरिक्त समय की शुरुआत में स्थानापन्न चेम्सडाइन टैल्बी के क्रॉस पर हेडर मारकर गोल कर दिया।

मॉन्टेरी में 120 मिनट का रोमांचक मैच उतार-चढ़ाव वाला रहा और रेगुलर या एक्स्ट्रा टाइम में कोई विनर नहीं बन पाया। लगातार दूसरे मैच में, टीमों को बांटने के लिए पेनल्टी किक की जरूरत पड़ी।

पेनल्टी किक के दौरान, दोनों देशों ने अपनी पहली दो कोशिशों में से एक में चूक की, तीसरी में गोल किया और फिर चौथी में चूक गए। यासीन बौनू ने क्राइसेनसियो समरविले का शॉट बचाया, और इस्माइल साइबारी ने अपना गोल करके जीत हासिल की।

वहां, यासीन बौनू शूटआउट में हीरो बने। उन्होंने समरविले का शॉट बचाया, जब दोनों टीमें दो बार चूक गईं, इससे पहले साइबारी ने अहम पेनल्टी को गोल में बदलकर 5 जुलाई को ह्यूस्टन में वर्ल्ड कप को-होस्ट कनाडा के साथ राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई।

महिला टी20 विश्व कप: भारत के खिलाफ मिली जीत ने बहुत आत्मविश्वास दिया, ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज लूसी हैमिल्टन का बयान

विश्व केसरी

लंदन । ऑस्ट्रेलिया की बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन ने कहा है कि आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में नई गेंद से लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन करने के बाद उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। अब वह वेस्टइंडीज के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में इसी भरोसे के साथ उतरने को तैयार हैं।

क्रिकेट.कॉम.एयू से बातचीत में हैमिल्टन ने कहा कि नई गेंद से पहला ओवर फेंकना उनके लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। उन्होंने विशेष रूप से भारत के खिलाफ ग्रुप चरण में मिली महत्वपूर्ण जीत का जिक्र करते हुए कहा कि उस मुकाबले ने पूरी टीम का आत्मविश्वास बढ़ाया और सेमीफाइनल से पहले खिलाड़ियों को सकारात्मक ऊर्जा दी।

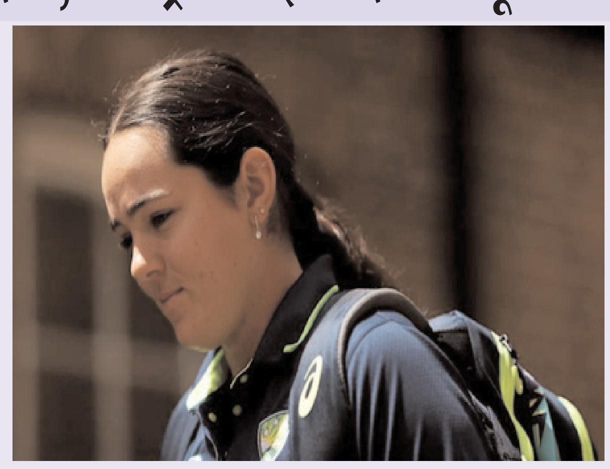

हैमिल्टन ने स्वीकार किया कि बड़े टूर्नामेंट और भारी दर्शक संख्या के बीच दबाव महसूस होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान के दौरान हर खिलाड़ी थोड़ी घबराहट महसूस करता है, लेकिन पहला ओवर शुरू होते ही वह पूरी तरह मैच में रम जाती हैं। उनके अनुसार, विश्व कप के दौरान मिले अनुभव ने उन्हें दबाव वाले मुकाबलों के लिए मानसिक रूप से और मजबूत बनाया है।

उन्होंने कहा कि भारत जैसी मजबूत टीम के खिलाफ सफल प्रदर्शन करने से उन्हें यह विश्वास मिला है कि वह बड़े अवसरों पर भी अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभा सकती हैं। यही अनुभव अब सेमीफाइनल में उनके लिए बड़ी ताकत साबित होगा।

हैमिल्टन ने मैचों के बीच कम अंतराल का भी स्वागत किया। उनका मानना है कि टी20 क्रिकेट में लगातार मैच खेलने से टीम का मोमेंटम बना रहता है और खिलाड़ी अपनी लय नहीं खोते। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया हाल के मुकाबलों में जिस गुणवत्ता का क्रिकेट खेल रहा है, उसे सेमीफाइनल में भी बरकरार रखना टीम का लक्ष्य होगा।

सेमीफाइनल मुकाबला द ओवल में खेला जाएगा, जहां हैमिल्टन पहली बार मैदान पर उतरेंगी।

उन्होंने बताया कि मैच से पहले वेन्यू का दौरा करने से उन्हें आउटफील्ड और परिस्थितियों को समझने का मौका मिलेगा। उनके अनुसार, हालात तेजी से बदल सकते हैं, इसलिए टीम का फोकस जल्द से जल्द परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने और अपने स्वाभाविक खेल पर रहेगा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415